जबलपुर गुरुवार 9 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमीं
वर्ष 33 अंक 14 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर
रोज दर्पण
▶▶ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान
28.5°C
न्यूनतम तापमान
25.4°C

सूर्योदय - 5.31 | सूर्यास्त - 7.00

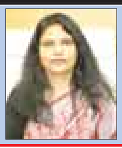

कंचन खुली खदान से प्रभावित शासकीय भवनों... ▶▶ 4

जंगल राज की ओर बढ़ रहा है पश्चिम बंगाल... ▶▶ 7

सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केंद्र धमना का निरीक्षण... ▶▶ 8

2,300 करोड़ से होंगे अधोसंरचनात्मक विकास और पुनर्वास कार्य : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को संपन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में अनेक निर्णय लिए गए है। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में अधोसंरचना विकास और पुनर्वास कार्यों को 2300 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसी तरह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रस्ताव अनुसार राज्य डाटा सेंटर के आधुनिकीकरण, आई.टी एवं डिजास्टर रिकवरी सहित अन्य कार्यों के लिए मंत्रि-परिषद ने 800 करोड़ की मंजूरी दी है। विभाग के ही तीन अन्य प्रस्तावों पर विज्ञान पार्क- एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नालॉजी पार्क की स्थापना एवं संचालन के लिए वर्ष 2031 तक निरंतरता के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक और प्रस्ताव अनुसार ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023 के संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत स्वामित्व योजना के निष्पादित हस्तांतरण अभिलेखों पर अतिरिक्त स्टांप शुल्क से छूट दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा प्रस्तुत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक-2026 को भी मंत्रि-परिषद ने मंजूरी दी है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव अनुसार मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री स्कूटी योजना को वर्ष 2031 तक निरंतर रखे जाने के लिए 495 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। यानि कैबिनेट ने हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण योजना को पूर्ववत जारी रखने का निर्णय लिया है।

अनाज के ई-ऑक्शन का फैसला

समर्थन मूल्य पर खरीदे गए अनाज के संबंध में निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार के आवंटन के बाद बचा हुआ अनाज राज्य सरकार अपने स्तर पर ई-ऑक्शन के माध्यम से बेचेगी, ताकि लंबे समय तक भंडारण की समस्या न हो।

48 लाख लोगों को मिलेगा रजिस्ट्री में लाभ

कैबिनेट ने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री पर पंचायत उपकर नहीं लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस उपकर का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इससे प्रदेश के करीब 48 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती होगी तेज

प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए विभागीय स्तर पर भर्ती करने का निर्णय लिया गया है। जहां पीएससी के माध्यम से पद नहीं भर पाए हैं, वहां स्वास्थ्य विभाग स्वयं भर्ती करेगा।

हर जिले में बनेंगे आईटी पार्क

राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के डेटा सेंटर के उन्नयन के लिए 800 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है। साथ ही औद्योगिक नीति के तहत प्रदेश के सभी जिलों में छोटे-छोटे आईटी पार्क विकसित किए जाएंगे और आईटी उद्योगों के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

डोंगला वेधशाला परियोजना को भी मंजूरी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से उज्जैन के निकट डोंगला स्थित खगोलीय वेधशाला के विकास कार्यों को जारी रखने के लिए 39 करोड़ रुपए के व्यय को भी मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने नगरीय विकास विभाग की नमो हरित नगर योजना को मंजूरी दी। इसके तहत अगले पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपए की लागत से नगर वन विकसित किए जाएंगे।

ईरान ने होर्मुज से भारतीय टैंकर को वापस लौटाया

नई दिल्ली। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से एक बड़ी खबर आई है। यहां से एक भारतीय टैंकर को ईरान ने वापस भेज दिया है। ईरानी सेना ने इस इंडियन टैंकर को होर्मुज पार नहीं करने दिया। ईरान की न्यूज एजेंसी फार्स ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले मंगलवार को होर्मुज में भारत आ रहे एक टैंकर पर हमला हुआ था। अमेरिका की ओर से ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर ताजा हमले और इसके जवाब में बहरीन और कुवैत पर किए गए ईरानी हमले के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव फिर बढ़ गया है। न्यूज एजेंसी ने कहा है कि कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के कॉरिडोर से गुजर रहे एक भारतीय तेल टैंकर को वापस भेज दिया गया है। ये इंडियन टैंकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ओमानी कॉरिडोर का इस्तेमाल करके होर्मुज क्रॉस कर रहा था। लेकिन इस पर ईरानी सेना ने विरोध जताया, इसके बाद इस टैंकर को वहां से लौटने कहा गया। 24 जून को ओमान और यूएन की इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन ने ओमान के तट के पास जलडमरूमध्य में एक अस्थायी कॉरिडोर की घोषणा की थी। खाड़ी में फंसे जहाजों को निकालने के लिए बनाए गए इस कॉरिडोर की देखरेख अमेरिका करेगा। ईरान का इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स रेडियो कम्युनिकेशन के जरिए उन जहाजों को चेतावनी देता रहता है जो ओमान कॉरिडोर का इस्तेमाल कर रहे हैं। आईआरजीसी ऐसे जहाजों को आदेश देते हैं कि वे ओमान कॉरिडोर के बजाय ईरान द्वारा तय किए गए कॉरिडोर का इस्तेमाल करें। फार्स ने कहा कि जहाज ट्रैकिंग से पता चला है कि बुधवार सुबह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे सभी जहाजों ने ईरान द्वारा मंजूर किए गए कॉरिडोर का ही इस्तेमाल किया। इससे पहले मंगलवार को कतर से एलएनजी लेकर भारत आ रहे एक जवाब पर हमला हुआ था। कतर का यह जहाज एलएनजी लेकर भारत के गुजरात आ रहा था, तभी होर्मुज से गुजरते समय ड्रोन हमले की चपेट में आ गया। इस जहाज पर कुल 29 क्रू सवार थे, जिनमें चार भारतीय सवार थे। चालक दल के सदस्यों समेत सभी क्रू सुरक्षित बताए जाते हैं।

मंगलवार को भी हुआ था जहाज पर अटैक

मुठभेड़ में लश्कर कमांडर जाकिर अहमद ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी मारा गया। बुधवार को सुरक्षाबलों ने उसका शव बरामद किया। जाकिर गनी उन 14 आतंकियों की सूची में शामिल था, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया था। सेना ने शनिवार शाम चनापोरा इलाके में ऑपरेशन शुरू किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन जाकिर गनी का शव बरामद हुआ। एक और आंतकी लतीफ भट के छिपे होने की आशंका है।

राममंदिर: फर्जी रसीद बुक मिली

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय को पुलिस ने 40 घंटे की रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपियों से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की पुरानी फर्जी रसीद बुक मिली है। यह रसीद हूबहू असली की तरह दिखती है। इस पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का लोगो बना है। आरोपियों ने कबूला है कि वे फर्जी रसीद काटकर चंदा देने वालों से पैसे भी ऐंठ लेते थे। शुरुआत में टिन्नू यादव, लवकुश, करुणेश, अनुकल्प समेत अन्य आरोपी जब कोई मंदिर में दान देने की इच्छा जताता था, तो उसे रसीद के तौर पर यह फर्जी रसीद दे देते थे, ताकि किसी को शक न हो।

बद्रीनाथ: सस्पेंड निजी सचिव पर एफआईआर

चमोली। बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में कथित हेरफेर मामले में पहली बड़ी आपराधिक कार्रवाई हुई है। मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की तहरीर पर निलंबित निजी सचिव प्रमोद नौटियाल के खिलाफ बद्रीनाथ थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 306 और 316(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले की जांच के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की है। जिसे 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महाराष्ट्र में 6 महीने में 465 किसानों ने सुसाइड किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में 465 किसानों ने आत्महत्या की है। संभागीय आयुक्त कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से जून के बीच सबसे अधिक 109 मामले छत्रपति संभाजीनगर जिले में दर्ज हुए, जबकि सबसे कम 26 मामले लातूर जिले में सामने आए। रिपोर्ट बुधवार को जारी की गई। संभागीय आयुक्त कार्यालय, छत्रपति संभाजीनगर की रिपोर्ट के अनुसार, मराठवाड़ा के आठ जिलों में किसानों की आत्महत्या के मामलों का यह आंकड़ा प्रशासन के रिकॉर्ड पर आधारित है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस वर्ष के पहले छह महीनों में कुल 465 किसान आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए।

भारत ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का सफल परीक्षण किया

भुवनेश्वर। भारत ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का सफल उड़ान परीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार, रॉकेट का परीक्षण 60 किलोमीटर की उपयोगकर्ता-निर्धारित न्यूनतम दूरी के लिए किया गया और इसने तय लक्ष्य पर पूरी सटीकता के साथ निशाना साधा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण के दौरान रॉकेट ने योजना के अनुसार सभी इन-फ्लाइट युद्धाभ्यास सफलतापूर्वक पूरे किए। रॉकेट ने अनुमानित ट्रैजेक्टरी का पूरी तरह पालन करते हुए लक्ष्य को टेक्स्टबुक प्रिसिजन के साथ भेदा। पूरी उड़ान के दौरान तैनात सभी रेंज उपकरणों ने इसकी निगरानी की। मंत्रालय के मुताबिक, पिनाका एलआरजीआर को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट ने हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के साथ मिलकर विकसित किया है। इसमें डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत का भी सहयोग रहा।

2.25 लाख में बिका यूजीसी-नेट पेपर : राहुल

हरियाणवी एडवोकेट के दावे को बनाया आधार

रोहतक

नीट विवाद के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट परीक्षा को लेकर नए पेपर लीक का दावा किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि सोशियोलॉजी का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले 2.25 लाख रुपये में बेचा गया। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में हरियाणा के एक एडवोकेट की खबर को अटैच किया है। जिसमें एडवोकेट दीपक धनखड़ ने करीब 100 पेज की पीडीएफ जारी कर दावा किया है कि 28 और 29 जून की रात को सवाल लीक हुए थे। उनके अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने सौदा किया, उन्हें जो सवाल पहले से तैयार कराए गए थे, वही अगले दिन परीक्षा में पूछे गए। एडवोकेट ने 6 जुलाई को एक ऑडियो संदेश भी जारी कर कहा है कि उन्हें पेपर लीक माफिया से जान का खतरा है, इसलिए वे अंडरग्राउंड हैं। हालांकि, अब तक उनकी ओर से इस मामले में पुलिस या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के समक्ष कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने की जानकारी नहीं है। उधर, राहुल गांधी की पोस्ट के बाद रोहतक पुलिस एक्टिव हो गई है। एडवोकेट दीपक धनखड़ की तलाश शुरू कर दी है। शहीद भगत सिंह छात्र संगठन के अध्यक्ष प्रदीप मोटा के मुताबिक पुलिस धनखड़ को खोज रही है। उसके बारे में कई छात्र संगठनों के नेताओं से भी पूछताछ की गई है। नहीं पता कि धनखड़ इस समय कहां है। वहीं, इनसो प्रदेशाध्यक्ष दीपक मलिक ने ने कहा कि रोहतक एसपी स्पष्ट करे धनखड़ को क्यों खोजा जा रहा है?

चंपत राय को गिरफ्तार किया जाय: कांग्रेस

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे में कथित गड़बड़ी को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस मामले में पूर्व महासचिव चंपत राय की तत्काल गिरफ्तारी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने और पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। साथ ही पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश से माफी मांगने की भी मांग उठाई है। कांग्रेस की ओर से कहा गया, चंपत राय को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, साथी ही प्रधानमंत्री मोदी देश से माफी मांगें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राम मंदिर का श्रेय लेने में सबसे आगे रहे, लेकिन अब चढ़ावे में कथित चोरी के मामले में जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि ट्रस्ट को भंग किया जाए, असली दोषियों को गिरफ्तार किया जाए, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराई जाए, नया ट्रस्ट बनाया जाए और प्रधानमंत्री देश से माफी मांगें। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने भी सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि वर्तमान ट्रस्ट को भंग कर नया ट्रस्ट बनाया जाए।

दिल्ली में बनेगा भारत का पहला ई-वेस्ट इको पार्क

नई दिल्ली। दिल्ली में लंबे समय से विभिन्न विभागों के बीच तालमेल की कमी के कारण अटकी कई बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को अब गति मिलने जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की समीक्षा के बाद कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन को मंजूरी दे दी गई है। इनमें सबसे अहम परियोजना होलंबी कलां में देश का पहला ई-वेस्ट इको मैनेजमेंट पार्क स्थापित करना है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इस परियोजना के लिए 8.5 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। यह अत्याधुनिक और प्रदूषण-मुक्त सुविधा वैश्विक ग्रीन टेक्नोलॉजी मानकों के अनुरूप विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक कचरे के वैज्ञानिक निपटान और ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देना है। कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए गाजीपुर लैंडफिल साइट पर 10 एकड़ भूमि नगर निगम (एमसीडी) को सौंपी गई है। इसके अलावा वेस्ट-टू-एनर्जी और बायो-मीथेनाइजेशन संयंत्रों के विस्तार के लिए 10.4 एकड़ अतिरिक्त भूमि भी आवंटित की गई है। एमसीडी को 24 फिक्स्ड कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन स्थापित करने के लिए भी जमीन दी गई है।

उड़ान भरते ही क्रैश हुआ नेवी का मानवरहित विमान

पोरबंदर। गुजरात के पोरबंदर में बुधवार दोपहर भारतीय नौसेना का एक मानवरहित विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, मानवरहित विमान नेवल एयर एन्क्लेव से उड़ान भरने के बाद शहर के पास एक खुले मैदान में गिर गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त मानवरहित विमान खुले मैदान में गिरा, जिससे आसपास के रिहायशी इलाके प्रभावित नहीं हुए। घटना के बाद संबंधित एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में किसी व्यक्ति के घायल होने या किसी अन्य नुकसान की सूचना नहीं मिली है। दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। भारतीय नौसेना और संबंधित अधिकारी मानवरहित विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच कर रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तकनीकी खराबी या किसी अन्य वजह से यह हादसा हुआ।

एनटीए का प्लान: नीट का पूरा पैटर्न बदलेगा!

अब 1 नहीं, 6 दिन तक चलेंगे पेपर

नई दिल्ली

सरकार नीट-यूजी की पूरी परीक्षा का सिस्टम बदलने जा रही है, और यह कोई छोटा-मोटा बदलाव नहीं बल्कि एक पूरा महा-बदलाव है! मीडिया रिपोर्ट्स और शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नीट परीक्षा को लेकर एक सुपर प्लान पर काम कर रही है। अभी तक देश भर के 22-23 लाख बच्चे एक ही दिन, एक ही शिफ्ट में पेन और ओएमआर शीट लेकर परीक्षा देने बैठते थे। लेकिन नीट-यूजी 2027 से यह गुजरे जमाने की बात हो जाएगी। नये प्लान के अनुसार अब नीट परीक्षा एक दिन नहीं, बल्कि 5 से 6 दिनों तक चलेगी। अब परीक्षा को अलग-अलग दिनों में कई शिफ्टों में बांटा जाएगा। हर दिन देश भर में करीब 5 लाख छात्र परीक्षा देंगे। इस सुपर प्लान का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा है परीक्षा का मोड बदलना। पेन-एंड-पेपर मोड को अब पूरी तरह से खत्म करके इसे ऑनलाइन किया जा रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि ओएमआर शीट और पेपर प्रिंटिंग वाली परीक्षा में पेपर लीक होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट में पेपर पूरी तरह डिजिटल लॉक रहता है, जो परीक्षा शुरू होने के ठीक कुछ मिनट पहले ही छात्र की स्क्रीन पर खुलता है। इससे लीक की गुंजाइश न के बराबर हो जाती है।

प्राइवेट सेंटर्स आउट, सरकारी स्कूल इन!

अक्सर खबरों में आता है कि फलां शहर के किसी प्राइवेट स्कूल या कॉलेज वाले सेंटर पर गड़बड़ी हुई। सरकार ने इस दर्द का इलाज ढूंढ लिया है। बताया जा रहा है कि नए प्लान के तहत परीक्षा केंद्रों की संख्या 5,000 से घटाकर सिर्फ 1,000 की जाएगी। ये 1,000 केंद्र सिर्फ और सिर्फ केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय जैसे भरोसेमंद सरकारी संस्थानों में ही बनाए जाएंगे।

नॉर्मलाइजेशन प्रोसेस होगा लागू

छात्रों का ये डर कि परीक्षा का डिफिकल्टी लेवल कम या ज्यादा हो सकता है, लेकिन इसके लिए एनटीए नॉर्मलाइजेशन प्रोसेस का इस्तेमाल करेगी। यह वही फॉर्मूला है जो जेईई में सालों से चल रहा है। इसमें आपके सीधे नंबर नहीं, बल्कि आपकी शिफ्ट के बाकी बच्चों के मुकाबले आपका प्रदर्शन (परसेंटाइल) देखा जाता है। इसलिए किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी।

क्या सिलेबस भी बदल जाएगा?

बिल्कुल नहीं! सिलेबस (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलाजी) वही रहेगा। बस आपको गोला भरने की जगह कंप्यूटर पर क्लिक करने की प्रैक्टिस शुरू करनी होगी। बता दें कि ये रिफॉर्म इसरो के पूर्व प्रमुख के। राधाकृष्णन कमेटी की सिफारिशों पर हो रहा है, जिसका लक्ष्य अक्टूबर 2026 तक एनटीए के पूरे सिस्टम को सुधारना है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय कटौती पर हाईकोर्ट की रोक

हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, सरकार को एरियर देने के आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने प्रदेश की हजारों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के हक में एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने उनके मानदेय में की गई कटौती को पूरी तरह गलत और अस्वीकार्य करार दिया है। हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बी.पी. शर्मा की युगलपीठ (डबल बेंच) ने साफ किया कि केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए आर्थिक अंशदान का सीधा लाभ कर्मचारियों को मिलना चाहिए, न कि राज्य सरकार इसका उपयोग अपने हिस्से का वित्तीय बोझ कम करने के लिए करे। यह मामला मप्र बुलंद आवाज नारी शक्ति आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका संगठन, भोपाल द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। केंद्र सरकार ने 27 जून 2019 से आंगनबाड़ी कर्मियों के लिए अपने वित्तीय अंशदान में बढ़ोतरी की थी ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुधर सके। लेकिन राज्य सरकार ने चालाकी दिखाते हुए अपने हिस्से के अंशदान में कटौती कर दी। इसका नतीजा यह हुआ कि केंद्र द्वारा बढ़ाई गई राशि का वास्तविक लाभ कर्मियों को नहीं मिला और उनका कुल मानदेय लगभग पहले जितना ही बना रहा।

ब्याज से सरकार को राहत

इससे पहले 3 फरवरी 2026 को हाई कोर्ट की एकलपीठ ने राज्य सरकार को 27 जून 2019 से पहले की व्यवस्था के अनुसार मानदेय बहाल करने और 6 महीने के भीतर ब्याज सहित एरियर (बकाया राशि) भुगतान करने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने इस फैसले को युगलपीठ में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद युगलपीठ ने एकलपीठ के मानदेय बहाली और एरियर भुगतान के आदेश को तो सही रखा, लेकिन बकाया राशि पर ब्याज देने के निर्देश को निरस्त कर दिया। अदालत ने कहा कि मूल याचिका में ब्याज के समर्थन में कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। इससे राज्य सरकार को ब्याज के भारी-भरकम भुगतान से बड़ी राहत मिल गई है।

ग्रेच्युटी का लाभ भी मिलेगा

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि पात्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियमों के मुताबिक ग्रेच्युटी का लाभ भी दिया जाएगा।

अदालत ने साफ संदेश दिया है कि सरकारें कर्मचारियों के लिए स्वीकृत वित्तीय लाभों में मनमाने ढंग से कटौती नहीं कर सकती हैं। कर्मचारियों को 27 जून 2019 से लेकर अब तक की काटी गई राशि का पूरा एरियर (बकाया) मिलेगा। भविष्य के लिए पुराना मानदेय ढांचा बहाल होगा, जिससे हर महीने मिलने वाली सैलरी बढ़कर आएगी।

साथ ही रिटायरमेंट या सेवा के नियमों के तहत ग्रेच्युटी का वित्तीय लाभ मिलेगा। कानूनी जानकारों के मुताबिक, यह फैसला भविष्य में अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए भी एक नजीर (उदाहरण) बनेगा कि केंद्र से मिलने वाले अतिरिक्त फंड का इस्तेमाल राज्य सरकारें अपना पैसा बचाने के लिए नहीं कर सकतीं।

रिटायरमेंट से पहले ट्रांसफर पर हाईकोर्ट से राहत

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के ठीक पहले कर्मचारियों के स्थानांतरण (तबादले) को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई कर्मचारी अपने ट्रांसफर पर आपत्ति दर्ज कराता है, तो प्रशासन के लिए उस पर पहले कानून के दायरे में और ठोस कारणों के साथ निर्णय लेना अनिवार्य है।

यह आदेश अनूपपुर जिले की 61 वर्षीय प्राथमिक शिक्षिका कमल जान्हा की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विशाल धगत की एकलपीठ ने दिया। हाई कोर्ट ने शिक्षिका के ट्रांसफर पर फिलहाल रोक लगा दी है और सरकार को 30 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने (अभ्यावेदन का निराकरण करने) का आदेश दिया है। तब तक शिक्षिका अपने वर्तमान पदस्थापना स्थल शासकीय संदीपनी स्कूल, पचखुरा (विकासखंड कोतमा) में ही सेवाएं देती रहेंगी। याचिकाकर्ता कमल जान्हा का 16 जून 2026 को कोतमा से शासकीय प्राथमिक विद्यालय अमौदा (विकासखंड पुष्पराजगढ़) के लिए ट्रांसफर ऑर्डर जारी किया गया था। शिक्षिका ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मोहन लाल शर्मा, शिवम शर्मा और जितेंद्र गर्ग ने कोर्ट में पक्ष रखते हुए दलील दी कि शिक्षिका की रिटायरमेंट में अब केवल 12 महीने का समय बचा है। सेवा के अंतिम वर्ष में इस तरह के तबादले से पेंशन, सर्विस रिकॉर्ड के रख-रखाव और रिटायरमेंट से जुड़ी अन्य जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर बुरा असर पड़ सकता है। शिक्षिका ने इस संबंध में विभाग के सक्षम अधिकारी के सामने अपनी आपत्ति (अभ्यावेदन) भी दर्ज कराई थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नाले में डूबी पेयजल पाइपलाइन से नलों में आया दूषित पानी

राजीव गांधी वार्ड में नलों से निकला काला और बदबूदार पानी, आमजन में आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर के उत्तर-मध्य विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजीव गांधी वार्ड में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। बुधवार सुबह जब लोगों ने घरों में नल खोले, तो साफ पानी की जगह काला और भारी दुर्गंधयुक्त पानी बहने लगा। इस दूषित पानी को देखकर पूरे क्षेत्र के नागरिकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर निगम की घोर लापरवाही के कारण पेयजल की मुख्य पाइपलाइन सीधे गंदे नाले के भीतर से होकर गुजर रही है, जिससे नाले का गंदा पानी रिसकर घरों तक पहुंच रहा है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

सुबह जब नलों से काला पानी आना शुरू हुआ, तो शुरुआत में लोगों को लगा कि बारिश के मौसम के कारण शायद कुछ देर में साफ पानी आने लगेगा। लेकिन 10 से 15 मिनट बीत जाने के बाद भी जब बदबू और कालेपन में कोई कमी नहीं आई, तो लोगों का सब्र टूट गया। आक्रोशित नागरिकों ने दूषित पानी के वीडियो बनाकर

सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। लोगों का कहना है कि वे नियमित रूप से जल कर और अन्य टैक्स चुकाते हैं, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ बीमारियां परोसी जा रही हैं।

फैल रही बीमारियां, महामारी की आशंका

स्थानीय निवासियों का दावा है कि पिछले कुछ दिनों से वार्ड में उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसी जलजनित बीमारियों के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई है। पहले लोग इसे सामान्य मौसमी बीमारी समझ रहे थे, लेकिन नलों से सीधे तौर पर नाले का पानी आते देख अब यह साफ हो गया है कि बीमारी की मुख्य वजह यही दूषित जल है। यदि समय रहते इस समस्या को ठीक नहीं किया गया, तो क्षेत्र में कोई बड़ी महामारी फैल सकती है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि नगर निगम तुरंत स्वच्छ पेयजल के टैंकरों की व्यवस्था करे और युद्धस्तर पर पाइपलाइन सुधार का कार्य शुरू करे।

मुंबई-बेंगलुरु की दैनिक फ्लाइट्स बहाल करने की मांग

घटती वायुसेवाओं को लेकर फेडरेशन ने इंडिगो एयरलाइन को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज द्वारा जबलपुर शहर की लगातार घटती वायुसेवाओं को लेकर इंडिगो एयरलाइन के डायरेक्टर, सेल्स, ईस्ट एवं सेन्ट्रल इंडिया श्री संजीव भट्टाचार्य के नाम ज्ञापन प्रेषित किया जिसे मध्य प्रदेश के सेल्स हेड कुंवर रावत को गत दिवस भोपाल में सौंपा गया। फेडरेशन ने ज्ञापन के माध्यम से जबलपुर की हवाई कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने एवं बंद हो चुकी उड़ानों को पुनः प्रारंभ करने की

मांग की है। फेडरेशन के अध्यक्ष तथा जबलपुर संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने कहा कि जबलपुर मध्यप्रदेश का एक महत्वपूर्ण संभागीय मुख्यालय होने के साथ-साथ औद्योगिक, शैक्षणिक, व्यापारिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण शहर है। इसके बावजूद पिछले कुछ समय से जबलपुर की वायुसेवाओं में लगातार कमी आई है, जिससे व्यापार, उद्योग, पर्यटन तथा आम नागरिकों को गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जबलपुर से मुंबई एवं बंगलुरू फ्लाइट को रोजाना के स्थान पर सप्ताह में चार दिन किया गया है जिससे फ्लायर्स में रोष व्याप्त है। हिमांशु खरे ने बताया कि पूर्व में जबलपुर से देश के अनेक प्रमुख महानगरों के लिए नियमित उड़ानें संचालित होती थीं, किंतु वर्तमान में कई महत्वपूर्ण सेक्टरों पर वायुसेवाएं बंद या सीमित हो गई हैं। वर्तमान में जबलपुर से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु एवं इंदौर जैसे शहरों के लिए वायुसेवाएं उपलब्ध हैं, जबकि पूर्व में जबलपुर अहमदाबाद, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों से भी जुड़ा हुआ था। वायुसेवाओं में आई कमी से न केवल क्षेत्रीय विकास प्रभावित हो रहा है, बल्कि निवेश की संभावनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

शहर में जलभराव ने बढ़ाईं मुश्किलें, दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का दौर सक्रिय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में मौसम के मिजाज बदलते ही शहरवासियों को भीषण गर्मी से तो राहत मिल गई है, लेकिन इसके साथ ही दिक्कतों का एक नया दौर भी शुरू हो गया है। सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा जमा रहा और देखते ही देखते दिनभर झमाझम बारिश का सिलसिला जारी रहा। लगातार हो रही तेज बारिश से शहर का तापमान तेजी से नीचे गिरा है और मौसम में अच्छी-खासी ठंडक घुल गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आज शहर का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के

आंकड़ों के मुताबिक, इस सीजन में अब तक कुल 154.3 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। वर्तमान में क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का दौर सक्रिय है, जिसके प्रभाव से बादलों की आवाजाही और मूसलाधार बारिश का क्रम लगातार बना हुआ है।

निचले इलाकों में घुसा पानी

तेज हवाओं के साथ हुई इस मूसलाधार बारिश की वजह से पूरे शहर में भारी जलभराव (वाटरलॉगिंग) की स्थिति निर्मित हो गई है। लगातार पानी गिरने के कारण शहर के निचले इलाकों में हालात बिगड़ने लगे हैं। कई प्रमुख सड़कों, चौराहों और कॉलोनियों में घुटनों तक पानी भर जाने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नालियों और ड्रेनेज सिस्टम के चोक होने और उफान पर होने की वजह से कई रिहाइशी इलाकों के घरों में भी पानी घुसने की समस्या शुरू हो गई है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दक्षिण-पश्चिम हवाओं की सक्रियता को देखते हुए बारिश का यह दौर अभी आगे भी जारी रह सकता है। प्रशासन ने लोगों को एहतियात बरतने और जलभराव वाले रास्तों से दूर रहने की सलाह दी है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग और युवक घायल

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। खितौला स्टेशन रोड पर बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में बुधवार सुबह दो लोग घायल हो गए टक्कर इतनी तेज थी की दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। टक्कर होते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई लोगों ने आइडेंटी कार्ड के माध्यम से परिजनों को सूचना दी, मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को सिहोरा के शासकीय सिविल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहां पर एक युवक की गंभीर अवस्था को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जबलपुर रेफर कर दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय बसंत कोल पिता पचकोड़ी निवासी अगरिया डुंडी से लौटकर अपने घर जा रहा था। वहीं 65 वर्षीय सुदर्शन साहू पिता नंदू साहू निवासी मोहला यह अपने निवास ग्रह ग्राम मोहला से खितौला जा रहे थे तभी स्टेशन रोड पर बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई टक्कर लगते ही दोनों रोड पर दूर जा गिरे जिसके कारण सिर हाथ पैर पर उन्हें गंभीर चोटे पहुंची हैं।

छात्रों को दें सकारात्मक जीवन की राह: डीईओ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का समापन हो गया। 29 जून से 08 जुलाई 2026 तक जबलपुर में विभिन्न चरणों में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के 101 चयनित शिक्षकों ने हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर के रूप में भाग लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत कोठारी थे। समारोह को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी श्री गौतम बर्वे ने कहा कि उमंग कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ स्वास्थ्य की जानकारी देना नहीं, बल्कि स्कूलों में ऐसा सकारात्मक और सुरक्षित माहौल तैयार करना है जहाँ बच्चे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रह सकें। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया, शिक्षक स्वयं भी तनावमुक्त रहें और विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास तथा संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें।

खदान की जांच करने के लिए गठित टीम पहुंचेगी गोसलपुर

विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किया गया शामिल

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । गोसलपुर कस्बे में शंकर कॉलोनी के पीछे संचालित खदान एस एस इंटरप्राइजेज के द्वारा अवैध खनन परिवहन ,स्वीकृति से अधिक खदान ,क्षेत्र में पौधारोपण न करना, पानी को बेतहाशा रूप से बहाने से नगर मे उपजे जलसंकट ,हायर सेकेंडरी स्कूल की सडक को क्षति पहुचाने ,गोसलपुर में वाटर ट्रीटमेंट फिल्टर प्लांट लगाने ,आयरन ओर की खदान से मुरूम का अवैध खनन परिवहन विक्रय जैसे अनेक मांगों का ज्ञापन पत्र गोसलपुर के ग्रामीणों ने एकजुट होकर पिछले सप्ताह जिले के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को सौपा था ग्रामीणों की शिकायत पर तुरंत संज्ञान में लेते हुए खदान में व्याप्त लापरवाही

तय मानको की अनदेखी व अन्य लापरवाही कमियों की जाँच के लिए टीम गठित की गई। जिसमें सिहोरा एसडीएम, जिला खनिज अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, आईबीएम, भारतीय खान ब्यूरो, जनपद पंचायत सिहोरा की सीईओ को शामिल किया गया है। गठित जांच टीम आज गुरूवार को खदान परिसर क्षेत्र मे जांच करने पहुचेगी। उल्लेखनीय है खदान संचालक के द्वारा शासन के नियमों की धज्जियाँ कई वर्षों से उड़ाई जा रही थी। वहीं स्वीकृत नक्शे के अनुसार अधिक खनन मानकों का पालन न होना ,भूमिगत जल को व्यर्थ में बहाना, खदान क्षेत्र में प्रदूषण, बोर्ड के नियमों का पालन न करना जैसे अनेक अनियमितताएं पिछले कई वर्षों से बरती जा रही थी। लोगो को विश्वास है की जांच के उपरांत वैधानिक कडी कार्यवाही निश्चित रूप से प्रस्तावित की जावेगी।

रन फॉर साइबर सेफ्टी मैराथन के जरिए आमजन को किया गया जागरूक

सेफ क्लिक 2.0 मप्र पुलिस का प्रदेश व्यापी अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सेफ क्लिक 2.0 मप्र पुलिस के प्रदेश व्यापी अभियान के तहत जबलपुर पुलिस ने बुधवारको रन फॉर साइबर सेफ्टी मैराथन दौड़ का आयोजन किया, जिसके जरिए साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक रहने का संकल्प दिलाया गया। उक्त मैराथन पुलिस परेड ग्राउंड से कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों को सायबर सुरक्षा शपथ दिलाकर किया गया। उन्होंने सभी से डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सतर्कता बरतने, व्यक्तिगत एवं बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी से साझा न करने तथा साइबर अपराधों के प्रति स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। मैराथन में एएसपी शहर डॉ. आयुष जाखड़, एएसपी ग्रामीण अनु बेनीवाल, एएसपी जितेंद्र सिंह, एएसपी मुख्यालय सूर्यकांत शर्मा, एएसपी सुश्री अंजना तिवारी, एएसपी अखिलेश तिवारी, डीएसपी साइबर अंजुल अयंक मिश्रा, डीएसपी क्राईम उदयभान बागरी, सीएसपी रांझी सतीश साहू, सीएसपी ओमती सोनू कुर्मी, आरआई जेपी आर्य, समस्त थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में स्कूल छात्र छात्राऐं एवं पुलिस लाईन आवास के युवा उपस्थित रहे। मैराथन पुलिस परेड ग्राउण्ड से प्रारम्भ होकर, अम्बेडकर चौक होते हुये हाईकोर्ट चौक, घंटाघर, तैयब अली चौक होते हुये पर्यटन तिराहा से हाईकोर्ट चौक, अम्बेडकर चौक होते हुये पुलिस परेड ग्राउण्ड में समाप्त हुई।

प्रतिभागियों को प्रदान किये मेडल व प्रशस्ति पत्र

मैराथन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में लगभग 600 से 700 नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही, कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि जिस प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक फिटनेस आवश्यक है, उसी प्रकार डिजिटल युग में सुरक्षित जीवन के लिए सायबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है।

सजग रहें, झांसे में न आये

जबलपुर पुलिस द्वारा संस्कारधानी वासियों से अपील की गई कि किसी भी अज्ञात कॉल, संदिग्ध संदेश, लिंक, एपीके फाइल अथवा अधिक लाभ का लालच देने वाले निवेश एवं शेयर मार्केट संबंधी विज्ञापनों पर बिना सत्यापन विश्वास न करें। किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंक खाता, एटीएम, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें। यदि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का शिकार होते हैं तो बिना विलंब राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें साथ ही शिकायत दर्ज कराये।

वर्क फ्राम होम का झांसा देकर महिला से 40 हजार की ठगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल निवासी एक महिला को जालसाजों ने अपना शिकार बनाते हुए वर्क फ्राम होम का झांसा दिया और टास्क पूरा करने कहकर उसके चालीस हजार रुपये हड़प लिये। पुलिस ने बताया कि मैत्री नगर निवासी 30 वर्षीय ज्योति त्रिपाठी के मोबाईल के वाट्सअप पर वर्क फ्राम होम का मैसिज आया। जिसके बाद उक्त अज्ञात व्यक्ति के कहने पर उन्होंने अपने मोबाइल में टेलीग्राम एप डाउनलोड किया था एवं उसी एप के माध्यम से उसने दिये गये टास्क पूरा किया। इसके बाद 3 जुलाई को उनके पति के एकाउंट में पुनः 26 सौ रुपये अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गये। जिस पर विश्वास करते हुए पीड़िता ने शाम लगभग 4 बजे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बताये गये यूपीआई ट्रांजेक्शन आईडी पर उसने 10 हजार रूपये अपने मोबाइल से गूगल एप के माध्यम में ट्रांजेक्शन किये तथा शाम लगभग 6 बजे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बताये गये यूपीआई ट्रांजेक्शन आईडी पटेल जय के नाम पर उसने 30 हजार रूपये गूगल-पे के माध्यम से भेजे थे। जिसके बाद अज्ञात व्यक्ति द्वारा 50 हजार रूपये डालने के लिये कहा गया तो उसे आनलाईन धोखाधड़ी किये जाने की जानकारी लगी।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAI

ALPHA (HIN)	12:20 PM, 4:35 PM, 6:10 PM & 10:30 PM RUBY 7:15 PM & 9:35 PM
NAGABANDHAM - THE SECRET TREASURE (HIN)	RUBY 10:20 AM
MINIONS & MONSTERS (HINDI)	RUBY 3:20 PM
BABY DO DIE DO (HIN)	RUBY 12:30 PM
WELCOME TO THE JUNGLE (HIN)	9:25 AM, 12:30 PM, 3:40 PM, 6:50 PM & 9:30 PM RUBY 9:45 PM
COCKTAIL 2 (HIN)	1:40 PM | RUBY 3:45 PM
MAIN VAAPAS AAUNGA (HIN)	3:00 PM, 7:20 PM, 9:55 PM | RUBY 6:30 PM
OBSESSION (ENG)	RUBY 1:15 PM & 5:05 PM

@moviemagic_jbp

MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS

Book tickets & F&B Movie Magic App a

ZERO PLATFORM

बच्चों के लिए कोडिंग: भविष्य की एक महत्वपूर्ण भाषा

कोडिंग वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हम कंप्यूटर को किसी कार्य को करने के लिए निर्देश देते हैं। कंप्यूटर हमारी सामान्य भाषा नहीं समझता, बल्कि विशेष प्रोग्रामिंग भाषाओं के माध्यम से दिए गए निर्देशों को समझता है। कोडिंग की मदद से वेबसाइट, मोबाइल ऐप, गेम और विभिन्न सॉफ्टवेयर बनाए जाते हैं। यह बच्चों में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ तार्किक सोच और रचनात्मक क्षमता का विकास करती है।

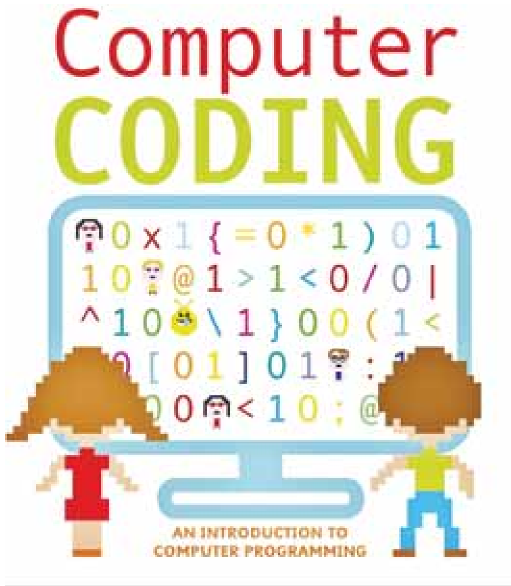

कोडिंग सीखने के प्रमुख लाभ

1. समस्या-समाधान और तार्किक क्षमता का विकास

कोडिंग बच्चों को किसी भी बड़ी समस्या को छोटे-छोटे भागों में बाँटकर समाधान ढूँढना सिखाती है। कोड में आने वाली गलतियों को सुधारने से धैर्य, विश्लेषण और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

2. रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा

कोडिंग बच्चों को अपने विचारों को वास्तविक रूप देने का अवसर देती है। वे गेम, ऐप, वेबसाइट और डिजिटल प्रोजेक्ट बनाकर अपनी कल्पनाओं को साकार कर सकते हैं। इससे उनमें केवल सीखने की नहीं, बल्कि कुछ नया बनाने की सोच विकसित होती है।

3. भविष्य के करियर के लिए तैयारी

आज के डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और सॉफ्टवेयर विकास जैसे क्षेत्रों में कोडिंग का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। प्रारंभिक स्तर पर कोडिंग सीखने से विद्यार्थियों को भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए बेहतर तैयारी मिलती है।

4. आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता में वृद्धि

जब बच्चे स्वयं कोई डिजिटल प्रोजेक्ट तैयार करते हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। वे अपनी समस्याओं के समाधान स्वयं खोजने और नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित होते हैं।

स्कूल शिक्षा में कोडिंग का महत्व

कोडिंग को पाठ्यक्रम में शामिल करने से विद्यार्थियों में गणितीय सोच, टीमवर्क और संचार कौशल का विकास होता है। समूह में कोडिंग प्रोजेक्ट करने से सहयोग की भावना बढ़ती है। साथ ही, डिजिटल सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग की समझ भी विकसित होती है।

कोडिंग केवल कौशल नहीं, एक नई भाषा है

कोडिंग बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने वाली महत्वपूर्ण शिक्षा है। यह केवल कंप्यूटर चलाना नहीं सिखाती, बल्कि सोचने, समझने और नए समाधान बनाने की क्षमता विकसित करती है। इसलिए स्कूलों में कोडिंग को शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

टी. सुधा नायडू
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रेन एकेडमी
गोरखपुर, जबलपुर

नशा: बाल जीवन के लिए गंभीर चुनौती

आज के समय में नशा एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका प्रभाव केवल वयस्कों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे बच्चे भी इसके दुष्प्रभावों का शिकार हो रहे हैं। कम उम्र में तंबाकू, शराब और अन्य हानिकारक पदार्थों का सेवन बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक क्षमता और भावनात्मक संतुलन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशे की आदत बच्चों के उज्ज्वल भविष्य में बाधा बन सकती है।

बालकों के जीवन पर नशे के दुष्प्रभाव

नशा बच्चों के स्वास्थ्य को कमजोर करता है और उनकी पढ़ाई, व्यवहार तथा सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करता है। नशे की लत के कारण बच्चे गलत संगति में पड़ सकते हैं और अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास की कमी, तनाव और कई प्रकार की सामाजिक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

परिवार की भूमिकाः संस्कार और संवाद का महत्व

बालकों को नशे से दूर रखने में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताना चाहिए, उनकी समस्याओं को समझना चाहिए और उन्हें अच्छे संस्कार देने चाहिए। घर का सकारात्मक वातावरण बच्चों को सही निर्णय लेने और गलत आदतों से बचने की प्रेरणा देता है।

नशा मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक

सरकार, समाज और परिवार को मिलकर नशे के विरुद्ध अभियान चलाने चाहिए। बच्चों को सुरक्षित वातावरण, उचित मार्गदर्शन और सकारात्मक अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। जागरूकता और सहयोग के माध्यम से ही नशे की समस्या को कम किया जा सकता है।

निहाल पटेल
शिक्षक
हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला देवताल,
गढ़ा, जबलपुर

विद्यालय और समाज की जिम्मेदारी

विद्यालय बच्चों को जागरूक बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षकों को नशे के नुकसान के बारे में जानकारी देकर विद्यार्थियों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों और रचनात्मक कार्यों में बच्चों की भागीदारी बढ़ाने से उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगती है।

इम्यून सिस्टम: हमारा सबसे भरोसेमंद अदृश्य बॉडीगार्ड

क्या आपने कभी सोचा है कि हम रोज़ाना हजारों बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आने के बावजूद हर दिन बीमार क्यों नहीं पड़ते? इसका जवाब छिपा है हमारे शरीर की उस अद्भुत सुरक्षा प्रणाली में, जिसे प्रतिरक्षा तंत्र या इम्यून सिस्टम कहा जाता है। यह ऐसा अदृश्य प्रहरी है, जो चौबीसों घंटे बिना रुके हमारे शरीर की निगरानी करता है और जैसे ही कोई हानिकारक रोगाणु हमला करता है, तुरंत उसे पहचानकर उसके खिलाफ लड़ाई शुरू कर देता है। कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया भर में लोगों ने प्रतिरक्षा तंत्र के महत्व को और बेहतर ढंग से समझा। मजबूत प्रतिरक्षा केवल बीमारी से बचाव ही नहीं करती, बल्कि संक्रमण होने पर शरीर को जल्दी स्वस्थ होने में भी मदद करती है।

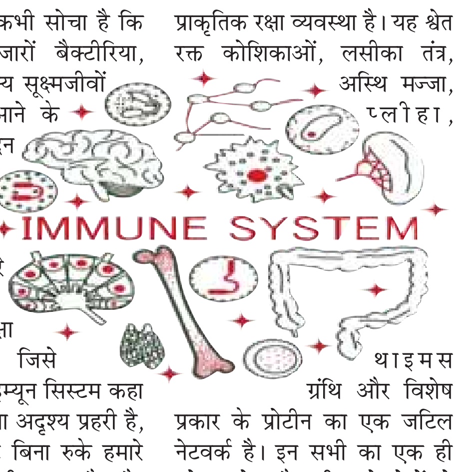

क्या है इम्यून सिस्टम ?

इम्यून सिस्टम शरीर की प्राकृतिक रक्षा व्यवस्था है। यह श्वेत रक्त कोशिकाओं, लसीका तंत्र, अस्थि मज्जा, प्लीहा, थाइमस ग्रंथि और विशेष प्रकार के प्रोटीन का एक जटिल नेटवर्क है। इन सभी का एक ही उद्देश्य होता है शरीर को रोगों से सुरक्षित रखना।

कैसे लड़ता है यह अदृश्य योद्धा ?

जब कोई वायरस, बैक्टीरिया या अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीव शरीर में प्रवेश करता है, तो प्रतिरक्षा तंत्र सबसे पहले उसे बाहरी आक्रमणकारी के रूप में पहचानता है। इसके बाद श्वेत रक्त कोशिकाएं सक्रिय होकर रोगाणुओं पर हमला करती हैं। शरीर विशेष प्रकार की एंटीबॉडी बनाता है, जो उन रोगाणुओं को निष्क्रिय कर देती हैं। यदि वही रोगाणु दोबारा हमला करें, तो प्रतिरक्षा तंत्र उन्हें पहले से पहचानकर कहीं अधिक तेज़ी से प्रतिक्रिया देता है। यही कारण है कि कई टीके लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र के प्रमुख प्रहरी

1 श्वेत रक्त कोशिकाएं - संक्रमण से लड़ने वाली मुख्य सैनिक।
2 एंटीबॉडी - रोगाणुओं को पहचानकर निष्क्रिय करने वाले विशेष प्रोटीन।
3 लसीका ग्रंथियां या लिम्फनोड - संक्रमण की पहचान कर प्रतिरक्षा कोशिकाओं को सक्रिय करती हैं।
4 अस्थि मज्जा या बोनमेरो - नई रक्त और प्रतिरक्षा कोशिकाओं का निर्माण करती है।
5 प्लीहा - रक्त को साफ करने और रोगाणुओं को नष्ट करने में सहायता करती है।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम कमजोर हो रहा है?

- बार-बार सर्दी-जुकाम या संक्रमण होना।
- मामूली घावों का देर से भरना।
- हर समय थकान महसूस होना।
- बार-बार बुखार आना।
- संक्रमण से उबरने में अधिक समय लगना।

प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने के आसान उपाय

1 संतुलित भोजन अपनाएंरू मौसमी फल, हरी सब्जियां, दालें, साबुत अनाज, दूध, दही, मेवे और पर्याप्त प्रोटीन शरीर को आवश्यक पोषण देते हैं।

2 भरपूर नींद लें। प्रतिदिन 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद प्रतिरक्षा कोशिकाओं को सक्रिय बनाए रखती है।

3 रोज़ व्यायाम करें तेज़ चाल से चलना, योग और हल्का व्यायाम शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है।

4 तनाव पर नियंत्रण रखें। लंबे समय तक तनाव प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकता है।

5 पर्याप्त पानी पिएं, शरीर के सभी अंगों के सुचारु कार्य और विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में पानी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत की प्रेरणादायी महिला वैज्ञानिक

भारतीय महिलाओं ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ऐसी उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिन्होंने न केवल देश का नाम विश्वभर में रोशन किया, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनीं। चिकित्सा, अंतरिक्ष, रक्षा और जैव विज्ञान जैसे क्षेत्रों में उनके शोध और नवाचारों ने मानव जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आइए जानते हैं भारत की ऐसी महान महिला वैज्ञानिकों के बारे में, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और अथक मेहनत से विज्ञान की दुनिया में अमिट पहचान बनाई।

असिमा चटर्जी- औषधीय रसायन विज्ञान की अग्रदूत

भारत की पहली प्रमुख महिला कार्बनिक रसायन वैज्ञानिक। औषधीय पौधों और प्राकृतिक रसायनों पर गहन शोध किया। कैंसर और मिर्गी के उपचार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुसंधान ने भारतीय वनस्पतियों की औषधीय क्षमता को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। उन्हें अनेक राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए और वे भारतीय विज्ञान जगत में महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं।

टेसी थॉमस- भारत की मिसाइल वुमन

भारत के रक्षा अनुसंधान कार्यक्रम की प्रमुख महिला वैज्ञानिकों में से एक। उन्हें मिसाइल वुमन ऑफइंडिया के नाम से जाना जाता है। लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, विशेष रूप से अग्नि श्रृंखला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सिद्ध किया कि विज्ञान और रक्षा अनुसंधान जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व कर सकती हैं।

गगनदीप कांग- सार्वजनिक स्वास्थ्य की अग्रणी वैज्ञानिक

देश की अग्रणी वायरोलॉजिस्ट और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ। संक्रामक रोगों और टीकों पर महत्वपूर्ण शोध किए। उनके अनुसंधान ने टीकाकरण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने और लाखों लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में योगदान दिया है। उनका कार्य दर्शाता है कि वैज्ञानिक अनुसंधान लैब के साथ ही समाज के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को भी सीधे प्रभावित करता है।

रितु करिधल- अंतरिक्ष में भारत की उड़ान की प्रेरक शक्ति

भारत की अग्रणी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में शामिल। उन्होंने भारत के महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों विशेष रूप से चंद्र तथा मंगल मिशनों की सफलता में योगदान दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता और समर्पण ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया।

सामान्य विज्ञान के रोचक तथ्य

- मानव मस्तिष्क में लगभग 86 अरब (बिलियन) तंत्रिका कोशिकाएँ (न्यूरॉन्स) होती हैं।
- हृदय एक दिन में लगभग 1 लाख बार धड़कता है।
- हमारी लाल रक्त कोशिकाएँ लगभग 120 दिन तक जीवित रहती हैं।
- ऑक्टोपस के तीन हृदय होते हैं।
- बिजली चमकने के बाद गरज इसलिए सुनाई देती है क्योंकि प्रकाश, ध्वनि से बहुत तेज गति से चलता है।

धरती से 400 किलोमीटर ऊपर जिंदगी

अंतरिक्ष में रहना किसी विज्ञान कथा से कम नहीं

कैसा होता है अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों का जीवन ?

जब हम अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में तैरते हुए देखते हैं, तो वह दृश्य रोमांचक लगता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि पृथ्वी से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर स्थित अंतरिक्ष स्टेशन में उनका दैनिक जीवन कैसा होता होगा? वे कैसे खाते हैं, कैसे सोते हैं, नहाते हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रखते हैं? वास्तव में अंतरिक्ष में रहना किसी विज्ञान कथा से कम नहीं, बल्कि अनुशासन, विज्ञान और तकनीक का अद्भुत संगम है।

अंतरिक्ष में जीवन इतना अलग क्यों होता है?

पृथ्वी पर हमारा हर काम गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में होता है, लेकिन अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रो ग्रेविटी की स्थिति में रहते हैं। इसलिए वे चलते नहीं, बल्कि हवा में तैरते हैं। पानी की बूंदें भी गोल आकार में तैरती रहती हैं और हर छोटे-बड़े काम के लिए विशेष तकनीक और सावधानी की आवश्यकता होती है।

दिन की शुरुआत कैसे होती है?

अंतरिक्ष यात्रियों का दिन पृथ्वी की तरह ही तय समय पर शुरू होता है। वे उठने के बाद स्वास्थ्य जांच करते हैं, मिशन की जानकारी लेते हैं और पूरे दिन के कार्यों की योजना बनाते हैं। उनका अधिकांश समय वैज्ञानिक प्रयोगों, उपकरणों की देखभाल, पृथ्वी के अवलोकन और तकनीकी कार्यों में बीतता है।

अंतरिक्ष में भोजन कैसे किया जाता है?

अंतरिक्ष में भोजन विशेष पैकेटों में सुरक्षित रखा जाता है। कई खाद्य पदार्थों को पहले सुखाकर तैयार किया जाता है और खाने से पहले उनमें पानी मिलाया जाता है। पेय पदार्थ स्ट्रॉ वाले बंद पैकेटों से पिए जाते हैं ताकि तरल पदार्थ हवा में न फैलें। भोजन करते समय भी हर चीज़ को सावधानी से पकड़कर रखना पड़ता है।

नींद कैसे आती है?

अंतरिक्ष स्टेशन में ऊपर या नीचे जैसी कोई दिशा महसूस नहीं होती। इसलिए अंतरिक्ष यात्री दीवार, छत या किसी भी सतह से अपने स्लीपिंग बैग को बांधकर सोते हैं। उन्हें लगभग 7 से 8 घंटे की नींद दी जाती है। खिड़की से दिखाई देने वाली पृथ्वी और सूर्योदय का दृश्य उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव होता है।

क्या अंतरिक्ष में नहाया जा सकता है?

अंतरिक्ष स्टेशन में सामान्य तरीके से स्नान संभव नहीं होता, क्योंकि पानी की बूंदें चारों ओर तैरने लगेंगी। इसलिए अंतरिक्ष यात्री गीले तौलिये, बिना पानी वाले शैंपू और विशेष सफाई उत्पादों का उपयोग करते हैं। पानी की हर बूंद का बहुत सोच-समझकर इस्तेमाल किया जाता है।

व्यायाम क्यों है बेहद जरूरी ?

सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के कारण मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। इससे बचने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को रोज़ लगभग दो घंटे ट्रेडमिल, साइकिल और विशेष व्यायाम उपकरणों पर अभ्यास करना पड़ता है। यह उनके स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है।

बीज अंकुरण: एक छोटे से बीज में छिपा जीवन का अद्भुत रहस्य

यदि कोई आपसे पूछे कि एक विशाल वृक्ष की शुरुआत कहाँ से होती है, तो उत्तर होगा, एक छोटे से बीज से। बीज अंकुरण जीव विज्ञान का ऐसा प्रयोग है जिसे बच्चे आसानी से घर पर कर सकते हैं। यह न केवल पौधों के जीवन-चक्र को समझने का सबसे सरल तरीका है, बल्कि विज्ञान के प्रति जिज्ञासा भी बढ़ाता है।

आवश्यक सामग्री

- 10 से15 मूंग या चने के बीज
- एक कटोरी या प्लेट
- साफ रुई
- स्वच्छ पानी
- नोटबुक और पेन (अवलोकन लिखने के लिए)

प्रयोग की विधि

कटोरी में रुई की एक परत बिछाएँ। रुई को पानी से अच्छी तरह गीला करें, लेकिन उसमें पानी भरा न रहे। रुई के ऊपर मूंग या चने के बीज थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रखें। कटोरी को ऐसी जगह रखें जहाँ पर्याप्त रोशनी और सामान्य तापमान हो, लेकिन तेज धूप न पड़े। प्रतिदिन रुई की नमी बनाए रखने के लिए थोड़ा-सा पानी डालें। अगले 3 से 5 दिनों तक प्रतिदिन होने वाले परिवर्तनों को ध्यान से देखें और नोट करें।

प्रतिदिन क्या परिवर्तन दिखाई देंगे?

पहला दिन- बीज पानी सोखकर फूलने लगता है। बीज का बाहरी आवरण (बीज-कोट) नरम हो जाता है।

दूसरा दिन- बीज का आवरण हल्का फटने लगता है। सबसे पहले छोटी सफेद जड़ बाहर निकलती है।

तीसरा दिन- जड़ लंबी होने लगती है। बीज से छोटा तना दिखाई देने लगता है।

चौथा दिन- तना ऊपर की ओर बढ़ता है। छोटी-छोटी हरी पत्तियाँ निकलने लगती हैं।

पाँचवाँ दिन- पौधा अधिक हरा और मजबूत दिखाई देता है। जड़ें और तना दोनों तेजी से बढ़ते हैं।

12वीं की छात्रा की संदिग्ध मौत

गांव के ही एक युवक पर बेटी को कीटनाशक देकर हत्या करने का लगाया आरोप

कटंगी (स्वतंत्र मत)

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम गजपुर में कक्षा 12वीं की एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। घटना करीब एक सप्ताह पहले यानी 01 जुलाई की है। अब परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को कीटनाशक पिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। घटना की जांच कर रही पुलिस ने मंगलवार को परिजनों के थाने में बयान दर्ज किए हैं। फिलहाल यह कथित आरोपी युवक घर से फरार बताया जा रहा है। मृतक छात्रा की मां रामकला पटले ने बताया कि 30 जून और 1 जुलाई की दरमियानी रात करीब 1 बजे उनकी बेटी के मोबाइल पर गांव के ही युवक के लगातार फोन आ रहे थे। रात करीब 2 बजे जब परिजन उठे तो उन्होंने युवक को घर के बाहर से भागते हुए देखा। उसी समय बेटी की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह उल्टियां करने लगी। परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने तुरंत उसे कटंगी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान 1 जुलाई को छात्रा ने दम तोड़ दिया। छात्रा की मां रामकला पटले का आरोप है कि युवक ने उनकी बेटी को प्रेम जाल में फंसा रखा था। इसी बीच उसने बेटी को कीटनाशक पिला दिया। मां का कहना है कि घटना के बाद से आरोपी युवक घर से गायब है। युवक के फरार होने से परिजनों का शक और गहरा हो गया है। रामकला पटले ने बताया कि हमारी बेटी की हत्या की गई है। युवक ने उसे धोखा देकर कीटनाशक पिलाया है। हम चाहते हैं कि पुलिस तुरंत उसे गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करे। फिलहाल पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। अभी मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

तेंदुए ने घर में घुसकर बकरी पर किया हमला

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

कटंगी वन परिक्षेत्र और अरी रेंज के बीच स्थित ग्राम टेकाड़ी के नहर टोला में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तेंदुए ने एक बार फिर दहशत फैला दी। वन्य प्राणी ने गांव के अंदर घुसकर एक पालतू बकरी पर हमला कर दिया। हमले में बकरी घायल हो गई है। घटना रात करीब साढ़े 12 बजे की बताई जा रही है। बुधवार को पशु मालिक कृष्ण कुमार लाड़े ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमले से बकरी लहूलुहान हालत में थी और आसपास तेंदुए के पंजों के निशान भी मिले। कृष्ण कुमार ने बताया रात में उन्होंने बकरी के चिल्लाने की आवाज सुनी और घर से बाहर निकलकर देखा तो बकरी घायल अवस्था में पड़ी थी। बकरी के शरीर पर पंजों और दांतों के निशान हैं। घर के पास ही मिट्टी में तेंदुए के पदचिन्ह भी साफ दिख रहे हैं। तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर टोला में पिछले कुछ महीनों से तेंदुए की गतिविधियां लगातार बढ़ गई हैं। इससे पहले भी इस इलाके में तेंदुआ कई पालतू मवेशियों का शिकार कर चुका है। आए दिन तेंदुए की चहलकदमी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बार-बार शिकायत के बाद भी पिंजरा नहीं लगाया गया और न ही रात में गश्त बढ़ाई गई है। तेंदुए के बार-बार गांव में आने से नहर टोला के लोगों में डर का माहौल है। खासकर रात के समय महिलाएं और बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं। मवेशी पालक भी अपने जानवरों को खुले में बांधने से कतरा रहे हैं।

रेडक्रॉस सोसायटी ने जरूरतमंद मरीज को प्रदान की आर्थिक सहायता

उमरिया (स्वतंत्र मत)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा उमरिया ने मानवीय सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए गंभीर बीमारी से पीड़ित एक जरूरतमंद मरीज के उपचार के लिए 5,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की। ग्राम पटौरियाखुर्द, तहसील बिलासपुर निवासी नरेश महर ने रेडक्रॉस सोसायटी को आवेदन देकर बताया था कि उनकी माता श्रीमती रत्नी बाई महर लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उनका उपचार उमरिया, शहडोल, जबलपुर और नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में कराया जा चुका है। चिकित्सकों ने उनके ऑपरेशन की सलाह दी है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने तथा मजदूरी पर निर्भर रहने के कारण उपचार का खर्च उठाना संभव नहीं हो पा रहा था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला अध्यक्ष राखी सहाय के निर्देशानुसार रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा मरीज के उपचार के लिए 5,000 का सहायता चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर प्रत्यूष श्रीवास्तव, जिला सचिव राकेश शर्मा एवं सभापति अखिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। रेडक्रॉस सोसायटी ने कहा कि संस्था सदैव जरूरतमंद, असहाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है, तथा भविष्य में भी मानव सेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

कटंगी वार्ड 4 में दर्दनाक हादसा : कूलर के करंट से 19 वर्षीय युवती और पालतू कुत्ते की मौत

कटंगी (स्वतंत्र मत)

कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 4 में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवती और पालतू कुत्ते की मौत हो गई। घर के बाहर लगे कूलर में आए करंट की चपेट में आने से दोनों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया गया है। इस हादसे से पूरे शहर में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार दोपहर करीब 1 बजे की है। मृतिका की पहचान पूनम उर्फ मोना पिता स्वर्गीय पवन नामदेव निवासी वार्ड 4 के रूप में हुई है। मोना अपनी छोटी बहन पूर्वा के साथ रहती थी। बुधवार को मोना घर के पास ही कुत्ते के साथ खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोसी अनिल चुटेलकर का पालतू कुत्ता दौड़ता हुआ घर के बाहर लगे कुलर के पास पहुंच गया। कुत्ते को पकड़ने के लिए मोना भी उसके पीछे दौड़कर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सबसे पहले कुत्ता कूलर के संपर्क में आया और करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुत्ते को बचाने के लिए मोना ने उसे पकड़ने की कोशिश की और वह भी करंट की चपेट में आ गई। मोना के चेहरे और हाथों में तेज करंट आया। जिस कारण चंद मिनट में ही उसका पूरा शरीर नीला दिखाई देने लगा था। बताया जा रहा है कि हादसे के समय अनिल चुटेलकर के घर पर कोई मौजूद नहीं था और कूलर का बटन भी बंद था। इसके बावजूद कूलर में करंट कैसे आया यह अभी जांच का विषय है। मोना की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मोना अपनी छोटी बहन पूर्वा के साथ रह रही थी और इन बच्चियों की देखरेख बड़े माता-पिता करते थे। दरअसल, मोना की मां अपने पति की हत्या के मामले में जेल में सजा काट रही है। पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। हादसे की सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुजाता कामले, प्रधान आरक्षक अनिल चौके और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी भेजा। दोपहर 03 बजे शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं इस दर्दनाक हादसे की सूचना जेल में बंद मोना की मां को भी पहुंचाई गई। वकील ने आपातकालीन पैरोल की कार्रवाई भी की है ताकि वह जेल में बंद मां अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें। हालांकि शाम 05 बजे तक ऐसी कोई जानकारी नहीं मिल पाई कि जेल में बंद मां को छोड़ा गया है। इधर, मोना के बड़े माता-पिता और नाते-रिश्तेदारों ने अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया कर ली थी।

कंचन खुली खदान से प्रभावित शासकीय भवनों के विस्थापन के संबंध में हुई बैठक

नवीन भवन निर्माण का प्रस्ताव भेजने अधिकारियों को कलेक्टर ने दिए निर्देश

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिला कलेक्टर राखी सहाय की अध्यक्षता में कंचन खुली खदान से प्रभावित शासकीय भवनों के विस्थापन के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक कलेक्टर कक्ष में आयोजित की गई थी। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासकीय परिसम्पतियों को अन्य स्थानों में पुन: स्थापित करने हेतु अपने-अपने विभागों से अनुमति प्राप्त कर निर्धारित प्राक्कलन अनुसार नवीन भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव विभागाध्यक्ष को भेजा जावे, यदि विभागाध्यक्ष से उक्त निर्माण कार्य कराया जाना संभव न हो तो एस.ई.सी.एल. के सी.एस.आर. के तहत सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्ताव कलेक्टर को प्रस्तुत करें जिसे नियमानुसार महाप्रबंधक एसईसीएल नौरोजाबाद की ओर भेजा जावेगा। बैठक में एस.ई.सी.एल. के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि घुलघुली में सर्वे कार्य चल रहा है जिसमें 15 घरों का सर्वे अभी बांकी है, जिस पर एस.ई.सी.एल. के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि तत्काल सर्वे कार्य पूर्ण करें एवं शासन के नियम, निर्देशों की प्रति प्रत्येक परिवार को उपलब्ध करावें, कार्य में पारदर्शिता का पालन करें एवं कम्पनी के तीनों विकल्पों (नवीन बसाहट, नौकरी, मुआवजा) के बारे में भी सभी ग्रामीणजनों को अवगत करावें, ताकि वे अपने भविष्य के दृष्टिगत समुचित निर्णय ले सकें। कलेक्टर राखी सहाय ने कहा कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुलघुली के पास कंचन खुली खदान की दगान का समय परिवर्तित किया जाए। विद्यालय में छात्रों के अध्यापन के पश्चात् खदान में दगानी (विस्फोट) किया जावे। ताकि छात्रों को किसी प्रकार की हानि की संभावना न रहे। वर्षा ऋतु के दृष्टिगत एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुलघुली से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरहा में छात्रों के परिवहन की व्यवस्था होने तक घुलघुली में ही विद्यालय संचालित किया जावे। एस.ई.सी.एल. के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अविलम्ब परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। जिला शिक्षा अधिकारी उमरिया को निर्देशित किया गया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुलघुली के स्थान पर गहिराटोला में आवंटित शासकीय भूमि पर नवीन स्कूल भवन निर्माण का प्राक्कलन लोक निर्माण विभाग (भवन) उमरिया से तत्काल प्राप्त कर एस.ई.सी.एल. के सीएसआर मद के तहत निर्माण कराये जाने हेतु प्रस्ताव तैयार कर महाप्रबंधक एसईसीएल नौरोजाबाद की ओर अविलम्ब प्रेषित किया जावे। बच्चों के भविष्य के दृष्टिगत इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जावे। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने एस.ई.सी.एल. के उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कंचन खुली खदान के संबंध में प्रत्येक स्तर की जानकारी व उसके लिए निर्धारित समय की जानकारी से सभी संबंधित विभागों को अवगत करावें यथा किस ग्राम का सर्वे होना है व आगामी समय पर किस शासकीय भवन का विस्थापन किया जाना है इत्यादि समुचित जानकारी उपलब्ध कराया जावे। जिससे समय रहते संबंधित विभाग अपने भवन के विस्थापन की व्यवस्था सुनिश्चित कर सकें।

प्रधान पुजारी एवं प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ संबंधित अधिकारियों की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश तीर्थस्थान द्वारा प्रस्तावित पुजारी प्रशिक्षण, सेमीनार के संबंध शहडोल के जिला उमरिया में शासन संधारित मंदिर, अधिनियमित मंदिर, सार्वजनिक मंदिर, नर्मदा नदी परिक्रमा पथ पर प्रतिष्ठित आश्रम के पुजारी एवं प्रबंध समिति तथा प्रमुख मेलों एवं तीर्थो के प्रधान पुजारी एवं प्रबंध समिति के सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्टर सभागार में धार्मिक न्यास के सीईओ डॉ राजेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि जिले में सगरा मंदिर उमरिया, बूढ़ी माता मंदिर ग्राम देवगवां पाली, शिव मंदिर बगिया ग्राम मनेरी नौरोजाबाद, सिध्दनाथ मंदिर ग्राम देवगवांकला नौरोजाबाद, राम जानकी मंदिर ग्राम सिंगवाड़ा नौरोजाबाद मंदिर का संधारण शासन द्वारा किया जा रहा है। उन्होने अधिकारियों से कहा कि जिले कि मंदिरों में बनाई गई समितियों में शासकीय सेवक अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होने कहा कि जिले में कितने मंदिर है, उनमें कितने शासकीय है, तथा कितने निजी है, उन्हें चिन्हांकित करने की कार्यवाही की जाए। मंदिर परिसर के आस पास रूकने वाले साधु संतो की पहचान की जाए। आर्थिक संसाधन तथा मंदिर तक आने वाले श्रध्दालुओं को क्या क्या सुविधाएं उपलब्ध हो रही है, इसकी जानकारी रखी जाए। उन्होने कहा कि धर्मस्व शाखा सभी चीजों को संकलित कर जानकारी अपनें पास रखें। उन्होने पुजारियों से अपेक्षा करते हुए कहा कि वे भी अपने स्तर पर श्रध्दालुओ की बैठक आयोजित करें तथा उनसे रूबरू चर्चा करते हुए मंदिर संचालन गतिविधियों, मेलों आयोजनों की चर्चा करें ताकि मंदिर परिसर में होने वाले धार्मिक कार्यक्रम बिना किसी परेशानी के संपन्न हो सके। बैठक में सगरा मंदिर उमरिया चंद्रप्रकाश गौतम ने मंदिर के चारो तरफ बाउण्ड्रीवाल कराने, सिध्दनाथ मंदिर के पुजारी श्री महंतराम गिरी ने मंदिर में लाईट, बाउण्ड्रीवाल की व्यवस्था किए जाने, रामजानकी मंदिर के पुजारी विजय उर्फ भोला तिवारी ने मंदिर के जीर्णोध्दार का सुझाव दिया। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम पाली मीनांक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

मीना सिंह ने शिक्षा और ग्रामीण विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

मानपुर/उमरिया (स्वतंत्र मत)

चन्सुरा के विद्यार्थियों को मिली साइकिलें

क्षेत्र में शिक्षा और ग्रामीण विकास को नई गति देते हुए मानपुर विधायिका मीना सिंह ने सोमवार को ग्राम चन्सुरा और कुदरी में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। चन्सुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक करोड़ तेईस लाख बीस हजार रूपये की लागत से निर्मित तीन आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं पांच अतिरिक्त कक्षों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर हायर सेकेंडरी स्कूल चंसुरा के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण भी किया गया।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने की, जबकि जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। समारोह में पूर्व जिला पंचायत सदस्य मौजीलाल चौधरी, मण्डल अध्यक्ष सोमचंद रजक एवं रमोल केवट, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष आशाराम चौधरी, महामंत्री प्रदीप तिवारी एवं अरविंद लोनी, जनपद सदस्य पप्पू सेन सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य धनेन्द तिवारी तथा समस्त स्टाफ ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विधायिका मीना सिंह ने कहा कि बेहतर शैक्षणिक अधोसंरचना से विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा का वातावरण मिलेगा और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा और ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है। वहीं विधायिका मीना सिंह द्वारा ग्राम कुदरी में 37.49 लाख रूपये की लागत से निर्मित पंचायत अटल ग्राम सेवा सदन का लोकार्पण किया गया। मानपुर विधयिका सुश्री सिंह ने कहा कि नए पंचायत भवन के शुरू होने से ग्रामीणों को पंचायत संबंधी सेवाएं और शासकीय योजनाओं का लाभ अधिक व्यवस्थित एवं सुगमता से मिल सकेगा। दोनों कार्यक्रमों में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

ग्राम सभाओं का आयोजन 9 एवं 10 जुलाई को

उमरिया (स्वतंत्र मत)

संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, विकास आयुक्त कार्यालय भोपाल के निर्देश के अनुक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आवास प्लस 2024 सर्वे अन्तर्गत प्रारूप स्थायी प्रतीक्षा सूची के अंतिमकरण एवं ग्राम सभा सत्यापन कार्यवाही पूर्ण करने हेतु पूर्व में निर्देश जारी किये गये थे। समस्त कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण होने के पश्चात सर्वे आधारित सिस्टम जनरेट प्रायोरिटी लिस्ट तैयार की जा सकेगी। ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा पोस्ट डिलीशन में कार्यवाही समय-सीमा में किये जाने के निर्देश दिये गये है जिसमें डिलीशन मॉड्यूल कंप्लीशन हेतु ग्राम पंचायत (जीपी) को चिन्हित करने (मॉडयूल जनपद स्तर), डिलीशन मॉड्यूल कॉम्प्लीटेड जीपीएस की सारांश रिपोर्ट (मॉडयूल जिला स्तर पर), ग्राम सभा की कार्यवाही प्रारंभ करना (मॉडयूल-जनपद स्तर पर), प्राथमिकता प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) का पुनरीक्षण, ग्राम सभा बैठक का जियो-टैग एवं समय-मुहर (टाइमस्टैम्प) सहित फोटोग्राफ अपलोड करने, हितग्राहियों के तथ्यों/जानकारी का अद्यतन (बेनिफिशरी फैक्ट अपडेट्स), ग्राम सभा कार्यवाही प्रारूप (प्रोसीडिंग्स टेम्प्लेट) का स्वत: (ऑटो) निर्माण, डाउनलोड हस्ताक्षर एवं मुहर करना पुन: अपलोड करना, एआई (ऐ) आधारित सत्यापन (स्वत: मोड) प्राथमिकता प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) का स्वत: (ऑटो मोड) अंतिमकरण तथा अपीलीय सत्यापन (जिता स्तर) शामिल है। कलेक्टर राखी सहाय ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 6, मध्यप्रदेश ग्राम सभा (सम्मिलन की प्रक्रिया) नियम, 2001 तथा मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम, 2022 के प्रावधानों अनुसार उपरोक्त सरल क्रमांक 3 से 6 तक में उल्लेखित बिन्दुओं पर कार्यवाही किये जाने हेतु 9 एवं 10 जुलाई 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना है।कलेक्टर श्रीमती सहाय ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2.0 अन्तर्गत आवास प्लस वर्ष 2024 के सर्वे में चेकर द्वारा पात्र पाए गए हितग्राहियों का अंतिम सूची का वाचन, अनुमोदन हेतु ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा सम्पन्न कराने हेतु 9 जुलाई 2026 से 10 जुलाई 2026 तक के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों की डयुटी नोडल अधिकारी के रूप मे लगाई है।

सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान के समापन पर गुमे मोबाइल पाकर चेहरे में दिखी खुशी, उत्कृष्ट पुलिसकर्मी हुये सम्मानित

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिले में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के 15 दिवसीय सफल संचालन के उपरांत आर.डी. कॉलेज सभागार में समापन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोते, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, डीएसपी सतीश चतुर्वेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आरडी कॉलेज के प्राचार्य, खेल विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी महाराजपुर, थाना प्रभारी बिछिया, थाना प्रभारी घुघरी, महिला थाना प्रभारी, साइबर सेल प्रभारी सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों, शासकीय कर्मचारियों एवं आमजन को डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग लिंक, एवं फ्रॉड, सोशल मीडिया ठगी, धोखाधड़ी, ऑनलाइन निवेश एवं कोड स्कैम से बचाव के उपाय बताए गए तथा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी देकर साइबर सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

सुरक्षित डिजिटल का दिया संदेश

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने सेफ क्लिक 2.0 अभियान की विस्तृत रूपरेखा एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में विद्यालय महाविद्याल ग्राम पंचायत, बाजार, बैंक, शासकीय कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों युवाओं महिलाओं वरिष्ठ नागरिकों व्यापारियों एवं आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया।

साइबर अपराधों पर दी जानकारी

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल अरेस्ट सेक्सटॉर्शन ऑनलाइन बैंकिंग फॉड, फर्जी लिंक फिशिंग निवेश एवं पार्ट-टाइम जॉब फ्रॉड धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इनसे बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता एवं सतर्कता है। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध कॉल लिंक अथवा ऑनलाइन लेन-देन पर बिना सत्यापन विश्वास न करें तथा किसी भी साइबर घटना की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

पुलिस अधीक्षक ने किया आह्वान

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने कहा कि सेफ क्लिक 2.0 अभियान केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज में साइबर सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि स्वयं जागरूक रहेगा और अपने परिवार मित्रों एवं समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करेगा तो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं से साइबर सैनिक बनकर डिजिटल सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उत्कृष्ट कार्य पर मिला सम्मान

कार्यक्रम में उत्कृष्ट एवं त्वरित सेवाओं के लिए डायल-112 के पुलिसकर्मियों सेफ क्लिक 2.0 अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने वाले यूट्यूबर्स एवं सोशल मीडिया क्रिएटर्स को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

चोरी हुए मोबाइल लौटाए

साइबर सेल एवं मंडला पुलिस द्वारा खोजे गए 200 से अधिक गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों विभिन्न विभागों के अधिकारियों शिक्षकगण छात्र-छात्राओं जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों सहित 700 से अधिक लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में सूबेदार योगेश राजपूत ने सभी अतिथियों प्रतिभागियों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के नाम पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश पटवारी संघ जिला शाखा ने बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर वर्षों से लंबित पांच सूत्रीय मांगों के शीघ्र निराकरण मांग की संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत 15 से 17 जुलाई तक तीन दिवसीय सांकेतिक सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन किया जाएगा जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने बताया कि मध्य प्रदेश पटवारी संघ लंबे समय से विभिन्न माध्यमों से अपनी मांगें शासन तक पहुंचाता रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्व में मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात कर पटवारी महाधिवेशन में शामिल होने का आमंत्रण दिया था मुख्यमंत्री द्वारा नवंबर 2025 में महाधिवेशन के लिए समय देने और तिथि अलग से तय करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन अब तक न तो महाधिवेशन की तिथि घोषित की गई और न ही पटवारियों की लंबित मांगों पर कोई ठोस निर्णय लिया गया। संघ ने अपनी पांच प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू लागू करने पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान का लाभ देने नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित कराने पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं में किए गए कार्यों के वर्षों से लंबित मानदेय का भुगतान कराने की मांग की है शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पटवारी संघ के पदाधिकारियों को स्थानांतरण नीति के तहत छूट प्राप्त होने के बावजूद कई जिलों में उनका नीति-विरुद्ध स्थानांतरण किया गया है। संघ ने ऐसे स्थानांतरण निरस्त करने तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए नियमित परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने की भी मांग की है पटवारी संघ ने स्पष्ट किया कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 15 से 17 जुलाई तक प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे और इसके बाद चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा संघ ने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

चल रहा साक्षरता अभियान

मण्डला (स्वतंत्र मत)। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से समर्पित संस्थान द्वारा वित्तीय साक्षरता केंद्र के माध्यम से जिले के सभी नौ विकासखंडों में व्यापक वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है अभियान के तहत नागरिकों को अपने संबंधित बैंक शाखाओं एवं बैंकिंग कियोस्क केंद्रों पर जाकर समय पर केवाईसी अपडेट कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

ड्यूटी व्यवस्था में बदलाव

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर कार्यालय ने मानसून सत्र 2026 के दौरान संभावित बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की ड्यूटी व्यवस्था में आंशिक परिवर्तन किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, नियंत्रण कक्ष में प्रतिदिन प्राप्त होने वाली आपदा संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं समन्वय कार्य के लिए तैनात कर्मचारी सुरेश कार्तिकेय डाक रनर 10 जुलाई से 11 जुलाई तक अवकाश पर रहेंगे। उनके स्थान पर इन दोनों दिनों के लिए राजकुमार यादव, स्थायी कर्मी, जल संसाधन विभाग मंडला की ड्यूटी लगाई गई है। वे दो पालियों में दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक तथा सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक नियंत्रण कक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे।

आज मनाया जायेगा मातृत्व दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले में 9 जुलाई को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं महिला चिकित्सा अधिकारी अपनी सेवाएं देंगी।

अवैध गेहूं परिवहन पर कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

कृषि उपज मंडी समिति मंडला द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने मंडी क्षेत्र में वाहन निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से गेहूं का परिवहन करते हुए एक ट्रक को पकड़ा। कार्यवाही के दौरान मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर संबंधित वाहन से मंडी शुल्क एवं दंड स्वरूप कुल 57,825 रुपये की राशि जमा कराई गई प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जुलाई को निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 20 एचबी 7115 में बिना वैध दस्तावेजों के लगभग 300 क्विंटल गेहूं का परिवहन किया जा रहा था। जांच के बाद मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19(6) के तहत प्रकरण तैयार कर आगे की कार्यवाही की गई मंडी समिति ने संबंधित वाहन से 48,375 रुपये मंडी शुल्क 6,450 रुपये निराश्रित शुल्क तथा 3000 रुपये समझौता शुल्क सहित कुल 57,825 रुपये जमा कराए मंडी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कृषि उपज का अवैध परिवहन रोकने के लिए मंडी क्षेत्र में लगातार निरीक्षण अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

डीएमएफ में पांच वर्षीय कार्ययोजना होगी तैयार : कलेक्टर

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिला योजना भवन के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास के अध्यक्ष की अध्यक्षता में बुधवार को जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन द्वारा 13 मई को जारी डीएमएफ के नवीन दिशा-निर्देशों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि नवीन नियमों के अनुसार खनन गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों को अब दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। खदान क्षेत्र से 15 किलोमीटर की परिधि में आने वाले ग्रामों को प्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्र तथा 15 किलोमीटर से 25 किलोमीटर तक के क्षेत्र को परोक्ष रूप से प्रभावित क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि नवीन प्रावधानों के तहत अब डीएमएफ फण्ड की कुल राशि का 70 प्रतिशत भाग सीधे प्रभावित क्षेत्रों में तथा शेष 30 प्रतिशत भाग परोक्ष प्रभावित क्षेत्रों में व्यय किया जाएगा।

इससे खदान के सबसे निकट बसे गांवों को विकास कार्यों में प्राथमिकता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में डीएमएफ के तहत प्रतिवर्ष वार्षिक कार्ययोजना तैयार की जाती थी। नवीन निर्देशों के अनुसार अब आगामी 5 वर्षों की समेकित भावी कार्ययोजना बनाई जाएगी। इसके लिए सभी संबंधित विभागों से बेसलाइन सर्वे का डाटा संकलित किया जा रहा है। बेसलाइन डाटा के आधार पर 5 वर्षीय कार्ययोजना तैयार कर उसे डीएमएफ पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इसी कार्ययोजना के अनुरूप प्रत्येक वर्ष की वार्षिक कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि नवीन नियमों में कृषि, पशुपालन और आवास जैसे क्षेत्रों को भी प्राथमिकता वाले मदों में शामिल किया गया है। अब डीएमएफ फण्ड की 70 प्रतिशत राशि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की गतिविधियों पर तथा शेष 30 प्रतिशत राशि अन्य प्राथमिक क्षेत्रों पर व्यय की जा सकेगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नवीन व्यवस्था में यदि संबंधित विभाग द्वारा पोर्टल पर 30 दिवस के भीतर ऑनलाइन अनुमति प्रदान नहीं की जाती है तो वह प्रस्ताव स्वतः स्वीकृत माना जाएगा। इससे कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी।

किशोर ने ऊर्जा सचिव से की मुलाकात

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उद्योगपति किशोर काल्पीवार ने भोपाल में मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा सचिव विशेष गढ़पाले से मुलाकात करते हुये उनका स्वागत किया साथ ही मंडला सीधी एवं अन्य आदिवासी अंचलों में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों से उन्हें विस्तार पूर्वक अवगत कराया इस दौरान क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ विश्वसनीय एवं जनहितकारी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर गंभीर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई श्री गढ़पाले ने अत्यंत संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुना तथा तत्काल संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर आवश्यक निर्देश देकर शीघ्र एवं प्रभावी

कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये उल्लेखनीय है कि विशेष गढ़पाले जी अपनी सरल कार्यशैली उत्कृष्ट प्रशासनिक दक्षता त्वरित निर्णय क्षमता एवं जनहित के प्रति समर्पित दृष्टिकोण के लिए व्यापक रूप से सम्मानित हैं। केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने सदैव प्रभावी नेतृत्व दूरदर्शिता एवं कुशल प्रशासन का परिचय दिया है मंडला सीधी एवं अन्य आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत समस्याओं के निराकरण की दिशा में शीघ्र एवं सकारात्मक पहल देखने को मिलेगी जिससे हजारों नागरिकों को बेहतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ प्राप्त होगा किशोर काल्पीवार मध्यप्रदेश के प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं सक्रिय समाजसेवी हैं।

वे विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाते हुए उनके त्वरित एवं स्थायी समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत रहते हैं। जनहित ग्रामीण विकास आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता रहती है।

वृद्धजनों को चादर वितरण

मण्डला। एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए रपटा घाट स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां निवासरत वृद्धजनों से मुलाकात की तथा उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर उन्होंने मृगनयनी इंपोरियम भोपाल से प्राप्त चादरों का वितरण कर वृद्धजनों को उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई एसडीएम श्रीमती सिडाम ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं दैनिक आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उन्हें हरसंभव प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाया वृद्धजनों ने चादर वितरण के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं मृगनयनी इंपोरियम भोपाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

साहित्यकार रेखा ताम्रकार सम्मानित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। शहर की वरिष्ठ साहित्यकारा श्रीमती रेखा ताम्रकार राज को साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने एवं उल्लेखनीय कार्य करने पर ऋषि वैदिक विश्वविद्यालय फतेहाबाद आगरा उ.प्र. द्वारा विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान से अलंकृत किया गया है। समय-समय पर आपको अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा जैसे काव्य सम्मान शब्दशक्ति सम्मान शतकवीर सम्मान महिला साहित्यकार सम्मान साहित्य रत्न सम्मान साहित्य श्री सम्मान आदि सम्मान देकर सम्मानित किया गया। आपने कवि सम्मेलनों में भी अपनी शानदार प्रस्तुति देकर सुनने वालों की प्रशंसा प्राप्त की है। अभी तक आपकी तीन पुस्तकें 1 भजन

राज भजन संकलन 2 मां की आवाज लघुकथा संकलन 3 सृजन की फुलवारी गीत कविता संकलन प्रकाशित हो चुकी हैं। आपके लेखन की भाषा सरल व सामान्य बोलचाल की भाषा रही है। वर्तमान में आप लगभग 10 वर्षों से राष्ट्रीय कवि संगम मण्डला की जिला अध्यक्ष जिला समन्वयक हैं। जिसके तत्वधान में ऑफलाइन व ऑनलाइन मासिक गोष्ठी के अलावा भी अन्य साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करती रही हैं।

थाना नैनपुर पुलिस द्वारा अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त, आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नैनपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। मुखबिर सूचना के आधार पर थाना नैनपुर पुलिस ने धनौरा नाका के आगे बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर नाकाबंदी की। इस दौरान जानकारी अनुसार एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक एम पी 20 सी एच 8794 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन चालक ने अपना नाम विक्रम पाण्डे पिता स्व. मोहनलाल पाण्डे, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम आलेझरी, थाना वारासिवनी, जिला बालाघाट बताया।

वाहन की तलाशी लेने पर डिक्की से कुल 06 कार्टूनों में 53.64 बल्क लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इनमें पाँच कार्टूनों में 250 पाव गोवा ब्रांड अंग्रेजी शराब तथा एक कार्टून में 48 पाव ओल्ड मंक अंग्रेजी शराब पाई गई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत रुपए 53,640 है। आरोपी से शराब के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, किन्तु वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

नियमानुसार प्रत्येक कार्टून से नमूने लेकर उन्हें सीलबंद किया गया तथा शेष शराब को विधिवत जब्त किया गया। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार, जिसकी अनुमानित कीमत रुपए 2,50,000 है, को भी जब्त किया गया। इस प्रकार जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत रुपए 3,03,640 बताई गई है। आरोपी विक्रम पाण्डे को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 317/2026, धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी नैनपुर मंशाराम वगेन, एएसआई जगदीश सियाम, प्रधान आरक्षक कुलदीप यादव, आरक्षक विशाल की विशेष भूमिका रही।

थाना नैनपुर पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

नैनपुर के ग्राम लखमा डुंगरिया में कलयुगी पुत्र ने अपने ही पिता की कुल्हाड़ी के वार से हत्या कर दी। हत्या का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने हत्या के प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्राम लखमा डुगरिया से प्राप्त सूचना पर उप निरीक्षक के.के. विश्वकर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां मर्ग जांच एवं प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक सुरेश कुमार परते की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होना पाया गया।

मृतक की पत्नी रामबती बाई ने बताया कि दिनांक 06 जुलाई 2026 की रात्रि में पारिवारिक विवाद के दौरान उसके पुत्र सुनील कुमार परते, निवासी ग्राम लखमा डुगरिया, थाना नैनपुर द्वारा कुल्हाड़ी से हमला किए जाने से सुरेश कुमार परते गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अगले दिन प्रातः उनकी मृत्यु हो गई। प्राप्त तथ्यों एवं शिकायत के आधार पर आरोपी सुनील कुमार परते के विरुद्ध थाना नैनपुर में अपराधक्रमांक 318/26 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता बी एन एस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी नैनपुर मंशाराम वगेन, उप निरीक्षक के.के. विश्वकर्मा एवं थाना नैनपुर पुलिस स्टाफ की विशेष भूमिका रही।

अंग्रेजी माध्यम से हो पढाई, दिया ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले के सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई शुरू करने की मांग को लेकर जनपद पंचायत के जनपद सदस्य एवं वन स्थायी समिति के सभापति तथा स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण स्थायी समिति के सदस्य हरेंद्र कुमार मसराम ने जिला कलेक्टर एवं आदिवासी कार्य विभाग के सहायक आयुक्त को आवेदन सौंपा आवेदन में कहा गया है कि वर्तमान में जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था नहीं है। बदलते समय और बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी माध्यम से अध्ययन आवश्यक हो गया है जिससे वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं तथा उच्च शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें उनका कहना है कि इससे ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा और उन्हें अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई के लिए निजी विद्यालयों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

उन्होंने जनहित एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन से इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की इस अवसर पर युवा नेता जोबन धुर्वे, रमेश कुमार पंद्रो, दिलराज मरावी, रघुनाथ शाह मरावी, दशरथ धुर्वे एवं पंजू लाला उइके सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में नि:शुल्क प्रवेश

मण्डला (स्वतंत्र मत)। रानी फूलकुंवर शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। संस्थान ने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश लेकर तकनीकी शिक्षा का लाभ उठाने अपील की है महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि पात्र विद्यार्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं तकनीकी शिक्षा के माध्यम से युवाओं को रोजगारोन्मुखी एवं व्यावसायिक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है।

संपादकीय

विकास ने ओढ़ा घूंघट

बरसात की तैयारियों में पिछले जख्म सता रहे, जबकि घूंघट ओढ़े विकास के मुहाने गर्दन छुपा रहे। चंबा-भरमौर एनएच पर पहाड़ी से गिरकर चट्टान ने बस को शिकार बना लिया, तो एक यात्री की मौत हो गई। बरसात आने की खबरें अगर दुर्घटनाएं दे रही हैं, तो हिमाचलवासियों के मुगालते उन्हीं के खिलाफ खड़े हैं। मटौर-कांगड़ा के बीच सैकड़ों वाहनों की आवाजाही पर आदेश यह कि सड़क के किनारे खोद दिए और अब फिसलती बसें या दो पहिया वाहनों के लिए बचके निकलना मुश्किल हो रहा है। बरसात में बचके निकलने की प्रतियोगिता चलती है और अब यह दौर पुनः दोहराया जाएगा।

पिछली बरसात के जख्म फिर एक बार आसमान से भयभीत हैं, तो फोरलेन कार्यों की बढ़ती अवधि ने खेल बिगाड़ा है। नूरपूर, मलां, ज्वालाजी, शिमला, कुल्लू या मलां-पालमपुर की तरफ वाहनों की कसरतें जानलेवा मुसीबत में फंसी हैं। कांगड़ा से पुरानी सुरंग तक सफर अगर बदनुमा धब्बा है, तो फोरलेन पर रियूंड का पुल निर्माण का रहस्य जारी है। कब जसूर और मलां के फलाईओवर अपनी वास्तविक संरचना के गीत गाएंगे, कोई नहीं जानता। वहां जफर का दुख और अमीर खुसरो के सूफी अंदाज में वर्णन करें या यह देखें कि हिमाचल भरी बरसात में कौन सा राग गाएगा। धर्मशाला की पिछली बरसात ने बाइपास व खड़ा डंडा मार्ग को निगला, तो सुधेड़-चड़ी मार्ग की चौड़ाई में भूस्खलन की दीवार खड़ी हो गई। साल भर वाहन रेंगते रहे, तो अब हालात की दुश्मन बारिश का क्या भरोसा कि कब चीर के रख दे। इस दौरान अदालतें बोलती रहीं, जनता फरियाद करती रही, मगर दामन की सिसकियां अब पुनः लाचार व मायूस हैं। आखिर भूस्खलन राज्य की बदनसीबी में परिवर्तित क्यों हो रहा है, तो दर्द के कई बही खाते, केंद्र सरकार को कोसेंगे।

देश के प्रधानमंत्री ने पिछली बरसात के आंसू पोंछने के लिए जिन पंद्रह सौ करोड़ की घोषणा की थी, वे रुपए कौन सी सियासत ने लूट लिए। त्रासदी का इससे बड़ा उपहास और क्या होगा कि देश के मुखिया की घोषणा ही पूरी नहीं हुई। जलाधिकारों के राजनय पर सिंधु जल संधि से पाकिस्तान का जीना हराम हो सकता है, तो देश के पर्वतीय राज्यों को जल शक्ति का सम्मान जरूरी है। हिमाचल की बांध परियोजनाएं लबालब होंगी तो, वाटर गेट खोल कर पंडोह का उफनता पानी कब तक नूरपुर के खेतों को डुबोएगा। बरसात अगर पानी का भंडारण करती है, तो पहाड़ से मैदान तक के रिश्तों की हिफाजत की सूचना भी तो है। यह केंद्रीय संसाधनों का बंटवारा है, जो पानी को केवल राष्ट्रीय जरूरत में देखता, लेकिन मुसीबत को यह नहीं बांटता। हिमाचल की वन भूमि के कारण सड़क निर्माण, बरसात का रिसाब और पानी का हिसाब नहीं होने देता। जंगल को अगर जंगल होना है तो इसे गर्मियों में आग, बरसात में बाढ़ तथा भूस्खलन रोकना होगा। पर्वतीय राज्यों को बरसात के महीने इमरजेंसी में गुजारने की शक्ति केवल केंद्र ही दे सकता है। इसके लिए अनुकूल अध्ययन, शोध, संरचना और अधोसंरचना की जरूरत है ताकि फोरलेन सरीखी परियोजनाएं, सुरंग परियोजनाएं, विमान सेवाएं तथा रेलवे विस्तार अति सुरक्षित हो, वरना पहाड़ियां ढहती रहेंगी और द्रमण से सिहुंता-चुवाड़ी, पांवटा से शिलाई, रोहड़ू से चौपाल कुल्लू से आनी और निरमंड के बीच रास्तों पर मलबे के ढेर लोगों को जीने नहीं देंगे। ऐसे में सभी विभागों के तालमेल और रणनीतिक कौशल से ही ये तीन महीने आसानी से गुजर पाएंगे।

मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार

मिलावट है भारत के सपनों पर विषनुमा दाग

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। आधुनिक राजमार्ग, बुलेट ट्रेन, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष में नई उपलब्धियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति निश्चय ही गौरव का विषय हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा कलंक है, जो इस समस्त प्रगति के माथे पर काले धब्बे की तरह दिखाई देता है-मिलावट। यह केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व में आई मिलावट का भी प्रतीक है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि एक ओर चिकित्सक रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध, घी, फल, पनीर और पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में वही दूध डिटर्जेंट और यूरिया से भरा मिलता है, घी में जानलेवा रसायन मिलते हैं, फलों को जहरीले रसायनों से पकाया जाता है और दवाइयों तक में नकलीपन प्रवेश कर चुका है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर स्वस्थ जीवन की आशा किससे की जाए? नये भारत, विकसित भारत एवं मजबूत भारत का सबसे बड़ा हो-मिलावट-मुक्त भारत।

यह विडंबना केवल उपभोक्ता की नहीं, पूरे राष्ट्र की है। जिस देश की संस्कृति 'अन्नं ब्रह्म' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का संदेश देती हो, वहां भोजन ही यदि विष बन जाए तो इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है? हाल के ही दिनों में देश के विभिन्न भागों से मिलावट के अनेक भयावह मामले सामने आए हैं। कहीं हजारों लीटर नकली दूध पकड़ा जाता है, कहीं करोड़ों रुपये का नकली शहद, कहीं मिलावटी घी, मावा और मसाले बरामद होते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जीवन बचाने वाली दवाइयों में भी नकली और घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। जो व्यक्ति लाभ कमाने के लिए किसी बच्चे, गर्भवती महिला, वृद्ध या बीमार व्यक्ति के भोजन और दवा में जहर घोल देता है, वह केवल व्यापारी नहीं, समाज का अपराधी है।

दरअसल, मिलावट का सबसे बड़ा कारण केवल आर्थिक लालच नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। पहले समाज में यह भावना थी कि दूसरों को कष्ट देकर कभी सुख नहीं मिल सकता। लोग ईश्वर, धर्म और समाज की नैतिक मर्यादाओं से डरते थे। आज परिस्थितियां बदल गई हैं। त्वरित धन अर्जित करने की अंधी दौड़ ने संवेदनाओं को कुचल दिया है। अब कुछ लोगों के लिए मुनाफा ही धर्म बन गया है, चाहे उसकी कीमत किसी की जान क्यों न हो। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, किडनी, लीवर, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बोझ बढ़ता है, परिवार आर्थिक संकट में फंसते हैं और राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। दूसरी ओर, जब भारतीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और तेज आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा; उसके लिए स्वस्थ नागरिक और शुद्ध खाद्य व्यवस्था अनिवार्य है।

विडंबना यह भी है कि हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, निरीक्षण तंत्र और विभिन्न एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी मिलावट का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार, निरीक्षण व्यवस्था की कमजोरी, मुकदमों में देरी और दंड का अभाव है। त्योहारों पर कुछ छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े नेटवर्क अक्सर बच निकलते हैं। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक यह विषैला कारोबार समाप्त नहीं होगा। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित हों। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। नकली दवाइयों और मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं, ताकि कुछ महीनों के भीतर दोषियों को सजा मिल सके। ऐसे अपराधों को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि 'जनस्वास्थ्य के विरुद्ध जघन्य अपराध' घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन केवल सरकार सब कुछ नहीं कर सकती। समाज की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को जागरूक बनना होगा। प्रमाणित उत्पादों का उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत, स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नैतिक शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज मिलावट को केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार योग्य कृत्य मानने लगे, तो इस बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं होता। विकसित राष्ट्र वह है जहां नागरिक बिना भय के भोजन कर सकें, जहां दवा जीवन बचाए, जहां व्यापार विश्वास पर आधारित हो और जहां ईमानदारी आर्थिक सफलता का आधार बने। जापान, जर्मनी और अनेक विकसित देशों की सफलता का रहस्य केवल तकनीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नैतिक अनुशासन भी है। भारत यदि विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, तो उसे सबसे पहले अपने बाजार को विश्वास का बाजार बनाना होगा। आज आवश्यकता एक नए राष्ट्रीय अभियान की है-'मिलावट-मुक्त भारत अभियान'। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन की शुरुआत की, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनचेतना का अभियान बने। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह न मिलावट करेगा, न मिलावट को बढ़ावा देगा और न ही मिलावट करने वालों को सामाजिक सम्मान देगा।

हमें यह भी समझना होगा कि मिलावट केवल किसी दूसरे के परिवार को नहीं, अंततः पूरे समाज को नुकसान पहुंचाती है। जो व्यापारी आज मिलावट कर रहा है, उसका अपना परिवार भी इसी समाज में रहता है। उसके बच्चे भी इसी हवा में सांस लेते हैं, इसी बाजार से वस्तुएं खरीदते हैं। इसलिए मिलावट वास्तव में दूसरों के लिए नहीं, अपने ही भविष्य के लिए जहर तैयार करना है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी पहचान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि शुद्धता, विश्वसनीयता और नैतिकता से होगी। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां दूध में दूध हो, दवा में दवा हो, भोजन में जीवन हो और व्यापार में विश्वास हो। यही सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी। इसलिए सरकार कठोर कानून बनाए, प्रशासन निर्भीक कार्रवाई करे, न्यायपालिका त्वरित दंड सुनिश्चित करे और समाज नैतिक जागरण का बिगुल फूंके। आइए, आज ही संकल्प लें-'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार। मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार।' यही संकल्प 2047 के भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक, स्वस्थ और विश्वसनीय राष्ट्र भी बनाएगा।

मंदिर प्रशासन के लिए राष्ट्रीय कानून

आस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शिता के बीच संतुलन का समय

भूपेन्द्र गुप्ता

लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं, वे हमारी सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक जीवन और जनआस्था के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन मंदिरों के पास हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति, भूमि और दान की व्यवस्था होती है। ऐसे में यह प्रश्न समय-समय पर उठता रहा है कि इन संस्थाओं के वित्तीय और प्रशासनिक प्रबंधन के लिए क्या एक समान राष्ट्रीय व्यवस्था होनी चाहिए?

दक्षिण भारत में मंदिरों के प्रशासन के लिए बने हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती कानूनों का उद्देश्य यही था कि मंदिरों की संपत्ति सुरक्षित रहे, आय का सही उपयोग हो और प्रबंधन में जवाबदेही बनी रहे। 1951 के मद्रास हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती कानून के बाद यह व्यवस्था विकसित हुई कि धार्मिक आस्था और पूजा-पद्धति में हस्तक्षेप किए बिना मंदिरों के प्रशासनिक और वित्तीय पक्ष को नियमन के दायरे में रखा जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी Shirur Mutt Case में स्पष्ट किया था कि संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है, लेकिन धार्मिक संस्थाओं के धर्मनिरपेक्ष प्रशासन-जैसे संपत्ति प्रबंधन, लेखा और वित्तीय व्यवस्था-को राज्य नियंत्रित कर सकता है। यही सिद्धांत आज भी महत्वपूर्ण है।

वर्तमान समय में देशभर के मंदिर अलग-अलग व्यवस्थाओं के अंतर्गत संचालित होते हैं। कहीं राज्य सरकारों के देवस्थान बोर्ड हैं, कहीं स्वतंत्र ट्रस्ट हैं और कहीं परंपरागत प्रबंधन व्यवस्था है। इस अलग-अलग व्यवस्था के कारण कई बार विवाद उत्पन्न होते हैं। मंदिरों की संपत्ति, दान की पारदर्शिता, नियुक्तियों और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर प्रश्न उठते रहते हैं।

ऐसे में केंद्र सरकार के सामने यह विचार रखा जा सकता है कि क्या एक ऐसा राष्ट्रीय कानून बनाया जाए जो सभी धार्मिक संस्थाओं पर नियंत्रण स्थापित करने के बजाय केवल वित्तीय पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही के न्यूनतम मानक तय करे।

इस प्रकार के कानून का उद्देश्य मंदिरों की धार्मिक स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं होना चाहिए। पूजा-पद्धति, धार्मिक परंपराएँ और आध्यात्मिक निर्णय पूरी तरह संबंधित धार्मिक संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में रहने चाहिए। लेकिन दान का हिसाब, संपत्ति का रिकॉर्ड, वार्षिक ऑडिट, बड़े आर्थिक निर्णय और प्रशासनिक प्रक्रियाएँ ऐसी व्यवस्थाएँ हैं जिनमें पारदर्शिता सार्वजनिक हित से जुड़ी हुई है।

ऐसा कानून बनने से एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ हो सकता है-न्यायपालिका पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो सकता है। आज अनेक मामलों में मंदिरों के प्रबंधन, संपत्ति और प्रशासन से जुड़े विवाद अदालतों तक पहुँचते हैं। यदि स्पष्ट नियम, स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था और पारदर्शी प्रक्रिया पहले से निर्धारित हो, तो न्यायालयों को बार-बार प्रशासनिक मामलों में हस्तक्षेप करने की आवश्यकता कम होगी।

यहाँ यह भी आवश्यक है कि किसी भी नए कानून का स्वरूप संतुलित हो। यदि मंदिर प्रशासन के नाम पर अत्यधिक सरकारी नियंत्रण स्थापित किया गया तो यह धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकारों पर प्रश्न खड़े कर सकता है। इसलिए बेहतर रास्ता प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं, बल्कि स्वतंत्र नियामक व्यवस्था हो सकती है।

एक राष्ट्रीय मॉडल में निम्न प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं-

सभी बड़े धार्मिक संस्थानों के लिए अनिवार्य वार्षिक ऑडिट।

आय और व्यय का सार्वजनिक विवरण।

संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड।

दान प्रबंधन के लिए पारदर्शी प्रक्रिया।

स्वतंत्र शिकायत निवारण व्यवस्था।

प्रबंधन समितियों की स्पष्ट जवाबदेही।

धार्मिक मामलों और प्रशासनिक मामलों के बीच स्पष्ट विभाजन।

ऐसा कानून केवल हिंदू मंदिरों तक सीमित हो या सभी धर्मों के बड़े धार्मिक संस्थानों के लिए समान सिद्धांत लागू करे-यह भी व्यापक संवैधानिक बहस का विषय हो सकता है। लोकतंत्र में किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता का सम्मान आवश्यक है, लेकिन जहाँ सार्वजनिक दान और बड़ी संपत्तियाँ जुड़ी हों, वहाँ जवाबदेही भी उतनी ही आवश्यक है।

राम मंदिर जैसे राष्ट्रीय महत्व के धार्मिक स्थल के संदर्भ में यह बहस और महत्वपूर्ण हो जाती है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े संस्थान यदि पारदर्शिता और सुशासन का उदाहरण बनते हैं, तो इससे धार्मिक विश्वास और मजबूत होगा।

समय की मांग यह नहीं है कि सरकारें मंदिर चलाएँ, बल्कि यह है कि धार्मिक संस्थाएँ भी आधुनिक प्रशासन, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक विश्वास के मानकों पर खरी उतरें। आस्था और पारदर्शिता विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं।

एक संतुलित राष्ट्रीय कानून इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है-जो मंदिरों की गरिमा बनाए रखे, श्रद्धालुओं का विश्वास बढ़ाए और न्यायपालिका को अनावश्यक विवादों से मुक्त करे।

जांच तो होनी चाहिए

संतोष उत्सुक

गहन जांच का सख्त हुक्म होता है तो उसमें किसी तरह की राजनीति हो नहीं सकती क्यूंकि जांच के गर्भ में महत्त्वपूर्ण फैसला छिपा होता है। जांच के आदेश में जन भावना का सम्मान दिखता है। यह तो जांच होने के बाद ही पता चलता है कि जांच में क्या निकला और क्या नहीं निकला। कुछ को लगेगा जांच में यह नहीं निकला, वह तो बिलकुल नहीं निकलना चाहिए था। विद्वान व्यक्ति बता दिया करते हैं कि फलां जांच में कुछ ऐसा निकलना चाहिए था। समझदार लोगों का मत होता है कि जांच के आदेश से विपक्ष के झूठ और भ्रम पर रोक लगनी शुरू हो जाती है। उनके अनुसार राजपक्ष से सम्बंधित, मुश्किल से चुनाव जीत कर आए नेताओं को बदनाम करना शुरू हो गया था इसलिए जांच बिठानी पड़ी। बदनामी को दुर्भाग्यपूर्ण माना जाता है और जांच शुरू होने को शुभ मानते हुए कहा जाता है कि जांच जैसे पवित्र कार्य से सचाईजी, पूरी तरह सुसज्जित होकर सबके सामने खड़ी हो जाएंगी।

व्यंग्य

जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज़ खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है। उस तरह की जांच के आदेश मात्र से एंटी सोशल मीडिया पर छाए तमाम वीडियो और दूसरे सामाजिक मंचों से फ़ैल रहे भ्रम और अराजकता का जो माहौल खड़ा किया जा रहा होता है उसका निर्माण गैर कानूनी ईमारत के निर्माण की तरह रुक जाता है। जांच उचित तरह से हो जाए तो जनता को बरगलाने वाले कुछ समय के लिए तो बेनकाब हो जाते हैं, क्या कहा करते हैं कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है।

दिलचस्प यह है कि आजकल निरंतर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले, बड़े आकार के शहरों का पानी भी महादूषित और जानलेवा होने लगा है जिसकी जांच भी करने लायक है। दूध तो इतना उपलब्ध है जितने पशु नहीं हैं। अगर ऐसे मामलों में जांच घोषित हो तो जनता अपनी जीत समझ लेगी और मस्त रहेगी । वह बात अलग है कि जांच कई साल पकाने के बाद परिणाम का हलवा उन्हें स्वादिष्ट नहीं लगेगा। जांच करने वालों की विश्वसनीयता, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं लेकिन क्या फ़र्क पड़ता है सवाल उठाए जाएं या बिठा दिए जाएं। असली बात तो जवाबों में होती है। किसी ने लिखा भी है, जवाब जिनका नहीं वो सवाल होते हैं। आम जनता तो सवालों से ही खुश हो जाती है। कुछ ख़ास लोग जांच के परिणामों का इंतज़ार करते रहते हैं। सवालों के न दिए जा सकने वाले जवाब चाहते रहते हैं। ख़ास सवाल जब जांच में फंस जाएं तो जवाबों के रंग ढंग सब बदल जाते हैं। जांच करने वाले भी सोचते तो होंगे कि कैसे कैसे संगीन मामलों की जांच को, बेचारी कर देना पड़ता है। जांच का फैसला दर्जनों पृष्ठ का होता है लेकिन दोषी परेशान नहीं दिखते। यही तो जांच की अच्छी बात होती है।

साहब को कार्पोरेट कार्यालय से बाहर आना होगा

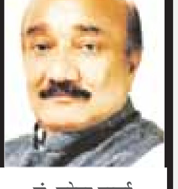

पं. नरेश शर्मा

राज्य पुलिस सेवा, सेवानिवृत नगर पुलिस अधीक्षक, जबलपुर

यह स्वीकार्य तथ्य है कि पूर्ववर्ती अधिकारी (प्रेडिसेसर) को अपने उत्तराधिकारी (सक्सेसर) में अनेकानेक त्रुटियां परिलक्षित होती हैं किंतु यह भी सत्य है कि वर्तमान में पुलिस कार्यप्रणाली में उत्तरदायित्वहीनता का प्रसार हुआ है । मैं शहर जबलपुर के बेलबाग,ओमती,कोतवाली, लॉर्डगंज, घमापुर, गढ़ा एवं कैंट थानों में निरंतर लगभग 14 वर्ष (1997-2911) तक थाना प्रभारी निरीक्षक के दायित्व का निर्वाह कर चुका हूँ । उस कालखंड में इन थानों में एक पंजी का संधारण किया गया था । जिसमें थाना क्षेत्र के स्कूल्स,कॉलेजेस की सूची, उनके प्रारंभ होने व अवकाश होने के समय आदि की जानकारी सहित अन्य प्रविष्टियां अंकित हुआ करती थी। विशेष कर कन्याओं से संबंधित शिक्षण संस्थाओं एवं कोचिंग सेंटर्स आदि की।

उक्त समय पर उपलब्ध बल उन संस्थानों पर लगाया जाता था। चीता, टाइगर के अलावा थाना प्रभारी भी निरंतर चिन्हित स्थानों का भ्रमण करते थे। आवश्यकता अनुसार शोहदों की ताजपोशी भी की जाती थी। छात्रायें अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त थीं। उनके मुख मंडल पर संतोष के भाव स्पष्ट रूपेण परिलक्षित होते थे। किसी भी तत्व में साहस नहीं होता था कि कोई अवांछनीय हरकत कर जाए।

यह सब आज भी सरलता से संभव है इस हेतु साहब (थाना प्रभारी) को अपने सुविधायुक्त कार्पोरेट कार्यालय से बाहर आना होगा । भावना यह होना चाहिए कि -

हम सजग राष्ट्रमके प्रहरी,
किया देश पर जीवन अर्पित ।
हमने तुम्हारे कल के खातिर,
किया अपना आज समर्पित ।।

नियम-कानून ना मानने वालों का कैसा संवैधानिक अधिकार!

नाबालिग से बलात्कारियों की सजा फांसी तय हो

मनोज कुमार द्विवेदी

अनूपपुर ,मप्र

दिल्ली के निर्भया काण्ड के बाद आज भी देश मे कुछ भी नहीं बदला है। समाज मे छुपे भेडिये और उन्हे बचाने वाले लोग बलात्कार की घटना मे बराबर के जिम्मेदार हैं । ऐसी घटनाओं की फास्ट ट्रैक अदालतों मे सुनवाई और तय समय मे फांसी की सजा नहीं दी जाएगी, राक्षसों के मन मे समाज, कानून का कोई भय उत्पन्न नहीं होगा। सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि जो लोग नियम, कानून ,कायदे नहीं मानते , जिनके मन मे देश के संविधान के प्रति सम्मान ना हो ,उनके सभी संवैधानिक अधिकार स्वयमेव खत्म माने जाएं। श्री गंगानगर राजस्थान मे एक 13 साल की बच्ची जो ट्यूशन से अपने घर जा रही थी। उसने एक रिक्शा वाले से उसने कहा कि आप मुझे घर छोड़ दीजिए रिक्शावाला उसे बहलाकर गेस्ट हाउस पर ले गया। वहां उसे न सिर्फ 10000 में बेच दिया बल्कि खुद उसका बलात्कार भी किया। उसके बाद उसे बच्ची का गेस्ट हाउस संचालक ने बलात्कार किया फिर गेस्ट हाउस वाले ने तीन दिन 12 लोगों से उसे बच्ची का बलात्कार करवाया। फिर उस गेस्ट हाउस संचालक ने उस बच्ची को दूसरे गेस्ट हाउस वाले को 50 हजार में बेच दिया और वहां 20 से ज्यादा लोगों ने उसे बच्चे का बलात्कार किया।

इस तरह उसे बच्ची के साथ जो मात्र 13 साल की मासूम बच्ची थी 32 दरिंदों ने बलात्कार किया। बच्ची जब दर्द से चीखती तो उसे शराब पिला देते जिससे बच्ची की आवाज कमरे से बाहर नहीं जाए। राजस्थान की इस रूह कंपा देने वाली घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया।

लेकिन इससे क्या कोई फर्क पडने वाला है? शायद बिल्कुल भी नहीं ।

हमारे आसपास ऐसी ही घटनाएं हुई हैं, जहाँ बलात्कारी नर पिशाच 32 की जगह 5-6 ही थे। पूरा समाज ,परिस्थिति जन्य साक्ष्य चीख - चीख कर सामूहिक बलात्कार की पुष्टि कर रहे थे। लोग सड़कों पर आए ,धरना - प्रदर्शन क्या नहीं किया गया? जिन पर कार्यवाही करने की जिम्मेदारी थी ,वे ही यह भूल गये कि वो भी किसी अबोध बच्ची के पिता, भाई, परिजन होंगे।

मरी हुई बुजदिल आत्माओं के साथ पशुवत पेट पालते लोगों के दम पर ही बलात्कारी समाज मे बेखौफ अगले शिकार की खोज मे रहता है। उसे कोई फर्क नहीं पडता कि फिर वो बच्ची केवट है, ब्राम्हण है, क्षत्रिय या दलित।

बलात्कारी कमजोर वर्ग को ही शिकार बनाता है। जहाँ उसे छः इंच छोटा हो जाने का डर हो, वह आंख उठा कर देखता तक नहीं ।लतो अब यह बहुत जरुरी है कि बलात्कारियों मे गर्दन छोटी होने या सुनिश्चित लंबी होने का भय हो। नर पिशाचों मे स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि यदि उसने किसी बहन ,बेटी पर कुदृष्टि डाली तो उसकी जिन्दगी 6 महीने ही शेष होगी।

आज ही पश्चिम बंगाल मे हथियार छीन कर भागते एक बलात्कारी को वहाँ की पुलिस ने गति प्रदान किया है। नियम, कायदे, संविधान केवल उनके लिये ही नहीं होना चाहिए जो उसका सम्मान करते हैं। जो इन्हे नहीं मानते, जिनके मन मे इसके प्रति कोई डर-भय ना हो, उनके सभी संवैधानिक अधिकार खत्म माना जाना चाहिए।

चीन को पछाड़ कर ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग-2026 में आगे निकली इंडियन एयरफोर्स

नई दिल्ली

विश्व की सैन्य विमानन क्षमता का सबसे व्यापक आकलन मानी जाने वाली आधुनिक सैन्य विमान निर्देशिका की ताजा वैश्विक वायु शक्ति रैंकिंग ने दुनिया के सामरिक समीकरणों पर नई बहस छेड़ दी है। हम आपको बता दें कि वैश्विक वायु शक्ति रैंकिंग में शीर्ष 10 देश 2026 की सूची में भारतीय वायुसेना को छठा स्थान मिला है, जबकि चीन की वायुसेना सातवें स्थान पर रही है। खास बात यह है कि यह रैंकिंग केवल विमानों की संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि तकनीकी आधुनिकीकरण, युद्धक क्षमता, रसद व्यवस्था, प्रहार और रक्षा क्षमता, प्रशिक्षण तथा समग्र परिचालन दक्षता जैसे अनेक मानकों के आधार पर तैयार की गई है। यही कारण है कि कम संख्या वाला बेड़ा भी अधिक सक्षम होने पर ऊंचा स्थान प्राप्त कर सकता है। आधुनिक सैन्य विमान निर्देशिका इस समय 103 देशों की 129 सैन्य वायु शाखाओं का अध्ययन कर रही है। इसके दायरे में कुल 48 हजार 82 विमान शामिल हैं। संस्था प्रत्येक वायुसेना की वास्तविक युद्धक क्षमता का आकलन कर उसे एक विशेष मूल्यांकन अंक प्रदान करती है। सर्वोच मूल्यांकन अंक 242.9 अमेरिका की वायुसेना के पास है, जिससे उसकी वैश्विक बढ़त स्पष्ट होती है। इन टॉप टेन वायुसेनाओं की शक्तियों को विस्तार से देखें तो सबसे पहले बात करते हैं अमेरिकी वायुसेना की जिसे सूची में पहला स्थान मिला है।

पहला स्थानः अमेरिका की वायुसेना

अमेरिका की वायुसेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायु शक्ति बनी हुई है। अत्याधुनिक युद्धक विमान, लंबी दूरी तक मार करने वाले बमवर्षक, विशाल परिवहन बेड़ा, वैश्विक सैन्य अड्डों का जाल और अंतरिक्ष आधारित निगरानी इसकी सबसे बड़ी ताकत है। इसकी चुनौती यह है कि इतनी विशाल व्यवस्था को लगातार आधुनिक बनाए रखना, बढ़ते रक्षा व्यय को संतुलित करना और रूस तथा चीन जैसी उभरती शक्तियों की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का सामना करना आसान नहीं है।

दूसरा स्थान- अमेरिका की नौसैनिक वायु शाखा

समुद्र से आकाश तक प्रभुत्व स्थापित करना इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। विमान वाहक पोतों के सहारे यह दुनिया के किसी भी हिस्से में तेजी से सैन्य शक्ति पहुंचाने में सक्षम है। इसकी चुनौती लंबी समुद्री तैनाती, अत्यधिक रखरखाव लागत और आधुनिक मिसाइल खतरों के अनुरूप अपनी क्षमता को लगातार उन्नत बनाए रखना है।

तीसरा स्थान- रूस की वायुसेना

रूस की पहचान लंबी दूरी की मारक क्षमता, शक्तिशाली युद्धक विमानों और

मजबूत वायु रक्षा तंत्र से होती है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी संचालन इसकी विशेषता है। हालांकि लंबे समय से जारी सैन्य दबाव, आर्थिक चुनौतियां और पुराने विमानों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता इसके सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

चौथा स्थान- अमेरिका की थल सेना की वायु शाखा

यह शाखा हेलीकाप्टरों, मानवरहित प्रणालियों और थल सेना को त्वरित हवाई सहायता देने में दुनिया में अग्रणी मानी जाती है। युद्ध क्षेत्र में सैनिकों की तेजी से आवाजाही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। बदलती युद्ध शैली और नई प्रौद्योगिकी के अनुरूप बेडे का आधुनिकीकरण इसकी प्रमुख चुनौती है।

पांचवां स्थान- अमेरिका की समुद्री सेना की वायु शाखा

यह शाखा तेजी से हमला करने, उभयचर अभियानों को समर्थन देने और संकटग्रस्त क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई के लिए जानी जाती है। इसकी ताकत उच प्रशिक्षण और बहुआयामी युद्धक क्षमता है। सीमित संसाधनों के बीच आधुनिक युद्धक प्रणालियों को बनाए रखना इसकी प्रमुख चुनौती है।

छठा स्थान- भारतीय वायुसेना

भारतीय वायुसेना का छठे स्थान पर पहुंचना सिर्फ रैंकिंग नहीं, बल्कि बदलती सामरिक तस्वीर का संकेत है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत ने चीन को पीछे छोड़ा है, जबकि चीन के पास विमानों की संख्या अधिक है। इसका अर्थ है कि भारतीय वायुसेना की गुणवत्ता, प्रशिक्षण, परिचालन क्षमता और तकनीकी संतुलन को अधिक प्रभावी माना गया है। आधुनिक युद्धक विमान, सुदृढ़ वायु रक्षा, लंबी दूरी तक प्रहार की क्षमता और कठिन पर्वतीय क्षेत्रों में संचालन इसकी ताकत है। साथ ही भारत की भौगोलिक स्थिति उसे पश्चिम और उत्तर दोनों मोर्चों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता प्रदान करती है। फिर भी लड़ाकू स्क्वॉड्रनों की कमी, पुराने विमानों का प्रतिस्थापन और स्वदेशी विमान निर्माण को गति देना भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है। यदि इन क्षेत्रों में तेजी आई तो भारत निकट भविष्य में शीर्ष पांच वायु शक्तियों में जगह बना सकता है।

सातवां स्थान- चीन की वायुसेना

चीन के पास विशाल विमान बेड़ा और तेजी से बढ़ती रक्षा उत्पादन क्षमता है। उसने पिछले वर्षों में आधुनिक युद्धक विमानों और मानवरहित प्रणालियों पर भारी निवेश किया है। इसके बावजूद गुणवत्ता, परिचालन अनुभव और समग्र युद्धक संतुलन के मामले में उसे भारत से पीछे आंका गया है। वास्तविक युद्ध अनुभव की कमी और तेजी से बढ़ते बेड़े के प्रभावी संचालन की चुनौती उसके सामने बनी हुई है।

आठवां स्थान- जापान की वायुसेना

जापान की ताकत अत्याधुनिक तकनीक, उत्कृष्ट प्रशिक्षण और मजबूत वायु रक्षा व्यवस्था है। समुद्री सीमाओं की निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया इसकी पहचान है। किंतु सीमित मानव संसाधन, बढ़ती क्षेत्रीय चुनौतियां और रक्षा नीति की ऐतिहासिक सीमाएं इसकी राह कठिन बनाती हैं।

नौवां स्थान-इजराइल की वायुसेना

इजराइल आकार में छोटा देश होने के बावजूद अत्यंत प्रभावशाली वायु शक्ति रखता है। सटीक प्रहार, वास्तविक युद्ध अनुभव, उन्नत तकनीक और त्वरित निर्णय इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। लगातार सुरक्षा चुनौतियों और अनेक मोर्चों पर सतत सतर्कता बनाए रखना इसकी सबसे कठिन परीक्षा है।

दसवां स्थान- फ्रांस की वायुसेना

फ्रांस की वायुसेना आधुनिक युद्धक विमानों, परमाणु प्रतिरोधक क्षमता और वैश्विक अभियानों में भागीदारी के लिए जानी जाती है। इसकी चुनौती रक्षा व्यय और यूरोप की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों के अनुरूप अपनी शक्ति का विस्तार करना है।

ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम समझौता समाप्त घोषित किया, परमाणु वार्ता पर जताई निराशा

अंकारा, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ तीन सप्ताह पहले हुए युद्धविराम समझौते को समाप्त घोषित करते हुए कहा है कि यह समझौता अब प्रभावी नहीं रहा। इसके व्यावहारिक परिणामों को लेकर उन्होंने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

श्री ट्रंप ने अंकारा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि युद्धविराम समझौता अब खत्म हो चुका है। पिछले महीने उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि संघर्ष जारी रहा तो दोनों पक्षों को आर्थिक तबाही का सामना करना पड़ेगा।

युद्धविराम के बावजूद हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य कार्रवाई का सिलसिला जारी रहा। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे वाणियिक जहाजों को आदेशों को अनसुना करने के लिए निशाना बनाया, जबकि अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई में ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले किये। इन घटनाओं के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कचे तेल की कीमतों में तेजी दर्ज की गयी।

इन हमलों के बाद ईरान ने भी बहरीन और कुवैत में अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर हमला किया। श्री ट्रंप इससे पहले समझौते के उस महत्वपूर्ण प्रावधान को भी वापस ले चुके हैं, जिसके तहत ईरान को वैश्विक बाजार में अपना तेल बेचने की अनुमति दी गयी थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह अपने वार्ताकारों को ईरान के साथ व्यापक परमाणु समझौते की दिशा में बातचीत जारी रखने की अनुमति देंगे, लेकिन उन्होंने इस प्रक्रिया को समय की बर्बादी करार दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान के साथ अंतरिम एग्रीमेंट खत्म हो गया है, लेकिन वह बातचीत जारी रखेंगे। जब सीजफायर के स्टेटस के बारे में पूछा गया तो ट्रंप ने जवाब दिया, मेरे हिसाब से, यह खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, उनके साथ डील करना बस टाइम वेस्ट करना है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुए अंतरिम युद्धविराम समझौते का मकसद एक स्थायी समझौते के लिए बातचीत के वास्ते 60 दिन का समय देना था, लेकिन कतर में हुई अप्रत्यक्ष बातचीत पिछले हफ्ते बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई और अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान पर नए हमले किए।

तुर्की की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन से पहले ट्रंप ने कहा, मेरे हिसाब से, यह खत्म हो चुका है। मैं उनसे कोई लेन-देन नहीं करना चाहता। नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ मौजूद ट्रंप ने आगे कहा, वे घटिया लोग हैं। वे बीमार मानसिकता वाले लोग हैं। उनकी अगुवाई बीमार मानसिकता वाले लोग ही करते हैं। जहां तक मेरी बात है, उनके साथ लेन-देन करना सिर्फ समय की बर्बादी है।

चीन में भूस्खलन से 21 की मौत बाढ़ के बीच रिहायशी इलाके में घुसे 800 से यादा सांप

बीजिंग। प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे चीन से इस वक्त दो बेहद डराने वाली खबरें सामने आ रही हैं। एक तरफ जहां उत्तर-पश्चिमी चीन में हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है, वहीं दूसरी तरफ गुआंग्शी क्षेत्र में बाढ़ के पानी के साथ सैकड़ों खतरनाक सांप रिहायशी इलाकों में फैल गए हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। चीन में टायफून मायसैक के कारण गुआंग्शी क्षेत्र में आई बाढ़ अब एक नया और अनोखा खतरा लेकर आई है। स्थानीय समाचार एजेंसी होंगक्सिंग के मुताबिक, हेंगझोउ के एक गांव में बाढ़ का पानी घुसने से एक स्नेक फार्म पूरी तरह डूब गया।हादसे के कारण फार्म से 800 से यादा सांप आजाद होकर बह गए और आसपास के गांवों में फैल गए हैं। ऐसे में प्रशासन अब बाढ़ के साथ-साथ इन सांपों से निपटने की दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। गांसु प्रांत के लोंगनान शहर में मंगलवार सुबह करीब 7 बजे अचानक हुए भूस्खलन की वजह से भारी तबाही हुई।

जंगल राज की ओर बढ़ रहा है पश्चिम बंगाल : मोइत्रा

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में 12 साल की बालिका से कथित सामूहिक और हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के कुछ घंटों बाद तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पुलिस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि राय 'जंगल राज' की ओर बढ़ रहा है।

श्रीमती मोइत्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, बारुईपुर दुष्कर्म -हत्या मामले का आरोपी प्रभाष मंडल मुठभेड़ में मारा गया! पश्चिम बंगाल पुलिस, यह क्या हो रहा है? बंगालियों नये बंगाल (उत्तर प्रदेश 2.0) का स्वागत करो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोई सरकार नहीं है। यह जंगल राज है।

प्रभाष मंडल की बारुईपुर के सूर्यपुर इलाके में देर रात एक

अभियान के दौरान पुलिस की गोली लगने से मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक, चल रही जांच के तहत घटनाक्रम को फिर से समझने के लिए मंडल को आधी रात के बाद घटनास्थल पर ले जाया गया था। इस दौरान उसने कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। जांचकर्ताओं का दावा है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद वह भागता रहा, जिससे पुलिस को उसे भागने से रोकने के लिए गोली चलानी पड़ी। मंडल को गोली लगी और उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मुठभेड़ ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है, और श्रीमती मोइत्रा की आलोचना ने आरोपी की मौत के हालात पर बहस को और बढ़ा दिया है। पुलिस का हालांकि कहना है कि गोली आत्मरक्षा में और आरोपी को हिरासत से भागने से रोकने के लिए चलायी गयी थी, लेकिन मुठभेड़ तक ले जाने वाले घटनाक्रम पर सवाल उठने की संभावना है। बारुईपुर में 12 साल की बालिका से कथित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या ने पूरे पश्चिम बंगाल में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है, और इस मामले की जांच पर जनता और राजनीतिक हलकों की कड़ी नज़र बनी हुई है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के तीन मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर, (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अमरनाथ जी यात्रा में सुरक्षा के मद्देनजर तैनात फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) की मदद से आतंकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि इस उन्नत निगरानी प्रणाली ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को उस समय चिह्नित किया जब वे अनंतनाग जिले के सरबाल इलाके से गुजर रहे थे। अलर्ट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मियों ने तीनों को रोका और उनकी पहचान का सत्यापन किया। पुलिस ने कहा कि फेशियल रिकग्निशन प्रणाली से मिली खुफिया जानकारी और बाद में किये गये सत्यापन के आधार पर संदिग्धों को तुरंत हिरासत में ले लिया गया। उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

अनर्गल बयानबाजी से बचें अखिलेश वरना राम भक्त देंगे जवाबः केशव मौर्य

प्रयागराज,(वार्ता)

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव को नसीहत देते हुये कहा कि राम मंदिर को लेकर उन्हे अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिये वरना राम भक्त और राष्ट्रभक्त जनता मुंहतोड़ जवाब देगी।

श्री मौर्य ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रही है, प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और आरोपी भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके बावजूद इस मामले पर अनर्गल बयान देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, यदि अखिलेश यादव इस प्रकार की बयानबाजी जारी रखते हैं तो उन्हें इसका जवाब राम भक्त और राष्ट्रभक्त जनता देगी। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का उत्तर प्रदेश से सूपड़ा साफ हो जाएगा।

चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात तथा तीसरे मोर्चे की अटकलों पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राजनीतिक मोर्चे से भारतीय जनता पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

श्री मौर्य ने कहा कि भाजपा वर्तमान भी है और भविष्य भी। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल में देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।

कर्नाटक सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक तुष्टिकरण की राजनीति की और अयोध्या, मथुरा तथा काशी से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं होने दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ, जम्मू-कश्मीर से अनुछेद 370 हटाया गया और काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास कर भव्य कॉरिडोर का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि जिन मामलों पर न्यायालय में सुनवाई चल रही है, उनमें उन्हें न्यायपालिका से पूरा विश्वास और उम्मीद है। उन्होंने कहा, विजय सत्य की होगी, राम भक्तों की होगी और कृष्ण भक्तों की होगी। रायपाल आनंदीबेन पटेल के बेटियों को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महामहिम रायपाल हम सभी की संरक्षक और मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि रायपाल के रूप में उनका अनुभव और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है तथा उनके सुझावों को सकारात्मक रूप से लिया जाना चाहिए।

हर प्रोजेक्ट ने मुझे कुछ नया सिखाया : आशीष राघव

अभिनेता आशीष राघव ने कहा है कि उनके लिए अभिनय का सफर किसी एक सफल प्रोजेक्ट या यादगार पल तक सीमित नहीं है, बल्कि हर

प्रोजेक्ट ने उन्हें अभिनेता के रूप में कुछ नया सिखाया है।द पिरामिड स्कीममें अपने अभिनय से चर्चा बटोरने वाले आशीष राघव ने कहा कि वह अपने करियर को किसी एक उपलब्धि के आधार पर नहीं आंकते। उनके अनुसार, किसी भी फिल्म या शो के निर्माण की पूरी रचनात्मक प्रक्रिया ही उनके लिए सबसे बड़ा सीखने का अनुभव होती है।आशीष ने कहा, यदि मैं अपने अभिनय के सफर के सबसे यादगार पलों की बात करूं, तो मैं उन्हें कुछ चुनिंदा घटनाओं तक सीमित नहीं कर सकता। मेरे लिए बात कभी किसी एक पल की नहीं होती, बल्कि पूरी यात्रा की होती है।उन्होंने कहा कि स्क्रिप्ट पर शुरुआती चर्चा, निर्देशक के साथ विचार-विमर्श, दृश्यों को समझने और उन्हें अलग-अलग तरीके से प्रस्तुत करने की प्रक्रिया उन्हें सबसे अधिक उत्साहित करती है। उनके अनुसार, जब यही तैयारी कैमरे के सामने जीवंत होती है, तो पूरा अनुभव और भी खास बन जाता है। आशीष ने कहा, हर प्रोजेक्ट अपने आप में खास और यादगार होता है। स्क्रिप्ट पर साथ बैठकर काम करने से लेकर दृश्यों पर चर्चा करने और उन्हें कैमरे पर साकार होते देखने तक, हर कदम इस अनुभव को समृद्ध बनाता है।उन्होंने कहा कि हर सेट, हर टीम और हर कहानी उन्हें कुछ नया सिखाती है।

68 वर्ष की हुईं नीतू सिंह

बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू सिंह आज 68 वर्ष की हो गईं। बाल कलाकार के रूप में अपने फिल्मी सफर की शुरुआत करने वाली नीतू सिंह ने 1970 और 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में अपनी पहचान बनाई। 08 जुलाई 1958 को जन्मीं नीतू सिंह को बचपन से ही नृत्य में विशेष रुचि थी। उनकी मां राजी सिंह ने उन्हें वैजयंतीमाला के नृत्य विद्यालय में प्रशिक्षण दिलाया। नृत्य सीखने के दौरान वैजयंतीमाला उनकी प्रतिभा से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने अपनी फिल्म सूरज में उन्हें बाल कलाकार के रूप में काम करने का अवसर दिया। इसके बाद नीतू सिंह ने 1960 के दशक में कई फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया। वर्ष 1968 में प्रदर्शित दो कलियां में उनकी दोहरी भूमिका और उन पर फिल्माया गया गीत बचे मन के सचे आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। नीतू सिंह ने अभिनेत्री के रूप में वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म रिक्शावाला से अपने करियर की शुरुआत की। फिल्म में उनके नायक रणधीर कपूर थे, लेकिन कमजोर कहानी और निर्देशन के कारण फिल्म सफल नहीं हो सकी। उसी वर्ष नासिर हुसैन की फिल्म यादों की बारात में निभाई गई छोटी-सी भूमिका ने उन्हें पहचान दिलाई। इस फिल्म का गीत लेकर हम दीवाना दिल उस दौर का बेहद लोकप्रिय गीत बना।

यादों की बारात की सफलता के बावजूद नीतू सिंह को लगभग दो वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने शतरंज के मोहरे, आशियाना और हवस जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। वर्ष 1975 में प्रदर्शित खेल खेल में उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। ऋषि कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया और फिल्म सुपरहिट रही।

इसी वर्ष उन्हें दीवार और रफूचक्कर जैसी सफल फिल्मों में भी काम करने का अवसर मिला। इसके बाद नीतू सिंह और ऋषि कपूर की जोड़ी ने जहरीला इंसान, जिंदादिल, कभी-कभी, अमर अकबर एंथनी, अनजाने, दुनिया मेरी जेब में, झूठा कहीं का, धन दौलत और दूसरा आदमी जैसी अनेक फिल्मों में युवा प्रेम की भावनाओं को पर्दे पर जीवंत किया। यह जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे सफल और लोकप्रिय जोड़ियों में गिनी जाती है। 1980 के दशक में नीतू सिंह हिंदी फिल्म उद्योग की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल थीं। हालांकि उन्हें कई फिल्मों के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने अभिनेता ऋषि कपूर से विवाह के बाद फिल्म जगत से दूरी बना ली। वर्ष 1982 में प्रदर्शित तीसरी आंख अभिनेत्री के रूप में उनकी अंतिम फिल्म रही। अपने फिल्मी करियर में नीतू सिंह ने लगभग 60 फिल्मों में अभिनय किया। वर्ष 1979 में प्रदर्शित काला पत्थर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन मिला। अभिनय के अलावा नीतू सिंह ने नगीना, खोज, बड़े घर की बेटी, अमीरी गरीबी, श्रीमान आशिक और दरार जैसी फिल्मों में कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर के रूप में भी काम किया। वर्ष 2013 में प्रदर्शित बेशर्म में उन्होंने अपने पति ऋषि कपूर और पुत्र रणबीर कपूर के साथ अभिनय किया। इसके बाद उन्होंने नए उत्साह के साथ फिल्मों में वापसी की और आज भी अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई डुग डुग

व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म डुग डुग प्राइम वीडियो पर रिलीज गयी है। फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत समेत 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम की जा रही है।फिल्म का निर्देशन और

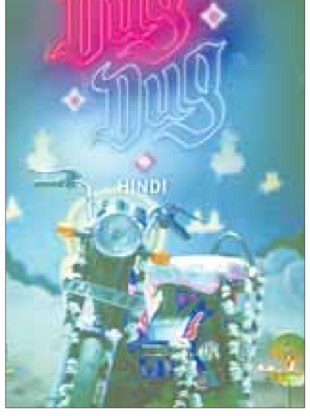

लेखन ऋत्विक पारीक ने किया है। बॉटल रॉकेट पिक्चर्स के बैनर तले प्रेरणा पारीक और ऋत्विक पारीक ने इसका निर्माण किया है, जबकि अनुराग कश्यप, निखिल आडवाणी, विक्रमादित्य मोटवाने और वासन बाला इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में अल्ताफ खान, गौरव सोनी और योगेंद्र सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके साथ दुर्गा लाल सैनी, हेमंत शर्मा, जगदीश प्रसाद टाक, राजू गुर्जर और प्रियंका खांडेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

डुग डुग आस्था और अंधविश्वास के संबंधों पर आधारित एक सामाजिक व्यंग्य है। फिल्म की कहानी ठाकुर नामक एक शराबी व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो जाती है। इसके बाद उसकी मोटरसाइकिल रहस्यमय ढंग से उसी स्थान पर पहुंच जाती है, जहां उसकी मौत हुई थी। इस घटना के बाद गांव वाले उसे भगवान का दर्जा दे देते हैं और उसकी बाइक की पूजा शुरू कर देते हैं। धीरे-धीरे यह आस्था एक नए धार्मिक कारोबार का रूप ले लेती है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म हास्य और सामाजिक व्यंग्य के माध्यम से यह दिखाने का प्रयास करती है कि किस तरह आस्था समय के साथ कारोबार का रूप ले सकती है। फेस्टिवल्स में सराहना मिलने के बाद अब इसके वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई है।

कलेक्टर ने जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

कुपोषित बच्चों की नियमित मॉनिटरिंग, शत-प्रतिशत पंजीयन और पोषण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पोषण समिति की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की परियोजनावार प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कुपोषण मुक्त जिले के लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ हासिल करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पोषण ट्रैकर एवं एमआईएस डेटा की विस्तृत समीक्षा करते हुए गंभीर कुपोषित बच्चों की स्थिति, भूख जांच, एमोक्सिसिलिन दवा की उपलब्धता, एनआरसी से डिस्चार्ज बच्चों की प्रगति तथा अति गंभीर श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित बच्चों को निर्धारित मात्रा में दवा उपलब्ध कराई जाए तथा प्रत्येक माह उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक

पैरामीटर का नियमित रिकॉर्ड रखा जाए। साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष जांच दिवस आयोजित कर आरबीएस टीम द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपार एवं आभा आईडी निर्माण, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पंजीयन, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को तत्काल सेक्टर स्तरीय बैठक आयोजित कर पोर्टल पर आवश्यक जानकारी समय पर दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को वर्ष 2021 से 2024 के बीच जन्मे बच्चों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि 3 से 6 वर्ष के सभी पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। कम प्रगति वाले सेक्टरों को चिन्हित कर वहां विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा 14 जुलाई से प्रारंभ होने वाले दस्तक अभियान के दिशा-निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि विभागीय समन्वय, सतत मॉनिटरिंग और समयबद्ध कार्रवाई के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले का कोई भी बच्चा स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक संचालक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, समस्त परियोजना अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, पर्यवेक्षक, जिला एवं ब्लॉक समन्वयक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केंद्र धमना का निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमना का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सेवाओं और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि सभी गर्भवती महिलाओं की निर्धारित समय पर चार एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दस्तक अभियान, नियमित टीकाकरण, एचआईवी एवं

सिफलिस स्क्रीनिंग, वर्षा ऋतु में होने वाली मौसमी बीमारियों की रोकथाम, एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता, आवश्यक दवाईयों का भंडारण, मानव संसाधन तथा प्रयोगशाला सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इन सभी विषयों पर चर्चा करते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के निर्देश दिए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जीआरपी ने किया बड़ा खुलासा : ट्रेन में चोरी करने वाले आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल अधीक्षक सुन्दर सिंह कनेश (भापुसे) एंव श्रीमान अति पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर श्रीमति भावना मरावी के लगातार निर्देशन एंव श्रीमान उप पुलिस अधीक्षक रेल जबपुर सुश्री अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन पर थाना क्षेत्राधिकार अंतर्गत रनिंग ट्रेनो, रेलवे स्टेशनो मे लगातार घटित हो रही चोरी की वारदातो की रोकथाम हेतु थाना प्रभारी निरी एल.पी. कश्यप एंव जीआरपी चौकी पिपरिया चौकी प्रभारी सउनि व्ही पी पासी व्दारा संयुक्त टीम गठित कर लगातार माल मुलजिम की तलाश पतारसी एंव अपराधियो की धरपकड़ की गई दौरान दिनाँक 6 जुलाई 2026 को आरोपीगण विवेक रजक, अरविंद कुचवंदिया, फारूख खान निवासी पिपरिया जिला नर्मदापुरम को दस्तयाब किया जाकर आरोपीगण से पूँछताछ की गई जिन्होने ट्रेनो मे चोरी की घटना घटित करना स्वीकार किये तथा आरोपीगण के कब्जे से कुल 6 अपराध अप क्र 218/26 धारा 305 (सी) बीएनएस एंव 66(डी) आईटी एक्ट एंव अप क्र 210/26 धारा 305 (सी) बीएनएस एंव अपराध क्रमाँक 204/26 धारा 305 (सी) बीएनएस, अप क्रमांक 107/26 धारा 305(सी) बीएनएस, अप क्रमांक 185/26 धारा 305(सी) बीएनएस, अपराध क्रमाँक 255/26 धारा 305 (सी) बीएनएस के मामलो मे चोरी गया मशरूका सोना, चाँदी जेवरात एंव 5 नग मोबाईल कुल कीमती 806500 रू का मशरूका बरामद किया गया।

जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द फसल का समर्थन मूल्य पर उपार्जन का कार्य सतत रूप से जारी

कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले के किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर उपार्जन का किया जा रहा है। जिले में पंजीकृत किसानों एवं पंजीकृत रकबे के आधार पर निर्धारित किए गए उपार्जन केन्द्रों में सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से उपार्जन का कार्य सतत रूप से जारी है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी संबंधित उपार्जन समितियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। विशेष रूप से मानसून के दौरान संभावित वर्षा को देखते हुए तिरपाल सहित सुरक्षित भंडारण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं, जिससे किसानों की उपज सुरक्षित रहे और उपार्जन प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि उपार्जित मूंग एवं उड़द का भुगतान जेआईटी पोर्टल के माध्यम से सीधे किसानों के आधार से लिंक बैंक खातों में किया जाएगा, जिससे भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध बनी रहे। ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन का कार्य निर्धारित 10 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। किसानों से अपील की गई है कि वे केवल एफएक्यू गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही मूंग एवं उड़द ही उपार्जन केन्द्रों में लेकर आएं, जिससे उपार्जन कार्य सुगमता एवं शीघ्रता से सम्पन्न हो सके और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उप संचालक कृषि ने बताया कि नरसिंहपुर के अंतर्गत श्री वृंदावन पंडा वेयर हाउस नयागांव में सेवा सहकारी समिति धमना, न्यू चौकसे वेयर हाउस सिंहपुर बड़ा में सेवा सहकारी समिति कोसमखेड़ा, एसआरजी अंश वेयर हाउस तिंदनी में सेवा सहकारी समिति बैहरपोड़ी, करेली के अंतर्गत जैन वेयर हाउस अजंसरा में सेवा सहकारी

समिति सिहोरा, श्री राधाकृष्ण वेयर हाउस कठोतिया में सेवा सहकारी समिति करेली, रेवा वेयर हाउस बासखेड़ा में सेवा सहकारी समिति सिल्हेटी, गाडरवारा के अंतर्गत मां गुर्जर वेयर हाउस 21 जमाड़ा में सेवा सहकारी समिति सीरेगांव, श्री सांई आशीष वेयर हाउस चीचली रोड में सेवा सहकारी समिति चारगांव, आर. लक्ष्मण वेयर हाउस गरधा रोड में सेवा सहकारी समिति मड़गुला, मां रेवा वेयर हाउस मिढ़वानी देवरी में सेवा सहकारी समिति तूमड़ा, गोटेगांव के अंतर्गत सांई श्रद्धा वेयर हाउस 2 गोटेगांव में सेवा सहकारी समिति उमरिया, तेंदूखेड़ा के अंतर्गत हरसिद्धी वेयर हाउस बिलहेरा में सेवा सहकारी समिति सगरी, श्री मां वेयर हाउस लोलरी में सेवा सहकारी समिति मुर्गाखेड़ा, नायक देवी प्रभा वेयर हाउस लिंगा में विपणन समिति करेली द्वारा उपार्जन का किया जा रहा है। उपार्जन का कार्य सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक संचालित होगा। कृषक अपनी उपज विक्रय के लिए निर्धारित अवधि में स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। उपार्जन की अंतिम तिथि 10 दिवस तक स्लॉट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी और बुक किए गए स्लॉट की वैधता 7 दिवस रहेगी। अद्यतन स्थिति में 4309 किसानों के द्वारा स्लॉट बुक किया गया है, जिसमें से 322 किसानों से 2343 क्विंटल उपार्जन का कार्य किया जा चुका है।

हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य केंद्र गरहा के सामने बन रहे सामुदायिक भवन के निर्माण पर लगाई रोक

करेली। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर की खंडपीठ ने जिला नरसिंहपुर के ग्राम गरहा, जनपद पंचायत चावरपाठा में उप-स्वास्थ्य केंद्र के सामने निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही न्यायालय ने राज्य शासन की ओर से उपस्थित सरकारी अधिवक्ता को मामले में संबंधित विभाग से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई पर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह जनहित याचिका अमित पेठिया द्वारा दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उप-स्वास्थ्य केंद्र के सामने

सामुदायिक भवन का निर्माण किए जाने से मरीजों के आवागमन तथा स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में गंभीर बाधा उत्पन्न होगी। याचिका में यह भी कहा गया कि निर्माण स्थल का चयन सार्वजनिक हित के विपरीत है। मामले की सुनवाई माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवं माननीय न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने की। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान न्यायालय ने निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए शासन से विस्तृत निर्देश प्राप्त करने के लिए कहा और मामले को अगली सुनवाई हेतु सूचीबद्ध किया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता बृजेन्द्र स्वरूप साहू एवं अधिवक्ता रविकांत शुक्ला ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि स्वास्थ्य केंद्र के ठीक सामने सामुदायिक भवन का निर्माण सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए गंभीर समस्या उत्पन्न करेगा। उन्होंने न्यायालय से निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की, जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए अंतरिम राहत प्रदान की।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 187 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
22	कंदेली	13/4	450 वर्गफुट	निकेत आ. प्रकाशचंद लूनावत सा. स्टेशनगंज नरसिंहपुर	निकेत आ. प्रकाशचंद लूनावत सा. स्टेशनगंज नरसिंहपुर

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 216 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
12	कंदेली	35/5 37/3 38/6	466.5 वर्गफुट 60 वर्गफुट 751.5 वर्गफुट	डॉ. राजेश कुमार, आशीष आ. श्रीराम, नेमा, श्रीमती शारदा बाई पत्नि श्यामलाल नेमा सा. कंदेली	डॉ. राजेश कुमार, आशीष आ. श्रीराम, नेमा, श्रीमती शारदा बाई पत्नि श्यामलाल नेमा सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 211 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
15	कंदेली	4/46	924 वर्गफुट	मधुर आ. रविशंकर नेमा, मयूर आ. रविशंकर नेमा सा. रामवार्ड कंदेली	मधुर आ. रविशंकर नेमा, मयूर आ. रविशंकर नेमा सा. रामवार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 180 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	18/2 20/2	340 वर्गफुट 3190 वर्गफुट	अनिल कुमार आ. राजबहादुर वर्मा सा. कंदेली	अनिल कुमार आ. राजबहादुर वर्मा सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 215 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
8	कंदेली	8/33	1600 वर्गफुट	श्रीमति चंदा पत्नि जगदीश मानसाता सा. कंदेली	श्रीमति चंद्रा पत्नि जगदीश मानसाता सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 217 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
8	कंदेली	8/34	1600 वर्गफुट	श्रीमति आरती पत्नि स्व. दीपक, राज, आस्था पिता दीपक मानसाता सा. खमतरा	श्रीमति आरती पत्नि स्व. दीपक, राज, आस्था पिता दीपक मानसाता सा. खमतरा

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषणा

रा.मा.क्र. 184 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 31/07/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
8	कंदेली	8/32	1600 वर्गफुट	श्रीमति संध्या पत्नि दिलीप मानसाता सा. कंदेली	श्रीमति संध्या पत्नि दिलीप मानसाता सा. कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

पुलिस ने 110 गुम मोबाइलों को खोजने में प्राप्त की सफलता

मोबाइल पाकर मोबाइल धारकों के खिले चेहरे, पुलिस को दिया धन्यवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले के विभिन्न थाना अंतर्गत रहने वाले नागरिकों के मोबाईल किसी न किसी कारण से कहीं गुम हो गये या गिर गये हैं, आजकल यह एक आम समस्या बनती जा रहीं हैं। ऐसे पीडित मोबाईल धारकों द्वारा कटनी सायबर सेल एवं भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल में गुम मोबाईल खोजने हेतु आवेदन पत्र दिये गये थे। जिस पर से पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में एवं अति. पुलिस अधीक्षक कटनी कमल मौर्य के मार्गदर्शन में जिले में गुम हुये मोबाईलो की शिकायतों में त्वरित कार्यवाही करने व गुम मोवाईलो को सर्च करने के निर्देश सायबर सेल कटनी को मिले थे, कार्यालय सायबर सेल द्वारा गुम मोबाईलो के आवेदनो में जिला कटनी तथा अन्य जिलो के संबंधित थाने की

मदद से कुल 110 नग मोबाईल कीमत लगभग 20,00,000/- (बीस लाख रुपये) के बरामद कर पुलिस मुख्यालय भोपाल के सेफ क्लिक 2.0 सायबर सुरक्षा अभियान के समापन के अवसर पर विभिन्न आवेदकों को उनके गुम हुए मोबाईल फोन पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा लौटाये गये। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा आमजन से गुम मोबाइल के संबंध में भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल में त्वरित रूप से आवेदन कर आईएमईआई को ब्लाक करने की अपील की है। इस पोर्टल के माध्यम से आमजन भी सीधे शिकायत दर्ज कर सकते एवं शिकायत की अद्तन स्थित ज्ञात कर सकते है। इससे आमजन के समय की बचत होगी एवं पुलिस तथा जनता के मध्य परर्शिता रहती है। उपरोक्त मोबाईल अधिकतर साप्ताहिक बाजार में लापरवाही से गिरने, भीड़-भाड़ वाले इलाकों में भूलने एवं आवागमन के समय जेब से गिरने से गुम हुए थे। साइबर टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक कटनी के निर्देशन में लगातार सर्चिंग की जा रही थी जिसके परिणामस्वरूप गुम मोबाईल प्रदेश के विभिन्न जिलो के सायबर सेल एवं पुलिस थानो की मदद से प्राप्त किये गये है। उपरोक्त मोबाईल खोजने में सायबर सेल टीम कटनी एवं संबंधित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कटनी की दिशा में नगर निगम का पौधारोपण अभियान संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित शहर के संकल्प को साकार करने की दिशा में नगर निगम कटनी द्वारा मंगलवार को महाराणा प्रताप वार्ड अंतर्गत झिंझरी तालाब के आसपास पौधरोपण अभियान संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण कर हरित वातावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक तथा क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य तुलसा गुलाब बेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने बरगद, कदंब सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का भी आधार हैं। प्रत्येक नागरिक को पौधरोपण के साथ-साथ उसकी नियमित देखभाल का दायित्व भी निभाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी एवं सुभाष साहू, पार्षद शशिकांत तिवारी, समाजसेवी राजू शर्मा, उपयंत्री मोना करेरा सहित नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी पौधरोपण कर धरा को हरा भरा बनाने हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन किया। निगम प्रशासन ने बताया कि शहर में हरित क्षेत्र के विस्तार एवं जल स्त्रोतों के आसपास प्राकृतिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आगामी समय में नगर के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण अभियान निरंतर संचालित किया जाएगा। झिंझरी तालाब परिसर में लगाए गए पौधे भविष्य में क्षेत्र की हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ जैव विविधता के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

बिजली कंपनी का ठेकेदारों पर शिकंजा

अब कार्य दूसरे को सौंपने पर होगी सख्त कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बिजली लाइन और सब-स्टेशन से जुड़े निर्माण कार्यों में अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। अब जिस पैनलबद्ध ठेकेदार के नाम पर कार्य आदेश जारी होगा, वही ठेकेदार स्वयं काम करेगा। कार्य किसी अन्य व्यक्ति, एजेंसी या ठेकेदार को सौंपने की अनुमति नहीं होगी। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में कार्य किसी अन्य व्यक्ति या एजेंसी से कराया जाना पाया गया, तो संबंधित ठेकेदार के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर कार्य आदेश निरस्त करने और संबंधित ठेकेदार को भविष्य के कार्यों से वंचित करने की कार्रवाई भी की जा सकेगी।

कंपनी के अनुसार, हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए थे, जिनमें कार्य आदेश एक ठेकेदार के नाम पर जारी हुआ, लेकिन मौके पर काम किसी अन्य व्यक्ति या एजेंसी द्वारा कराया जा रहा था। इसे नियमों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए यह निर्णय लिया गया है। नए निर्देशों के तहत अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यस्थलों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य वही अधिकृत ठेकेदार कर रहा है, जिसके नाम पर कार्य आदेश जारी किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले 35 अपराधियों को फांसी की सजा दी जाए

कटनी (स्वतंत्रमत)। वर्तमान में राजस्थान के गंगानगर में एक बहुत ही शर्मनाक घिनोना कृत्य जो कि इंसानियत और मानवता को शर्मसार करते हुए झंझोड़ने वाली आघात कर देने वाली घटना घटित हुई, जो बहुत ही हृदय विदारक और भयावह थी इसमें एक 13 वर्ष की मासूम बच्ची के साथ लगभग 35 लोगों ने 5 दिनों तक होटल में रखकर बच्ची के साथ घिनोना दुष्कर्म किया, जो कि हमारे पूरे भारत वर्ष के लिए आज तक की सबसे शर्मनाक घटना को इन दुराचारी अपराधियों ने अंजाम दिया, आज यह भारत की हर महिला हर नारी शक्ति हर मातृ शक्ति के लिए बहुत ही दर्दनाक घटना रही जो की मातृ शक्ति अपने शब्दों से बयां नहीं कर सकती वो निशब्द है, इसी घटना के विषय में बुधवार के दिन कटनी जिले के पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्कर्मा को कटनी जिले के समस्त समाज सेवी संगठनों के द्वारा भारत की राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपा गया। मुस्कान ड्रीम्स फाउंडेशन की चेयरपर्सन समाजसेवी अधिवक्ता मंजूषा गौतम के नेतृत्व में आज सभी समाज सेवी संगठनों ने पुलिस अधीक्षक से इस घिघोनी घटना की कड़ी से कड़ी निंदा करते हुए सभी ने सरकार से मांग रखी है, ऐसे दुराचारियों को कड़ी से कड़ी सजा और फांसी दी जाए। ज्ञापन सौंपने में समाजसेवी

अधिवक्ता मुस्कान ड्रीम्स फाउंडेशन की चेयर पर्सन मंजूषा गौतम, समाजसेवी रश्मि त्रिपाठी, समाजसेवी ममता गर्ग, समाजसेवी समाजसेवी शाहीन सिद्दीकी, समाज सेवी काजल पंजवानी, समाज सेवी पूजा तनवानी, समाजसेवी शैला भगत, समाज सेवी रश्मि राय, समाजसेवी रेखा विश्वकर्मा, अनुराधा विश्वकर्मा, समाजसेवी पिंकी सिंह, सामान से भी शोभना खमरिया, समाजसेवी संगीता जायसवाल, अनुराधा, समाजसेवी पूजा तोमर आदि की उपस्थिति रही।

सरकारी छात्रावासों में अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी फोकस

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के शासकीय बालिका छात्रावासों में अब छात्राओं को केवल आवासीय सुविधाएं ही नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी भी उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास, पहाड़ी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं से सीधे संवाद कर छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं, अध्ययन व्यवस्था और परीक्षा परिणामों की जानकारी ली। कक्षा 10वीं और 11वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं के साथ अन्य छात्राओं के लिए भी नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को भी बेहतर अवसर मिल सकें। सीईओ ने डिजिटल और फिजिकल लाइब्रेरी, इंटरएक्टिव पैनल, रसोई, आवासीय कक्ष, पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया तथा छात्राओं को पौधों की नियमित देखभाल के लिए प्रेरित किया।

शासकीय रास्ते से अतिक्रमण नहीं हटा, हाईकोर्ट और कलेक्टर के आदेशों के पालन पर उठे सवाल

बरही तहसील के ग्राम कनौर में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ क्षेत्र की बरही तहसील अंतर्गत ग्राम कनौर की भूमि खसरा क्रमांक 861, जो शासकीय रास्ता दर्ज है, पर कथित अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन की कार्यवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खलवारा बाजार, कैमूर निवासी तिलक राज ग्रोवर द्वारा शासकीय रास्ते की भूमि पर अतिक्रमण कर क्रेशर प्लांट एवं अन्य संरचनाएं स्थापित की गई हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन तथा सार्वजनिक उपयोग प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, इस मामले में कलेक्टर कटनी ने शासकीय रास्ते को सार्वजनिक उपयोग एवं वैकल्पिक मार्ग के रूप में सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से संबंधित

भूमि पर रखी मशीनरी एवं अन्य सामग्री हटाकर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के निर्देश दिए थे। इसके तहत तहसीलदार बरही को 3 जून 2026 तक भूमि रिक्त कराकर शासकीय कब्जा सुनिश्चित करने के लिए भी आदेशित किया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद संबंधित राजस्व अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि प्रभावशाली व्यक्तियों के दबाव के कारण प्रशासनिक आदेशों का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि मामले में हाईकोर्ट से भी अतिक्रमण हटाने संबंधी निर्देश जारी किए गए थे। इसके बावजूद यदि आदेशों का पालन नहीं हुआ है, तो यह गंभीर प्रशासनिक प्रश्न खड़ा करता है। हालांकिए इस संबंध में राजस्व विभाग अथवा संबंधित पक्ष का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त नहीं कराया गया, तो वे संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जनआंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। उनका आरोप है कि शासकीय भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण और प्रशासनिक निष्क्रियता से आम नागरिकों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। अब स्थानीय लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन हाईकोर्ट एवं कलेक्टर के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए कब और क्या कार्रवाई करता है।

अपराधों पर अंकुश लगाने कोतवाली पुलिस का विशेष अभियान

एक दर्जन चिन्हित आदतन अपराधियों की थाने में लगाई गई हाजिरी

कटनी (स्वतंत्रमत)

थाना कोतवाली क्षेत्र में चोरी, झपटमारी, लूट एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस द्वारा 07 जुलाई की रात्रि विशेष अभियान संचालित किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान के दौरान थाना क्षेत्र में निवासरत चोरी, झपटमारी एवं लूट

जैसे अपराधों में पूर्व से चिन्हित एक दर्जन आदतन अपराधियों को थाना कोतवाली बुलाकर उनकी हाजिरी दर्ज कराई गई तथा उनकी वर्तमान गतिविधियों का सत्यापन किया गया। सभी अपराधियों को भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न होने की सख्त चेतावनी दी गई। साथ ही उनका विस्तृत डोजियर तैयार कर डिजिटल रिकॉर्ड भी संधारित किया गया, ताकि उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य थाना क्षेत्र में घटित हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, विशेष रूप से रेलवे स्टेशन एवं आउटर क्षेत्रों में होने वाली मोबाइल चोरी एवं झपटमारी की वारदातों की रोकथाम करना तथा आदतन अपराधियों पर सतत निगरानी बनाए रखना है। कटनी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विशेष अभियान निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मंडी पहुंची कांग्रेस, किसानों की समस्याओं पर सरकार को घेरा

कटनी (स्वतंत्रमत)। किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कृषि उपज मंडी का दौरा कर किसानों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। किसानों ने बताया कि शासन द्वारा मात्र 25 प्रतिशत मूंग की खरीदी किए जाने से बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज बेचने से वंचित हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के बीच धान की रोपाई का कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन सबसे अधिक आवश्यक डीएपी खाद किसानों को उपलब्ध नहीं हो रही है। इसके स्थान पर अन्य प्रकार की खाद दी जा रही है, जबकि फसल की आवश्यकता के अनुरूप डीएपी और यूरिया दोनों की पर्याप्त उपलब्धता बेहद जरूरी है। खाद की कमी के कारण किसान समय पर खेती का कार्य नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही कई क्षेत्रों में पेट्रोल-डीजल की कमी से भी कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस

अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि सरकार किसानों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। जब किसान खेती के सबसे महत्वपूर्ण समय से गुजर रहे हैं, तब उन्हें डीएपी, यूरिया और पेट्रोल-डीजल जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए भटकना पड़ रहा है। सरकार तत्काल पर्याप्त मात्रा में डीएपी एवं यूरिया उपलब्ध कराए, मूंग खरीदी का प्रतिशत बढ़ाए तथा पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करे, ताकि किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि किसान देश के अन्नदाता हैं। उनके साथ किसी भी प्रकार की उपेक्षा या अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी किसानों के सम्मान, अधिकार और हितों की रक्षा के लिए सदैव उनके साथ खड़ी है। किसानों की हर जायज़ मांग को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा और यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करेगी।

महिला कांग्रेस ने श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

ट्रस्ट को आरटीआई के दायरे में लाने की उठाई माँग

कटनी (स्वतंत्रमत)

महिला कांग्रेस मध्यप्रदेश की प्रदेश महासचिव सौम्या राँधेलिया के नेतृत्व में महिला कांग्रेस की महिलाओं का प्रतिनिधि मंडल कटनी सिटी सीएसपी से मिलकर अयोध्या स्थित प्रभु श्री राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित चढ़ावे/दान राशि से संबंधित अनियमितताओं एवं बड़े पैमाने में हुई चोरी के प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग को लेकर प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, सीबीआई निदेशक, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशकों के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि इस प्रकरण से देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था एवं जनविश्वास प्रभावित हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी, विशेष रूप से सीबीआई, से कराई जाना आवश्यक है, ताकि सभी तथ्यों का निष्पक्ष

परीक्षण हो सके और यदि जांच में कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जा सके। महिला कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में यह भी मांग की है कि मंदिर के दान-पात्र, लेखा-जोखा, सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए वैज्ञानिक एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही मंदिर के वित्तीय प्रबंधन एवं दान राशि के उपयोग में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कदम उठाए जाएँ, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही संस्था को आरटीआई के दायरे में लाया जाये, वर्तमान में सरकार ने एसआईटी गठित कि है एवं कई लोगो पर मुकदमा भी पंजीबाध हुआ है, परंतु आज दिन तक पूरी चोरी का मास्टरमाइंड नहीं पकड़ा गया या कहे की उसे बचाने का सरकार प्रयास कर रही है। प्रदेश महासचिव सौम्या राँधेलिया ने कहा कि महिला कांग्रेस का उद्देश्य किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप लगाना नहीं है, बल्कि निष्पक्ष जांच के माध्यम से सत्य को सामने लाना और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित कराना है। देश भर में महिला कांग्रेस ने केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार से इस मामले में शीघ्र निर्णय लेते हुए सीबीआई जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, जिससे देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था एवं विश्वास की रक्षा हो सके। ज्ञापन के दौरान मुख्य रूप से महिला कांग्रेस से मीनाक्षी वल्लवी, हेमा शर्मा, माया चौधरी, नीरा सोनी, मनीषा सिंह, सौम्या परमार शामिल रही।

72 साल बाद विश्व कप क्वाफा में पहुंचा स्विट्ज़रलैंड

स्विट्ज़रलैंड ने अतिरिक्त समय के बाद हुए रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया को 4-3 से हराया। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड 1954 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

वैंकूवर (वार्ता)

बीसी प्लेस में 120 मिनट के खेल के बाद भी स्विट्जरलैंड और कोलंबिया की टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। इसके बाद स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल हीरो बनकर उभरे, उन्होंने क्रिस्टियन हर्नांडेज की पेनल्टी बचाई और फिर रूबेन वर्गास ने शांति से विनिंग स्पॉट-किक मारकर 4-3 से शूटआउट में टीम की जीत पक्की की। इस नतीजे के बाद अब क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड का मुकाबला अर्जेंटीना से होगा, जो कैनसस सिटी में खेला जाएगा। भले ही अंतिम स्कोर कुछ भी रहा हो, लेकिन कोलंबिया की टीम ने अधिक आक्रामक प्रदर्शन किया और बेहतर मौके बनाए, खासकर अतिरिक्त समय के दौरान। डिफेंडर जॉन लुकुमी गोल करने के सबसे करीब पहुंचे थे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। वहीं, 116वें मिनट में जॉन एरियास कैम्पाज को गोल करने का शानदार मौका मिला, लेकिन गोलकीपर कोबेल के सामने होने के बावजूद उन्होंने शॉट बार के ऊपर मार दिया। कप्तान ग्रैनिट जाका और डिफेंडर मैनुअल अकांजी की अगुवाई में स्विट्जरलैंड ने मजबूती से बचाव किया, लेकिन उन्हें गोल करने के अच्छे मौके बनाने में संघर्ष करना पड़ा, जबकि कोलंबिया ने अधिक खतरनाक हमले किए। आखिरकार मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा, जहां जुआन फर्नांडो क्विंटेरो ने कोलंबिया की पहली किक को गोल में बदला और फिर जाका ने स्विट्जरलैंड के लिए गोल किया। कोलंबिया की उम्मीदों को तब बड़ा झटका लगा जब डेविंसन सांचेज़ की पेनल्टी क्रॉसबार से टकरा गई। इसके बाद जेकी अमदौनी और कैम्पाज ने सफल स्पॉट-किक मारकर शूटआउट को बराबरी पर ला दिया। ऐसा लगा कि स्विट्जरलैंड मैच पर पकड़ बना लेगा, लेकिन अकांजी ने अपनी पेनल्टी बार के ऊपर मार दी, जिससे कोलंबिया को वापसी का मौका मिल गया। हालांकि, कोबेल ने दाईं ओर डाइव लगाकर हर्नांडेज़ का शॉट बचाकर निर्णायक पल बनाया। सेड्रिक इटेन ने स्विट्ज़रलैंड की अगली पेनल्टी को गोल में बदला और फिर लुइस डियाज़ ने शांत अंदाज़ में गोल करके कोलंबिया की उम्मीदें बनाए रखीं। शूटआउट में स्कोर 3-3 से बराबर होने पर वर्गास आगे आए और शांति से नीचे के कोने में शॉट मारकर स्विट्ज़रलैंड को अंतिम आठ में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने अपने वर्ल्ड कप इतिहास में 72 साल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका मुक़ाबला अर्जेंटीना से होगा।

फुटबॉल के जादूगर मेसी की अर्जेंटीना क्वाफा में

एटलांटा (वार्ता)। फुटबॉल के जादूगर लियोनेल मेसी की गत चैम्पियन अर्जेंटीना टीम ने मिस्र के खिलाफ दो गोल से पिछड़ने के बाद हैरतअंगेज वापसी करते हुए 13 मिनट के अंतराल में तीन गोल दागकर 3-2 से जीत हासिल करते हुए फीफा विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। अर्जेंटीना इस तरह क्वार्टर फाइनल में जाने वाली सातवीं टीम बन गई। मिस्र 2-0 की बढ़त के साथ सबसे बड़ा उलटफेर करता दिखाई दे रहा था लेकिन क्रिश्चियन रोमेरो ने 79 वें मिनट में अर्जेंटीना का पहला गोल दागा। इस गोल से जोश में आये अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मिस्र पर हमले बोले और खेल के जादूगर मेसी ने 83 वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। इंजरी समय के तीसरे मिनट में एंजो फर्नांडीज ने हेडर से तीसरा और मैच विजयी गोल दाग दिया। अर्जेंटीना के प्रशंसक अंतिम सीटी बजते ही ख़ुशी से झूम उठे। मुकाबले का पहला गोल मिस्र की तरफ से आया जब यासिर इब्राहिम ने 15वें मिनट में अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। 67वें मिनट में मुस्तफा जीको ने दूसरा गोल कर मिस्र को 2-0 से आगे ले जाने का काम किया। 78वें मिनट तक मिस्र 2-0 से आगे चल रहा था। वर्ल्ड कप जैसे दबाव भरे मैचों में गोल कर पाना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन अर्जेंटीना की उम्मीद तब जगी जब 79वें मिनट में क्रिश्चियन रोमेरो ने गोल दागा। उसके 4 मिनट बाद ही लियोनेल मेसी का वर्ल्ड कप में 21वां गोल आया। हालांकि मेसी इसी मुकाबले में पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए थे। उस वक्त माहौल ऐसा था कि पूरा मैदान सन्न रह गया था। खैर फुल-टाइम तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। इंजरी समय के तीसरे मिनट में एंजो फर्नांडिज ने अर्जेंटीना के लिए तीसरा और मैच का निर्णायक गोल किया। क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना का सामना कोलंबिया/स्विट्ज़रलैंड से होगा।

संग्राम सिंह ने पाक के आबिद अली को दी चुनौती

तिरंगा ऊंचा लहराना ही मेरा लक्ष्य

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय रेसलिंग के दिग्गज और अपराजित प्रोफेशनल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर संग्राम सिंह ने 19 जुलाई को मलेशिया के कुआलालंपुर में पाकिस्तान के आबिद अली के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित एशिया चैंपियन टाइटल मुकाबले से पहले पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा बुलंद करना है। इस मुकाबले से पूर्व आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संग्राम सिंह के साथ पीएमएमए मलेशिया के अध्यक्ष इस्माइल मरज़ुकी बिन, पीएमएमए के सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला, आयोजन समिति के सदस्य, संग्राम की कोचिंग टीम के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। भारत बनाम पाकिस्तान का यह मुकाबला पहले ही कॉम्बैट स्पोर्ट्स जगत में जबरदस्त चर्चा का विषय बन चुका है। इस मुकाबले का विजेता एशिया चैंपियन का ताज अपने नाम करेगा।

दो बार के कॉमनवेल्थ हैवीवेट रेसलिंग चैंपियन और भारत के सबसे सफल प्रोफेशनल पहलवानों में शामिल संग्राम सिंह ने प्रोफेशनल एमएमए में कदम रखने के बाद भी इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में जॉर्जिया में पाकिस्तान के अली रज़ा नासिर को मात्र 90 सेकंड में हराकर शानदार शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने नीदरलैंड्स में ट्यूनीशिया के हाकिम त्राबेल्सी और अर्जेंटीना में फ्रांस के फ्लोरियन कूडियर को हराकर अपना अपराजित 3-0 प्रोफेशनल एमएमए रिकॉर्ड कायम रखा। अर्जेंटीना में मिली जीत के साथ वह वहां प्रोफेशनल एमएमए मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय भी बने। रिंग के बाहर भी संग्राम सिंह देश की सेवा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वह युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के फिट इंडिया आइकन हैं तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत और विकसित भारत अभियान के ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए गए हैं।

नाओमी ओसाका को हराकर मुचोवा ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

लंदन (वार्ता)

कैरोलिना मुचोवा से सीधे सेटों में हार के बाद जापान की नाओमी ओसाका का विंबलडन में सफ़र खत्म हो गया। इस जीत के साथ ही चेक गणराज्य की मुचोवा ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। ऑल इंग्लैंड क्लब में मंगलवार को हुए क्वार्टरफाइनल में कैरोलिना मुचोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को 7-6, 6-4 से हराया। ओसाका ने दो दिन पहले ही दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराया था। मुचोवा का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ से होगा, जिन्होंने जेसिका पेगुला को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है

सीरीज़ बचाने की कोशिश में भारत के सामने टीम चुनने की चुनौती

ब्रिस्टल

यूके दौरे से पहले, भारत एक ऐसी टीम लग रही थी जो अपनी टी 20 वर्ल्ड कप जीत के बाद और बेहतर करने को तैयार थी। पांच मैच बाद, जिसमें आयरलैंड के खिलाफ 0-2 से टी 20 सीरीज़ हार भी शामिल है, श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज़ में 0-2 से पीछे है (पहला मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया था) और अब एक और सीरीज़ हारने के कगार पर है। भारतीय टीम अब गुरुवार को ब्रिस्टल में इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टी20 खेलने जा रही है। वे जानते हैं कि सिर्फ़ जीत ही मेज़बान टीम को साउथम्प्टन में एक मैच बाकी रहते हुए पांच मैचों की सीरीज़ जीतने से रोक सकती है। ट्रेंट ब्रिज में 125 रन की बड़ी हार ने कई कमियों को उजागर किया, जिससे हेड कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट को इस अहम मुकाबले से पहले काफी कुछ सोचने पर मजबूर होना पड़ा। हार के अंतर से ज़्यादा, पूरे दौरे के दौरान भारतीय टीम का इंग्लिश हालात के हिसाब से खुद को न ढाल पाना चिंता का विषय बना हुआ है। सबसे बड़ी चर्चा टीम कॉम्बिनेशन को लेकर है, जिसमें संजू सैमसन को बाहर रखने का मुद्दा छाया हुआ है। विकेटकीपर-बल्लेबाज़, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, उन्हें दूसरे और तीसरे टी20 से बाहर रखा गया क्योंकि टीम मैनेजमेंट ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल डेब्यू का मौका देने का फैसला किया। खिलाड़ी ने कुछ अच्छी झलकियां दिखाई हैं लेकिन भारत के बाकी बल्लेबाज़ों की तरह वह भी कोई बड़ा असर नहीं डाल पाए हैं। सीरीज़ दांव पर लगी होने के कारण, गंभीर ने सैमसन की वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया है, जिससे प्लेइंग 11 में बदलाव की उम्मीद बढ़ गई है।

सिनर और जोकोविच के बीच होगी विंबलडन के सेफा में भिड़ंत

लंदन (वार्ता) टेनिस जगत के दो दिग्गज यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच लगातार दूसरे साल विंबलडन 2026 के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। सेंटर कोर्ट पर दो स्टार के बीच होने वाले मुकाबले से यह तय होगा कि रविवार (12 जुलाई) को चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला कौन खेलेगा। दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी और इटली के स्टार सिनर ने मंगलवार को अपने क्वार्टर-फ़ाइनल मैच में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ़ को सीधे सेटों में हराया, जबकि जोकोविच ने अंतिम आठ के मुक़ाबले में तीसरे सीड फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को पांच सेटों और पांच घंटे चले रोमांचक मैच में हराया।

मारुति सुज़ुकी ने खरखौदा प्लांट में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शुरू की

नयी दिल्ली (वार्ता)

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड ने हरित ऊर्जा पारितंत्र को सुदृढ़ करने के लिए बुधवार को अपने खरखौदा विनिर्माण संयंत्र में एक मेगावाट ऑवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) शुरू करने की घोषणा की। मारुति सुज़ुकी ने वर्ष 2025 में खरखौदा संयंत्र में 20 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजाना लगायी थी। संयंत्र में छुट्टी वाले दिनों में भी सौर ऊर्जा से बिजली बनती रहती है, हालांकि, उत्पादन न होने के कारण इसका उपयोग नहीं हो पाता है। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली इस समस्या का समाधान करता है। बीईएसएस कम मांग वाले समय में या छुट्टी के दिनों में बनी अतिरिक्त बिजली को स्टोर करता है और आवश्यकता पड़ने पर इसे उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, यह ग्रिड की स्थिरता को बेहतर बनाने में भी मदद करेगा। एक पायलट पहल के रूप में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली को खरखौदा संयंत्र के आंतरिक बिजली वितरण नेटवर्क से जोड़ा गया है। मारुति सुज़ुकी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउचि ने कहा, मारुति सुज़ुकी देश के आत्मनिर्भर ऊर्जा पारितंत्र निर्माण के लक्ष्य के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है। इसी लक्ष्य की पूर्ति के लिए हमारे खरखौदा संयंत्र में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली लगायी गयी है। 15 साल के जीवनचक्र के साथ बीईएसएस हर साल लगभग 54 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा। इसके बावजूद कंपनी विनिर्माण में कार्बन डाई-ऑक्साइड के सकल स्तर के मामले में भी स्कोप-1 और 2 उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट ने पेश किया कोटक निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ

मुंबई (वार्ता)

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने बुधवार को कोटक निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड निवेश कोष) शुरू करने की घोषणा की है निवेशकों का पैसा प्राइवेट बैंक इंडेक्स निफ्टी 500 में शामिल देश के 10 प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में लगाएगा। कंपनी की बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कोटक निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ एक ओपन-एंडेड ईटीएफ योजना है। यह न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) निवेशकों के लिए आज से 15 जुलाई तक खुला रहेगा। इस कोष से निवेशकों के इन बैंकों का चयन उनके बाजार में खरीदे-बेचे जाने वाले शेयरों के बाजार पूंजीकरण के आधार पर किया जाता है। इस एनएफओ के शुरू किये जाने पर कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक निलेश शाह ने कहा, कोटक निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ निवेशकों को भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों की विकास यात्रा में भागीदारी का सरल और किफायती अवसर प्रदान करता है। यह नियम-आधारित निवेश पद्धति के माध्यम से वित्तीय क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण हिस्से में विविधीकृत निवेश का अवसर देता है। कंपनी के फंड मैनेजर सतीश डोंडापट्टी ने कहा, कोटक निफ्टी प्राइवेट बैंक ईटीएफ को इस तरह तैयार किया गया है कि यह निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करे। यह ईटीएफ निवेशकों को निजी बैंकिंग क्षेत्र की दीर्घकालिक विकास क्षमता में भागीदारी के लिए एक पारदर्शी और पैसिव निवेश रणनीति उपलब्ध कराता है। इस बीच कंपनी ने कहा कि कोटक म्यूचुअल फंड बिजनेस साइकिल फंड ने पिछले 12 महीनों में 6 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

कच्चे तेल में तेजी से रुपया 52 पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण कच्चे तेल में तेजी से बुधवार को रुपये में बड़ी गिरावट देखी गयी। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में आज भारतीय मुद्रा 52 पैसे टूट गयी और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.48 रुपये का बोला गया। यह 11 जून के बाद का इसका निचला स्तर है। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 47 पैसे की मजबूती के साथ 94.96 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज छह प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ और 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। इससे रुपये पर दबाव रहा। रुपया आज 19 पैसे गिरकर 95.15 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सुबह के कारोबार में यह ऊपर 94.98 रुपये प्रति डॉलर तक गया लेकिन बाद में टूटते हुए 95.61 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया। अंत में 95.48 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध रूप से आज 29.1 करोड़ डॉलर का निवेश किया। इससे रुपये को समर्थन मिला और इसकी गिरावट सीमित रही।

ईरान पर अमेरिका के हमले से शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जबरदस्त गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक दो प्रतिशत से ज्यादा टूट गये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,677.12 अंक (2.15 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,503.60 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 516.65 अंक यानी 2.12 प्रतिशत टूटकर 23,882.05 अंक पर आ गया। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 30 जून का बाद का निचला बंद स्तर है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान पर फिर हमले किये। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ अंतरिम शांति समझौता समाप्त होने की घोषणा की है। इससे बाजार में निवेश धारणा कमजोर हुई। निवेशकों ने इक्विटी में जोखिम उठाने से परहेज किया। तनाव बढ़ने के बाद कच्चा तेल छह प्रतिशत से अधिक चढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। साथ ही दुनिया भर के लगभग सभी प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट रही। घरेलू स्तर पर वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.45 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.24 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। वहीं, बाजार में उथल-पुथल के स्तर को दिखाने वाला इंडिया वीआईएक्स सूचकांक 24.85 पर पहुंच गया। चौतरफा बिकवाली के बीच तेल एवं गैस, ऑटो, वित्त, बैंकिंग, एफएमसीजी, मीडिया, रसायन और सीमेंट सेक्टरों के सूचकांक दो से ढाई प्रतिशत तक गिर गये। आईटी, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और स्वास्थ्य समूहों में एक से दो प्रतिशत तक गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,411 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,631 के शेयर लाल निशान में और 698 के हरे निशान में रहे। अन्य 82 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स में सभी 30 कंपनियों के शेयर नीचे रहे। इंडिगो का शेयर सबसे अधिक 5.02 प्रतिशत गिर गया। मारुति सुजुकी का शेयर 4.11 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 3.36, बजाज फाइनेंस का 3.07, कोटक महिंद्रा बैंक का 2.93, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.85, आईटीसी का 2.82, बीईएल का 2.70 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 2.54 प्रतिशत लुढ़क गया। एशियन पेंट्स में 2.49 प्रतिशत, एलएंडटी में 2.41, आईसीआईसीआई बैंक में 2.36, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.35, एचडीएफसी बैंक में 2.27, अडानी पोर्ट्स में 2.26 और एक्सिस बैंक में 2.17 प्रतिशत की गिरावट रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 1.98 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक का 1.90, भारती एयरटेल का 1.82, टीसीएस का 1.78, बजाज फिनसर्व का 1.64, एनटीपीसी का 1.48, पावरग्रिड का 1.44, टेक महिंद्रा का 1.20 और इटरनल का एक प्रतिशत फिसल गया। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 2.11 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.49 फीसदी टूट गया। हांगकांग का हैंग सेंग 2.99 प्रतिशत की बढ़त में रहा। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 1.73 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.96 प्रतिशत नीचे था।

मप्र का इंडस्ट्रियल ग्रोथ इंजन है पीथमपुर, हम यहां बना रहे मेक इन एमपी का इको-सिस्टम : डॉ. यादव

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ढाई साल में सभी लक्ष्य हासिल करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने लिउगोंग इंडिया कंपनी के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का किया उद्घाटन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेक इन इंडिया स्कीम मध्यप्रदेश के लिए एक लक्ष्य की तरह है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार अगले ढाई सालों में अपने सभी लक्ष्य हासिल करेगी। हमारी सरकार ने देश में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए प्रोत्साहन के सभी द्वार खोल दिए हैं। पीथमपुर प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है। मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी अन्तर्गत इन्वेस्टर्स को दिए जा रहे इंसेंटिव्स को धरातल पर उतारने में पीथमपुर का बड़ा योगदान है। प्रदेश में अधिक से अधिक निवेशक आयें, इसके लिए हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं। हम पीथमपुर में मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी के लिए एक पूरा सपोर्टिंग इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पीथमपुर को भावी आवश्यकताओं के अनुरूप ग्रीन इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग तथा वैश्विक निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। हम यहां ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रानिक्स, इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिल्स और टेक्सटाइल से लेकर टेक्नोलॉजी तक की पूरी चेन तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लिउगोंग इंडिया कंपनी के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट उदघाटन समारोह में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां लिउगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की मौजूदा उत्पादन ईकाई के विस्तारित कार्य का उद्घाटन किया। लिउगोंग कंपनी द्वारा यहां अपनी मौजूदा उत्पादन इकाई में 272 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश कर नए प्रोडक्शन प्लांट की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लिउगोंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड के प्रेसीडेंट (चेयरमैन) झेंग ज़िन ने पुष्प गुछ भेंट कर स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह केवल अनाउंसमेंट करने वाली नहीं, धरातल पर डेवलपमेंट लाने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि पीथमपुर मध्यप्रदेश का ही नहीं, पूरे देश का मैन्युफैक्चरिंग गेटवे बन चुका है। एक माह में पीथमपुर में

दूसरी बड़ी वैश्विक कंपनी द्वारा नई औद्योगिक इकाई की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश पर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने लिउगोंग समूह और सभी कंपनी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह नई इकाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड संकल्प को मध्यप्रदेश की धरती से एक नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में इन दिनों वर्षा के साथ-साथ हर दिन नई-नई सौगातों की भी बारिश हो रही है। मात्र 10 दिनों में प्रदेश में 5 ऐतिहासिक औद्योगिक आयोजन हुए हैं, जो यहां हो रहे औद्योगिक विकास की नई तस्वीर दिखा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में बीते 2 वर्षों में ही करीब 10 हजार करोड़ रूपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के यह आंकड़े विरोधी दलों को जवाब है। लिउगोंग कंपनी ने अपनी प्रोडक्शन यूनिट के विस्तार के लिए भी पीथमपुर को ही चुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि लिउगोंग कंपनी दुनिया के सबसे बड़े हैवी अर्थ मूवर्स प्रोड्यूसर्स में से एक है। लगभग 2 दशकों से पीथमपुर में कार्यरत लिउगोंग की इस नई उत्पादन इकाई से कंपनी की वार्षिक उत्पादन क्षमता 3,250 मशीनों से बढ़कर 7,500 मशीनों तक पहुंच जाएगी। इस विस्तार से 600 प्रत्यक्ष तथा सहायक उद्योगों एवं सप्लाई चेन के माध्यम से 5,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस प्लांट में उत्पादन प्रारंभ होते ही भारतीय उद्योगों से लिए जाने वाले कंपोनेंट्स में कंपनी की हिस्सेदारी भी 40 प्रतिशत से बढ़कर अब 60 प्रतिशत हो जाएगी, जिससे प्रदेश के एमएसएमई, इंजीनियरिंग और ऑटो कंपोनेंट उद्योगों को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में ही मध्यप्रदेश को 76 हजार 862 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेशों से 82 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला। इसमें नर्मदापुरम में सबसे अधिक 11 हजार 500 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। पिछले छह महीने में ही मप्र में 41 हजार 950 करोड़ के निवेश से जुड़ी 166 नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इन इकाइयों के बनने से लगभग 50 हजार नए रोजगार सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पीथमपुर ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री का भी प्रमुख केंद्र है। यहां लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए का निवेश आया है और 4 से 5 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पिछले साल सितंबर में धार में ही देश के पहले पीएम मित्र पार्क की नींव रखी थी। टेक्सटाइल सेक्टर का यह पीएम मित्र पार्क मालवा और निमाड़ क्षेत्र के कपास उत्पादक किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकास यात्रा में पीथमपुर से शुरू हो रही यह यूनिट नया अध्याय लिखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राय सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया। प्रदेश में पहली बार जिला और संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) आयोजित की गई। नए भारत में मध्यप्रदेश भी निरन्तर प्रगति कर रहा है। जीआईएस 2025 में मध्यप्रदेश में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव मिले थे, जिसके 10 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर नजर आने लगा है। उन्होंने कहा कि राय में विदेशी निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, इंग्लैंड, जापान और जर्मनी जैसे बड़े से बड़े देश आज मध्यप्रदेश में निवेश करना चाहते हैं।

तकनीक के प्रभावी उपयोग से नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं : शुक्ल

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की प्रगति की समीक्षा की

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत संचालित प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर तक रहने वाले प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से नागरिकों को बेहतर, त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा आभा आईडी, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री और हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री के माध्यम से डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत किया जाए। बैठक में सीईओ आयुष्मान श्री अरविंद कुमार शाह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश में एकीकृत एवं परस्पर जुड़ा हुआ डिजिटल स्वास्थ्य इको सिस्टम विकसित करना है। इसके माध्यम से नागरिकों को विशिष्ट डिजिटल स्वास्थ्य पहचान आभा आईडी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से प्राप्त एवं साझा कर सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों, चिकित्सकों, नर्सों, आयुष चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का पंजीयन तेजी से कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में डिजिटल सेवाओं के उपयोग को बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से मरीज, चिकित्सक, प्रयोगशाला, फार्मेसी, अस्पताल और बीमा सेवाओं के बीच स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का सुरक्षित एवं निर्बाध आदान-प्रदान संभव होगा। इससे उपचार की निरंतरता, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्कूलों एवं फुटकर किराना दुकानों का औचक निरीक्षण किया

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशो के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा ग्राम अभाना में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए मध्यान्ह भोजन योजनान्तर्गत तैयार भोजन आलू बैंगन सब्जी खीर एवं पुड़ी के नमूनें जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण की कार्यवाही में अभाना में शासकीय प्राथमिक शाला, शासकीय प्राथमिक बालक शाला एवं शासकीय माध्यमिक कन्या शाला में राधा कृष्ण स्वसहायता समूह, साईं राम स्वसहायता समूह एवं जय गायत्री स्वसहायता समूह द्वारा स्कूली बचों को प्रदाय किए गए मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई। मध्यान्ह भोजन

रसोई घर में किचिन एरिया, स्टोरेज एरिया में पर्याप्त स्वछता पाई गई। निरीक्षण के दौरान कार्यरत कर्मचारियों को एप्रन, हेड कवर का उपयोग करने एवं वार्षिक मेडिकल परीक्षण प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह ग्राम अभाना में राम मंदिर के सामने स्थित अशोक किराना स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। मौके पर परिसर में संग्रहित टुडे ब्रांड गाय का घी के नमूने जांच हेतु लिए गए। उक्त खाद्य पदार्थों के नमूनों को जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

दमोह में अभी तक 9.7 इंच औसत वर्षा दर्ज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 246.9 मिमी अर्थात 9.7 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है जो अभी तक गत वर्ष से 175 मिमी अर्थात 6.9 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 421.9 मिमी अर्थात १६.६ इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे यादा वर्षा पटेरा में 385.4 मिमी दर्ज की गई है। भू अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 207 मिमी, हटा 269.4 मिमी जबेरा में 215 मिमी पथरिया 343 मिमी, तेन्दूखेड़ा 192.6 मिमी, बटियागढ़ 116 मिमी तथा पटेरा में 385.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। दैनिक वर्षा के तहत जिले में 21.4 मिमी अर्थात 0.8 इंच वर्षा दर्ज की गई है।

सरदार सरोवर में डूबी प्रदेश की संपत्तियों का मुआवजा कहां?

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने सरदार सरोवर परियोजना में मध्य प्रदेश के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर मध्य प्रदेश की 178 गांवों की शासकीय भूमि, वन क्षेत्र, खनिज संपदाएं तथा अन्य सरकारी परिसंपत्तियां डूब गईं और दूसरी ओर उनका समुचित प्रतिकर भी आज तक प्रदेश को प्राप्त नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने इन डूबी हुई शासकीय परिसंपत्तियों का मूल्यांकन कर गुजरात सरकार के समक्ष लगभग 7,600 करोड़ का दावा प्रस्तुत किया था।

यह कोई राजनीतिक आंकड़ा नहीं, बल्कि स्वयं राय सरकार द्वारा तैयार किया गया आधिकारिक दावा था। इसलिए अब यह जानना जनता का अधिकार है कि उस दावे का क्या हुआ उसकी वसूली के लिए सरकार ने कितनी गंभीरता से पैरवी की कितनी बैठकें हुईं उनका परिणाम क्या रहा और आज उस दावे की वर्तमान स्थिति क्या है गुप्ता ने कहा कि यदि दावा सही था तो सरकार उसे वसूल क्यों नहीं सकी और यदि दावा गलत था, तो प्रदेश की जनता को भ्रमित क्यों किया गया आखिर इतने बड़े वित्तीय दावे का आधार क्या था और उसके लिए कौन जिम्मेदार था उन्होंने कहा कि नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के निर्णय के अनुसार विस्थापित परिवारों के पुनर्वास की जिम्मेदारियां भी स्पष्ट रूप से निर्धारित थीं। हजारों आदिवासी परिवार गुजरात में पुनर्वास के बाद कठिन परिस्थितियों, असुविधाओं और उपेक्षा के कारण वापस मध्य प्रदेश लौट आए। सरकार को किसी भी अंतिम निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले तत्कालीन कलेक्टर जे.एस. माथुर की रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए, जो नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी के अभिलेखों में उपलब्ध बताई जाती है। यदि उस रिपोर्ट में पुनर्वास संबंधी गंभीर कमियां दर्ज हैं, तो उन्हें भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए। भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि यदि आज ऐसी स्थिति बन रही है कि मध्य प्रदेश अपने हजारों करोड़ रुपये के दावे की प्रभावी पैरवी भी नहीं कर पाया और उल्टे परियोजना से जुड़े भुगतान की चर्चा होने लगी, तो यह प्रदेश के हितों की रक्षा में गंभीर विफलता का संकेत है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या मध्य प्रदेश के वैध हितों की पर्याप्त मजबूती से पैरवी की गई, अथवा गुजरात के दबाव के सामने प्रदेश का पक्ष कमजोर पड़ गया उन्होंने कहा कि यह केवल पैसों का मामला नहीं है। यह मध्य प्रदेश के अधिकार, उसकी प्राकृतिक संपदा, आदिवासी समाज और प्रदेश के स्वाभिमान का प्रश्न है। सरकार तत्काल इस पूरे प्रकरण पर श्वेतपत्र जारी करे और बताए कि 7,600 करोड़ के दावे की वर्तमान स्थिति क्या है।

महिला जैन मिलन नगर शाखा की मासिक बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जैन मिलन के अंतर्गत महिला जैन मिलन नगर शाखा क्षेत्र क्रमांक 10 दमोह की जुलाई माह की मासिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक की मेजबानी शाखा की सक्रिय सदस्यश्वेता जैन द्वारा की गई। बैठक का शुभारंभ पारंपरिक रूप से महावीर प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण विचार विमर्श सत्र का आयोजन किया गया। बैठक में 10 तारीख को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय/क्षेत्रीय जूम मीटिंग पर चर्चा की गई तथा उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा सभी सदस्यों को इस डिजिटल बैठक में अनिवार्य रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शाखा द्वारा शीघ्र ही एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दूसरे सत्र में मेजबान वीरांगना श्वेता जैन द्वारा उपस्थित सदस्यों के लिए कुछ मनोरंजक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम एवं खेल आयोजित किए गए। विजेताओं और प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन हुआ।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वनकर्मी पर हमले के मामले में बाघ शावक की पहचान

दोनों घटनाओं के बाघ अलग-अलग कैमरा ट्रैप और गश्ती दल की जांच में हुआ खुलासा

दमोह (स्वतंत्र मत)। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के मोहली परिक्षेत्र में 5 जुलाई को गश्त के दौरान वनकर्मी पर हुए बाघ के हमले की जांच में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। वन विभाग ने घटनास्थल पर सघन गश्त एवं कैमरा ट्रैप रिकॉर्ड के आधार पर एक बाघ शावक की पहचान की है। वनमण्डलाधिकारी ने बताया 5 जुलाई को गश्त के दौरान दो वनकर्मी एक बाघ के

अत्यंत निकट पहुंच गए थे। इस दौरान हुए हमले में श्रमिक बाबूलाल रैकवार के पैरों में गंभीर चोटें आई थीं। घटना के बाद हाथियों की सहायता से घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्र में लगातार गश्त कराई गई। उन्होंने बताया 7 जुलाई की सुबह गश्ती दल को घटनास्थल के समीप एक बाघ शावक दिखाई दिया। नवंबर माह में कैमरा ट्रैपिंग के दौरान भी इसी शावक की तस्वीर दर्ज हुई थी। उस समय उसकी आयु 9 से 12 माह आंकी गई थी जबकि वर्तमान में उसकी आयु लगभग 15 से 18 माह होने का अनुमान है। वनकर्मियों ने भी बताया घटना के दिन जिस बाघ के पदचिह्नों का वे पीछा कर रहे थेए वे आकार में अपेक्षाकृत छोटे थे। इस आधार पर संभावना व्यक्त की जा रही है कि वनकर्मी पर हमला इसी बाघ शावक ने किया था। वनमण्डलाधिकारी ने बताया कुछ दिन पूर्व पटना मोहली ग्राम में एक ग्रामीण पर हुए बाघ के हमले और वनकर्मी पर हुए हमले को लेकर सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से एक ही बाघ के शामिल होने की भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही थी।

उन्होंने बताया नवंबर 2025 की अखिल भारतीय बाघ गणना के दौरान प्राप्त कैमरा ट्रैप चित्रों का मिलान करने के बाद स्पष्ट किया है कि दोनों घटनाओं में शामिल बाघ अलग-अलग हैं।

मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

दमोह (स्वतंत्र मत)। कुण्डलपुर में आर्यिकारत्न चिंतनमति माता ससंघ के सानिध्य में जैनधर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्षकल्याणक महोत्सव 8जुलाई को धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर प्रातः भक्तामर महामंडल विधानए बड़े बाबा का अभिषेक, शांतिधारा, ऋद्धि कलश, पूजन, विधान कर भावपूर्वक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। प्रचार मंत्री जयकुमार जलज ने बताया कि प्रथम अभिषेक, ऋद्धि कलश, शांतिधारा आदि करने का सौभाग्य श्रेष्ठी रमेशचंद्र कपिल अर्हम चंपावत, शुभम सुनील प्राची सुनीता डबुल्या, प्रवीण जैन,

राकेश, सूर्यांश अभिषेक जैन, रजत अखिल सक्षम सचिन जैन, आशा देवी दीपशिखा अंश लोकेश सिंघई, स्वरूप प्रकाशचंद पिण्डारमैया, प्रकाशचंद प्रबल जैन, मानिकचंद चैना मनीष सपना, सुनील आर्यन, पारस गांधी, अभिनव प्रदीप दिवाकर, प्रमोद पारुल प्रांजल जैन आदि श्रद्धालुओं ने सौभाग्य प्राप्त किया। सायंकाल भक्तामर दीप अर्चना एवं बड़े बाबा की महाआरती हुई।

पासपोर्ट सत्यापन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

आमजन को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध कराने तथा पुलिस सत्यापन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संभाग स्तर पर पुलिस प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम मेंअतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुप्तवार्ता ए.साई मनोहर के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था तरूण नायक के निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में पहली बार इंदौर संभाग स्तरीय पुलिस प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें

पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया से जुड़े पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तकनीकी एवं प्रक्रियागत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में पुलिस उपायुक्त (आसूचना/सुरक्षा) अमन सिंह राठौड़, पुलिस मुख्यालय भोपाल की सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) रश्मि मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (आसूचना) श्रीमती प्रियंका डुडवे, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भोपाल एवं इंदौर तथा टीसीएस की तकनीकी टीम के प्रतिनिधि, इंदौर संभाग के सभी आठ जिलों-इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी एवं बुरहानपुर के पासपोर्ट सत्यापन कार्य से जुड़े पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षण में शामिल हुए, जबकि संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन/भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक **MIG A-69** श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव पति श्री अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 29.12.2001 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव पति श्री अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 06.12.2008 के माध्यम से श्री राकेश कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री जागेश्वर प्रसाद मिश्रा एवं श्रीमती अंजू मिश्रा पति श्री राकेश कुमार मिश्रा को विक्रय किया है। श्री राकेश कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री जागेश्वर प्रसाद मिश्रा एवं श्रीमती अंजू मिश्रा पति श्री राकेश कुमार मिश्रा द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/10
दिनांक 08/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री हिमांशु केशरवानी उर्फ बिल्लू (2) श्री सत्यम केशरवानी उर्फ गोलू दोनों के पिता अशोक केशरवानी ने भवन क्रं. 07 वार्ड महात्मा गाँधी क्षेत्रफल 323 व.फु. भूतल 323 व्या. प्रथम तल 200 आ. शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 07 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री रामेश्वर राव गायकवाड हजारी लाल पिन नं. 1000368016/41300025 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/37
दिनांक 08/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति राजकुमारी मोटवानी/स्व. श्री लुद्धाराम मोटवानी पुत्री जयंती छाबड़ा एवं पुत्र नरेन्द्र कु. दोनों के पिता स्व. लुद्धाराम मोटवानी ने भवन क्रं. 791 वार्ड महात्मा गाँधी क्षेत्रफल 1267 व.फु. भूतल 1026 व्या. प्रथम तल 1026 आ. द्वितीय तल 1026 आ. शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं.... पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री लधाराम पिता टीकमदास पिन नं. 1000369087/41301040 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 05 नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 05/2026-27/28
दिनांक 08/07/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रूबी जैन पति विनोद कुमार जैन ने भवन क्रं. 953/1 वार्ड महात्मा गाँधी क्षेत्रफल 750 व.फु. भूतल 750 प्लाट विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 953/1 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्रीमति मालती जैन पति अतीश कु. जैन पिन नं. 1000369220/41301384 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथी से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

शपथ पत्र

मैं, बिलकीश बानों (आयु 65 वर्ष) पिता स्व. श्री मोहम्मद खलील निवासी म.नं. हुसैनिया मस्जिद वार्ड नं. 41. संजय गाधी आधारताल, जिला जबलपुर म.प्र. 482004 अधारकार्ड नं. 2204 8195 5132 मो 9302007031 मैं शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता/करती हूँ कि- 1. यह कि, मेरे पासपोर्ट के (N7403421) में मेरा नाम बिलकीश बानों (**Bilikis Bano**) व मेरे पिता का स्व. श्री खलीख अहमद (**Khalil Ahmad**) दर्ज है, जो कि त्रुटि पूर्ण गलत है। मेरा पूरा व सही नाम बिलकीश बानों (**Bilkeesh Bano**) व मेरे पिता का स्व. श्री मोहम्मद खलीख (**Mohammad Khaleel**) है, जो कि मेरे आधारकार्ड में भी दर्ज है। 2. यह कि, जिसकी छायाप्रति मै इस पत्र के साथ संलग्न कर रहा हूँ मेरे उक्त पासपोर्ट में मेरा सही नाम बिलकीश बानों (**Bilkeesh Bano**) व मेरे पिता का स्व. श्री मोहम्मद खलीख (**Mohammad Khaleel**) दर्ज कर लिखा व पढ़ा जाये। जो कि सत्य व सही है। 3. यह कि, मेरे यह दोनों ही नाम बिलकीश बानों (**Bilkeesh Bano**) एवं गलत नाम बिलकीश बानों (**Bilikis Bano**) एक ही व्यक्ति के नाम है तथा मेरे स्वयं के नाम है। 4.यह कि, इस वास्ते यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

दिनांक 08/07/2026 स्थान-जबलपुर

शपथकर्ता
बिलकीश बानो

▶▶ रेल यात्रियों को राहत, 30 सितंबर तक चलेगी ट्रेन

पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन की अवधि बढ़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01449/01450 के फेरे बढ़ाने का फैसला लिया है। अब यह ट्रेन 30 सितंबर तक अपनी सेवाएं देती रहेगी। इस विस्तार से इटारसी, जबलपुर, कटनी और सतना स्टेशनों से यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को सीधा लाभ और सहूलियत मिलेगी। गाड़ी संख्या 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन16 जुलाई से 28 सितंबर तक प्रतिदिन पुणे स्टेशन से शाम 15:40 बजे रवाना होगी। अपनी यात्रा के दौरान यह ट्रेन इटारसी 5:40 बजे, जबलपुर 9:05 बजे, कटनी 10:30 बजे और सतना 12:55 बजे होते हुए तीसरे दिन तड़के 2:45 बजे दानापुर पहुंचेगी।

▶▶ अनियमितताएं पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी

स्वच्छ और हरित शहर का संकल्प

जबलपुर । 'स्वच्छ, हरित और उज्जवल भारत की ओर' विषय पर आयोजित विशेष कार्यशाला में 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026' की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने बताया की सड़कों पर कचरा फेंकने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब कानूनी तौर पर सीधी चालानी कार्रवाई की जाएगी। कार्यशाला के दौरान पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नियमों की बारीकियों से अवगत कराया गया। इन नियमों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए हर वार्ड स्तर पर विशेष स्वच्छता समितियों का गठन किया जाएगा।

गोल्ड मेडलिस्ट व मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

हितकारिणी डेंटल कॉलेज के ग्रेजुएशन डे में गूंजा मानव सेवा का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सेठ गोविंददास सभागार, शहीद स्मारक में हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल का ग्रेजुएशन डे समारोह बुधवार शाम उत्साह, गरिमा और भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद जब नवस्नातक विद्यार्थियों ने पारंपरिक शैक्षणिक परिधान में मंच पर डिग्रियां प्राप्त कीं तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। समारोह में विद्यार्थियों को केवल डिग्रियां ही नहीं, बल्कि सेवा, नैतिकता और मानवीय मूल्यों के साथ समाज की सेवा करने का संकल्प भी दिलाया गया।

दंत चिकित्सा संवेदनशीलता का प्रतीक

मुख्य अतिथि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान, जबलपुर के डायरेक्टर डॉ. प्रवीण के. भारती ने कहा कि दंत चिकित्सा केवल दांतों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति सेवा, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का सशक्त माध्यम है। एक सफल दंत चिकित्सक अपने ज्ञान, व्यवहार और समर्पण से मरीजों के चेहरे पर मुस्कान लौटाने के साथ उनके आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता को भी नई पहचान देता है। विशिष्ट अतिथि नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र चुनौतियों से भरा है, इसलिए धैर्य, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं के साथ प्रत्येक जिम्मेदारी का निर्वहन करना ही एक चिकित्सक की वास्तविक पहचान है।

टॉपर्स को मिला सम्मान

समारोह में विश्वविद्यालय की टॉपर डॉ. अंशिता सिंघई एवं डॉ. दिशा हिरानी को गोल्ड मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मिहिका चतुर्वेदी को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्टूडेंट ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया।

इसी कड़ी में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की दंत चिकित्सक परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, साथ ही महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं प्रोस्थोडॉन्टिस्ट डॉ. प्रतीक मिश्रा का भी विशेष सम्मान किया गया।

समारोह के अंत में डीन डॉ. रोहित मिश्रा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में डॉ. सोनालिका घाटे, डॉ. वर्षा चौबे तथा डॉ. तन्वी तिवारी पुंज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जीवन में संतुलन के साथ सकारात्मकता अपनाएं

हितकारिणी सभा के सचिव बाबू विश्वमोहन ने भावी दंत चिकित्सों को कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने की कोशिश करनी चाहिए। संतुलन, प्रसन्नता और सकारात्मक सोच बनाए रखने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार और मानवीय गुण ही व्यक्ति को श्रेष्ठ चिकित्सक बनाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे सुगम इलाज

महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरावाणी ने कहा कि डिजिटल डेंटिस्ट्री, आधुनिक तकनीक और निरंतर अनुसंधान ने दंत चिकित्सा के क्षेत्र में असीम संभावनाएं पैदा की हैं। शहरी क्षेत्रों में तो इलाज आसानी से उपलब्ध हो जाता है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सुगम चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि बदलते समय के साथ स्वयं को निरंतर अपडेट रखें। हितकारिणी सभा की सभापति सनुयना पटेरिया ने ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सहज भाव से सेवा करना ही आपकी पहचान होनी चाहिए।

मायानगरी में फैली संस्कारधानी के रतन की चमक

> 'कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। आपकी कला और उसे पूरी शिद्दत से करने का जज्बा ही आपको मंजिल तक पहुंचाता है। मैंने अपनी शुरुआत बहुत जमीनी स्तर से की थी, और आज मैं जो कुछ भी हूँ, अपनी मेहनत और काम के प्रति सम्मान की वजह से हूँ।'
>
> — रतन सूर्यवंशी
> आर्ट डायरेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कहते हैं कि कला और हुनर किसी पहचान के मोहताज नहीं होते, बस उन्हें सही दिशा और कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। इस बात को सच कर दिखाया है संस्कारधानी जबलपुर निवासी चंन्द्रलाल सूर्यवंशी के सुपुत्र रतन सूर्यवंशी ने। मुंबई की मायानगरी में अपनी कला का लोहा मनवाते हुए रतन आज फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के एक प्रतिष्ठित आर्ट डायरेक्टर के रूप में स्थापित हो चुके हैं। रतन सूर्यवंशी अब तक 18 फिल्मों, 10 टीवी सीरियल्स और 5 वेब सीरीज में शानदार आर्ट डायरेक्शन कर अपनी एक खास पहचान बना चुके हैं। उनके द्वारा तैयार किए गए सेट्स और विजुअल्स को इंडस्ट्री में काफी सराहा जा रहा है। मशहूर सीरियल निर्माता अजीत पटनायक के सानिध्य में 'आहट', 'सीआईडी', 'रिश्ते' आदि सीरियल्स में आर्ट डायरेक्शन करते हुये 'क्राइम पेट्रोल' से स्वयं का निर्देशन शुरू किया और धीरे-धीरे छोटे पर्दे से बड़े पर्दे यानि फिल्मों में आर्ट डायरेक्शन करने लगे। इसकी शुरुआत रतन सूर्यवंशी ने फिल्म 'जय संतोषी मां' से की। 'स्वतंत्र मत' से चर्चा के दौरान उस पल को याद करते हुये रतन ने बताया कि फिल्म का सेट तैयार करने के लिये वह हैदराबाद में तीन दिन और तीन रात सोए नहीं थे। इसके बाद उन्होंने गैंग ऑफ घोस्ट, वेडिंग स्टोरी, डबल आई स्मार्ट, क्या कूल हैं हम, बहन होगी तेरी, मणिकर्णिका, किस्मत कनेक्शन, झूम बराबर झूम, टशन जैसी फिल्मों में कला निर्देशन किया। 'प्रिंस' उनकी सबसे बड़े बजट की फिल्म है।

जबलपुर का नाम किया रोशन

जबलपुर जैसे शहर से निकलकर मुंबई में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना अपने आप में एक मिसाल है। रतन सूर्यवंशी की इस सफलता ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे जबलपुर और मध्यप्रदेश का नाम कला जगत में ऊंचा किया है। आज वह उन हजारों युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन चुके हैं जो अपनी आंखों में बड़े सपने लेकर छोटे शहरों से महानगरों का रुख करते हैं। इंडस्ट्री में लगातार मिल रहे बड़े प्रोजेक्ट्स इस बात का सबूत हैं कि रतन सूर्यवंशी का यह सफरनामा अभी और भी कई नए रिकॉर्ड बनाने वाला है।

छोटी शुरुआत, बड़ा मुकाम

रतन की सफलता की कहानी जितनी शानदार है, उतनी ही जमीन से जुड़ी हुई है। मुंबई के इस चमचमाते सफर की शुरुआत उन्होंने कभी रेडियम से गाड़ियों की नंबर प्लेट बनाने के छोटे से काम से की थी। अपनी इसी कला की बारीकियों को उन्होंने कैनवास और बड़े सेट्स पर उतारा। उनकी यही लगन उन्हें धीरे-धीरे बॉलीवुड के गलियारों तक ले आई।

वीयू में 79वाँ स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के घटक पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में कल महाविद्यालय का 79वाँ स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में महाविद्यालय की गौरवशाली 79 वर्षीय शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं की यात्रा का स्मरण करते हुए पूर्व विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं वर्तमान विद्यार्थियों के मध्य संवाद, अनुभव साझा करने तथा सहयोग को प्रोत्साहित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक, पाटन डॉ. अजय विश्नोई रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक कैंट अशोक रोहाणी एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ. गोविंद प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर मोटर साइकिल सवार घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मदनमहल पुलिस ने बताया कि आमनपुर गंगासागर रोड निवासी सुरेन्द्र भलावी अपने बड़े भाई सूरज भलावी व पड़ोसी देव सिंह के साथ मजदूरी कर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे गंगासागर रोड होते हुए वर्फ फैक्ट्री के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहीं मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 49 एमएम-2387 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सूरज भलावी की गाड़ी में टक्कर मार दी। जिससे सूरज व देव सिंह गिर गये और उन्हें चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

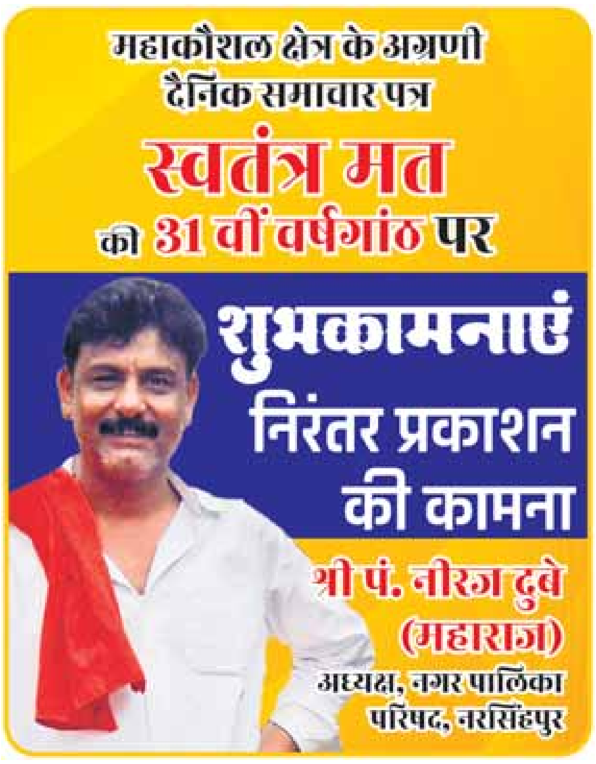

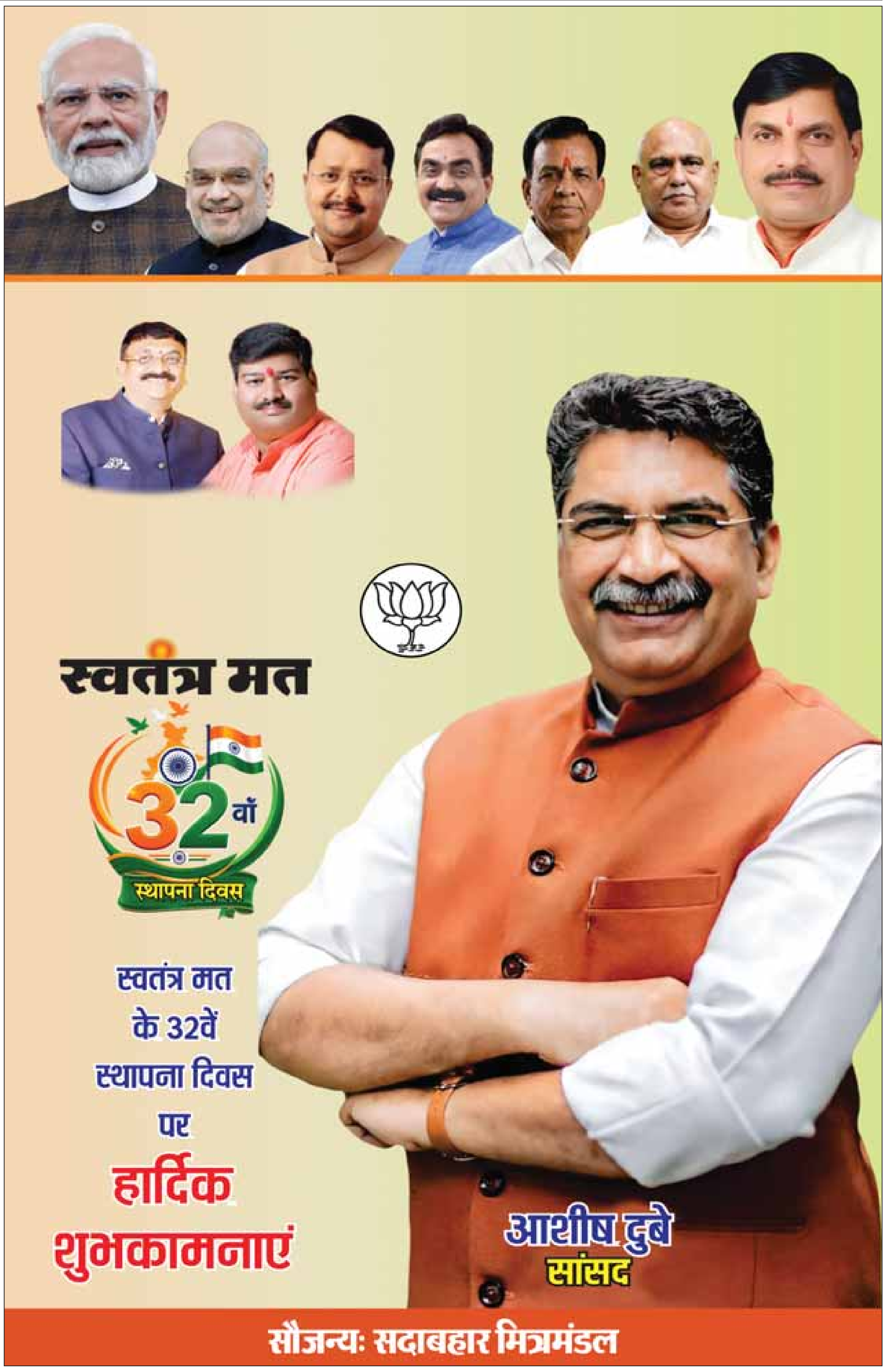

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**